THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 105 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.1 2082 शुक्रवार, 11 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप, 10 सेकेंड तक झटके महसूस हुए-4.4 तीव्रता

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में था। यहां रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 थी। इसकी वजह से दिल्ली और एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हरियाणा के जींद और बहादुरगढ़ के अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के इलाकों में भी 10 सेकेंड तक झटके आए। बीते छह महीने में दिल्ली और एनसीआर में तीसरी बार भूकंप आया है। इससे पहले 19 अप्रैल और 17 फरवरी को भी भूकंप आया था।

‘आधार, राशन और वोटर कार्ड शामिल करने पर विचार करे ईसीआई’

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण पर ‘सुप्रीम’ आदेश

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। लंबी बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए कि वह पुनरीक्षण के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर कार्ड को शामिल करने पर विचार करे। साथ ही तीन मुद्दों पर जवाब दाखिल करे। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए मामले की सुनवाई 28 जुलाई तक टाल दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। इसलिए बिहार में मतदाता पुनरीक्षण जारी रहेगा।

इससे पहले जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान मतदाता सत्यापन के लिए जरूरी दस्तावेजों से आधार कार्ड को बाहर रखने पर चुनाव आयोग ने कहा कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि आप मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में नागरिकता के मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं? यह गृह मंत्रालय का अधिकार क्षेत्र है। अगर आपको पुनरीक्षण के जरिये नागरिकता की जांच करनी थी तो आपको यह पहले करना चाहिए था। इसमें अब बहुत देर हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परेशानी पुनरीक्षण प्रक्रिया से नहीं है। बल्कि दिक्कत इसके लिए चुने गए समय से है।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि इस गहन प्रक्रिया में कुछ भी गलत नहीं है ताकि गैर-नागरिक मतदाता सूची में न रहें, लेकिन यह इस चुनाव से पहले होना चाहिए। न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा कि एक बार मतदाता सूची को अंतिम रूप दे दिया जाए और अधिसूचित कर दिया जाए और उसके बाद चुनाव हों तो कोई भी अदालत उसमें हाथ नहीं डालेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन मुद्दों पर मांगा जवाब

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग से तीन मुद्दों पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि अदालत के समक्ष जो मुद्दा है वह लोकतंत्र की जड़ और मतदान के अधिकार से जुड़ा है। याचिकाकर्ता न केवल चुनाव आयोग के मतदान कराने के अधिकार को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि इसकी प्रक्रिया और समय को भी चुनौती दे रहे हैं। इन तीन मुद्दों पर जवाब देने की जरूरत है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि आप इस प्रक्रिया को नवंबर में होने वाले चुनाव से क्यों जोड़ रहे हैं? यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो पूरे देश के चुनाव से स्वतंत्र हो सकती है। इस पर चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी को भी मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा।

गलियों में न जाएं, हाईवे पर ही रहें :

याचिकाकर्ता के वकील गोपाल एस ने कहा कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची जून में ही अस्तित्व में आ गई थी। इसके बाद न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा कि चुनाव आयोग इसमें न्यायाधीशों, पत्रकारों और कलाकारों को शामिल कर रहा है क्योंकि वे पहले से ही जाने जाते हैं। हमें इसे ज्यादा लंबा नहीं खींचना चाहिए। हमें गलियों में नहीं जाना चाहिए, बल्कि हाईवे पर ही रहना चाहिए। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि आपका मुख्य तर्क दस्तावेज़ों की श्रेणी से आधार कार्ड को बाहर रखना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम आयोग के गहन पुनरीक्षण और संक्षिप्त पुनरीक्षण नियमों में है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि हमें बताइए कि आयोग से यह

मतदाताओं के बिना चुनाव आयोग का अस्तित्व नहीं

चुनाव आयोग के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग एक सांविधानिक संस्था है जिसका मतदाताओं से सीधा संबंध है और अगर मतदाता ही नहीं होंगे तो हमारा अस्तित्व ही नहीं है। आयोग किसी को भी मतदाता सूची से बाहर करने का न तो इरादा रखता है और न ही कर सकता है, जब तक कि आयोग को कानून के प्रावधानों द्वारा ऐसा करने के लिए बाध्य न किया जाए। हम धर्म, जाति आदि के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकते।

इसमें बहुत देर हो गई है, आपको पहले यह काम करना चाहिए था :

इससे पहले न्यायमूर्ति धूलिया ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि नागरिकता के लिए प्रक्रिया में साक्ष्यों का कड़ाई से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इसके लिए अर्ध-न्यायिक प्राधिकार होना चाहिए। अगर आपको बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के तहत नागरिकता की जांच करनी है, तो आपको पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए थी। अब देर हो चुकी है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत भारत में मतदाता होने के लिए नागरिकता की जांच आवश्यक है।

सरकार ने बाढ़-भूस्खलन प्रभावित छह राज्यों के लिए मंजूर किया फंड

> इस साल 19 राज्यों को दिए आठ हजार करोड़

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार ने असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, केरल और उत्तराखंड जैसे बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित राज्यों के लिए 1,066.80 करोड़ रुपये की राशि जारी करने की मंजूरी दी है। छह बाढ़ प्रभावित राज्यों में से असम को 375.60 करोड़ रुपये, मणिपुर को 29.20 करोड़ रुपये, मेघालय को 30.40 करोड़ रुपये, मिजोरम को 22.80 करोड़ रुपये, केरल को 153.20 करोड़ रुपये और उत्तराखंड को 455.60 करोड़ रुपये राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से केन्द्रीय हिस्से के रूप में दिए गए हैं। इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अत्यधिक भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण ये राज्य प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित राज्यों को हरसंभव

सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार हर परिस्थिति में राज्यों के साथ मजबूती से खड़ी है। इस वर्ष, केन्द्र ने 14 राज्यों को एसडीआरएफ से 6,166.00 करोड़ रुपये और 12 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) से 1,988.91 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, 05 राज्यों को राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 726.20 करोड़ रुपये और 02 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से 17.55 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं। केन्द्र सरकार ने सभी बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने से प्रभावित राज्यों को आवश्यक एनडीआरएफ टीमों, सेना की टीमों और वायु सेना सहायता सहित सभी लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की है। मौजूदा मानसून के दौरान, 21 राज्यों/ केन्द्रशासित प्रदेशों में बचाव और राहत कार्यों के लिए 104 एनडीआरएफ टीमें तैनात की गई हैं।

जांच के लिए छात्राओं के कपड़े उतरवाए

स्कूल में 5वीं से 10वीं तक की बच्चियों के साथ हरकत, प्रिंसिपल हिरासत में

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे के एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा 5 से 10 तक की बच्चियों के कपड़े उतरवाकर चेकिंग की गई। बच्चियों ने अपने पेरेंट्स को बताया कि स्कूल के टॉयलेट में खून के धब्बे मिले थे। जिसके बाद सभी लड़कियों को कन्वेंशन हॉल में बुलाया गया और प्रोजेक्टर पर इसकी तस्वीरें दिखाई गईं। इसके बाद लड़कियों से पूछा गया कि किस-किस को अभी पीरियड्स हो रहे हैं। जिन लड़कियों ने हां में जवाब दिया, उनकी उंगलियों के निशान लिए गए। जिन लड़कियों ने न में जवाब दिया, उन्हें बारी-बारी से टॉयलेट में ले जाकर एक एक के कपड़े उतरवाकर प्राइवेट पार्ट्स की जांच की गई। पेरेंट्स की शिकायत के बाद पुलिस ने प्रिंसिपल को हिरासत में ले लिया है। जब बच्चियों ने ये बात घर जाकर पेरेंट्स को बताई तो पेरेंट्स स्कूल के बाहर जमा हो गए और हंगामा किया। वे प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पुलिस ने स्कूल पहुंचकर प्रिंसिपल को हिरासत में ले लिया है और शहापुर पुलिस स्टेशन ले गई है।

‘अरुणाचल में हिंदी जोड़ने वाली भाषा’

सीएम पेमा खांडू बोले-हमें इसे सीखने में कोई समस्या नहीं

ईटानगर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि हिंदी उनके राज्य के लिए जोड़ने वाली भाषा है और उनके राज्य के लोगों को इसे सीखने में कोई समस्या नहीं है। पेमा खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में जब से शिक्षा आई है, तब से ही हिंदी राज्य के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा रही है। गौरतलब है कि पेमा खांडू का यह बयान ऐसे समय आया है, जब महाराष्ट्र में भाषा को लेकर विवाद हो रहा है और इसे लेकर हंगामा जारी है।

मुख्यमंत्री ने बताया-क्यों है हिंदी जोड़ने वाली भाषा :

एक इंटरव्यू में पेमा खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में इतनी विविधता है कि यहां 26 प्रमुख जनजातियां और 100 से ज़्यादा उप-जनजातियां रहती हैं और ये सभी अपनी-अपनी भाषाएं और बोलियां बोलती हैं। अगर मैं अपनी बोली, अपनी भाषा में बोलूंगा, तो दूसरी जनजाति के लोग समझ नहीं पाएंगे। इसलिए हर कोई हिंदी बोलता है। व्याकरण संबंधी गलतियां जरूर होंगी, लेकिन अगर आप किसी गांव में भी जाएं, तो सभी ग्रामीण हिंदी समझेंगे और बोलेंगे। हम चुनाव प्रचार में और विधानसभा में भी हिंदी बोलते हैं।

खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश एक रणनीतिक स्थान है जहां विभिन्न राज्यों से आने वाले सुरक्षा बलों के जवान तैनात रहते हैं और ज़्यादातर हिंदी में बात करते हैं। कुछ राज्यों में हिंदी के विरोध के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी की अपनी मातृभाषा होती है, हर राज्य की अपनी भाषा होती है और हर जनजाति की अपनी भाषा भी होती है।

शशि थरूर ने अब आपातकाल पर कांग्रेस को घेरा

अनुशासन और व्यवस्था के नाम पर की गई क्रूरता

तिरुवनंतपुरम, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी के खिलाफ खड़े हुए हैं। इस बार उन्होंने कांग्रेस को आपातकाल को लेकर घेरा है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में अनुशासन और व्यवस्था के नाम पर क्रूरता की गई। आपातकाल को भारत के इतिहास का महज काला अध्याय नहीं मानना चाहिए, बल्कि इसके सबक को पूरी तरह से समझना जरूरी है। उन्होंने आपातकाल में इंदिरा गांधी और संजय गांधी के कामों को लेकर सवाल उठाए।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 25 जून 1975 और 21 मार्च 1977 के बीच प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल के काले युग को याद किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए किए गए प्रयास क्रूरता में बदल दिए गए। जिन्हें उचित नहीं ठहराया जा सकता। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य शशि थरूर ने कहा कि इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जबरन नसबंदी अभियान चलाया। यह आपातकाल का गलत उदाहरण बना। ग्रामीण इलाकों में मनमाने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हिंसा और जबरदस्ती की गई। नई दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गियों को बेरहमी से ध्वस्त कर दिया गया और उन्हें साफ कर दिया गया। हजारों लोग बेघर हो गए। उनके कल्याण पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह एक बहुमूल्य विरासत है जिसे निरंतर पोषित और संरक्षित किया जाना चाहिए। इसे दुनिया भर के लोगों के लिए एक स्थायी अनुस्मारक के रूप में काम करने दें। आज का भारत 1975 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अधिक आत्मविश्वासी, अधिक विकसित और कई मायनों में अधिक मजबूत लोकतंत्र हैं। फिर भी आपातकाल के सबक अभी भी चिंताजनक रूप से प्रासंगिक हैं। थरूर ने कहा कि सत्ता को केंद्रीकृत करने, असहमति को दबाने और सांविधानिक सुरक्षा उपायों को दरकिनार करने का प्रलोभन विभिन्न रूपों में फिर से प्रकट हो सकता है। अक्सर ऐसी प्रवृत्तियों को राष्ट्रीय हित या स्थिरता के नाम पर उचित ठहराया जा सकता है। इस लिहाज से आपातकाल एक कड़ी चेतावनी है। लोकतंत्र के रक्षकों को हमेशा सतर्क रहने की जरूरत है।

‘सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता का समय मिल सकता है’

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों का दौरा कर गुरुवार सुबह वापस स्वदेश लौट आए। इस पर कांग्रेस ने निशाना साधा है और कहा है कि जब प्रधानमंत्री वापस आ गए हैं तो अब उन्हें मणिपुर जाने, पहलगाम आतंकी हमले के आतंकवादी न्याय के कटघरे में क्यों नहीं ला जा सके हैं, इस पर विचार करने और अपने गृह राज्य में बुनियादी ढांचे के पतन पर विचार करने का समय मिल सकता है। कांग्रेस ने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री संसद के आगामी मानसून सत्र के एजेंडे को अंतिम रूप देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों-घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा के बाद आज सुबह भारत लौटे हैं।

गोलगप्पा कभी फुचका नहीं बन सकता : टीएमसी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच गुरुवार को बंगाल और अवैध बांग्लादेशियों को लेकर ज़ुबानी जंग छिड़ गई। यह राजनीतिक घमासान तब शुरू हुआ जब टीएमसी ने बीजेपी पर दिल्ली में बंगालियों को ‘बांग्लादेशी’ बताकर उनका शोषण करने का आरोप लगाया। मामला तो फुचका बनाम गोलगप्पा तक पहुंच गया। टीएमसी ने बीजेपी के लिए गोलगप्पा शब्द का प्रयोग किया। इसके बाद सियासी पारा और हाई हो गया।

बीजेपी और टीएमसी के बीच यह बहस तब शुरू हुई, जब आरोप लगा कि दिल्ली के वसंत कुंज में रहने वाले लगभग 1200 बंगाली बोलने वाले लोगों को, जो कथित तौर पर पश्चिम बंगाल के कूच बिहार से हैं, को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया है। टीएमसी ने कहा कि इन बंगाली भाइयों का बिजली और पानी कनेक्शन काट दिया गया है। साथ ही, उन्हें झूठे तरीके से बांग्लादेशी बताया जा रहा है। टीएमसी ने अपने एक्स हैंडल पर एक तीखा हमला करते हुए लिखा कि कि बंगाल को पाने की बीजेपी की चाहत कभी पूरी नहीं होने वाली है। उनकी हर कोशिश हमेशा नाकाम रहेगी। टीएमसी ने कहा कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बंगाल की परवाह करने का दिखावा करते हैं, लेकिन उनकी पार्टी के मन में हमारे लोगों के लिए गहरी नफरत भरी हुई है। टीएमसी ने आगे कहा कि बीजेपी के गुंडे, जमीन माफिया, डीडीए और सीएम रेखा की मदद से हमारे बंगाली भाइयों को दिल्ली पुलिस की मदद से परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी सख्त

विजय देवरकोंडा व प्रकाश राज समेत 29 अभिनेताओं-यूट्यूबर्स पर केस

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की है। तेलंगाना में विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज जैसे अभिनेताओं के अलावा कुछ सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स व यूट्यूबर्स सहित दो दर्जन से अधिक लोगों भूमिका की पड़ताल के लिए धन शोधन का मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इन दुकानों पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए करोड़ों रुपये की “अवैध” धनराशि अर्जित करने का आरोप है।

उन्होंने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने के लिए पांच राज्य पुलिस प्राथमिकियों का संज्ञान लिया है। ईडी मामले में देवरकोंडा, दग्गुबाती, मांचू लक्ष्मी, राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, अनन्या नागल्ला, टीवी होस्ट श्रीमुखी के अलावा स्थानीय सोशल मीडिया प्रभावितों और यूट्यूबर्स सहित लगभग 29 हस्तियों पर मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इन हस्तियों पर सेलिब्रिटी या विज्ञापन शुल्क प्राप्त करने के बदले जंगली रम्मी, जीतविन, लोटस 365 आदि जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का “समर्थन” करने का संदेह है। सूत्रों ने बताया कि इनमें से कुछ “जाने-माने” व्यक्तियों ने पहले कहा था कि उन्हें उनके द्वारा पेश किए गए ऐप्स और उत्पादों की सटीक कार्यप्रणाली की जानकारी नहीं थी और उन्होंने दावा किया कि उन्होंने सट्टेबाजी जैसी किसी भी गलत गतिविधि या अवैध गतिविधि के लिए इन प्लेटफार्मों के साथ खुद को नहीं जोड़ा।

ईडी द्वारा आने वाले दिनों में उनके बयान दर्ज किए जाने की उम्मीद है, साथ ही वह और अधिक एफआईआर एकत्र कर रहा है और उन अधिक शिकायतकर्ताओं की तलाश कर रहा है, जिन्हें इन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों द्वारा ठगा गया था।

इन एप से होने वाली “अपराध की आय” की अनुमानित राशि और इन मशहूर हस्तियों की वास्तविक भूमिका का पता लगाने के लिए एक व्यापक जाँच चल रही है। सूत्रों ने बताया कि उनके बयान और बयान दर्ज होने के बाद ही उनके अपराध का फैसला किया जाएगा।

‘मैं कर्नाटक का सीएम हूं, मैं यहां बैठा हूं’

सिद्धारमैया बोले-मुख्यमंत्री पद पर कोई वैकेंसी नहीं है

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की तरफ से मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा बयान दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री में बदलाव को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। डीके शिवकुमार खुद भी कह चुके हैं कि सीएम पद को लेकर कोई वैकेंसी नहीं है। कोई 50-50 फॉर्मूला नहीं है। जो भी फैसला हाई कमान के द्वारा लिया जाएगा, हम उसे मानेंगे।

सिद्धारमैया ने आगे कहा, मैं कर्नाटक का मुख्यमंत्री हूं। मैं यहां बैठा हूं। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई वैकेंसी नहीं है। हालांकि उन्होंने बाद में यह भी कहा कि जो भी फैसला हाईकमान द्वारा लिया जाएगा, दोनों नेता उसका पालन करेंगे। बुधवार को इस बात की चर्चा थी कि सिद्धारमैया अपॉइंटमेंट मिलने पर गुरुवार को राहुल गांधी से मिलेंगे लेकिन आज उन्होंने कहा कि कोई मीटिंग शेड्यूल नहीं है। हालांकि कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि उनकी मुलाकात हो सकती है। बुधवार को डीके शिवकुमारर ने प्रियंका गांधी से उनके घर जाकर मुलाकात की थी। एक कांग्रेस पार्टी के नेता ने कहा कि उन्होंने इस मीटिंग में अपना पक्ष रखा होगा। उन्होंने कहा, हालांकि, मुझे शक है कि राज्य में कुछ बदलेगा। सिद्धारमैया कांग्रेस के शीर्ष ओबीसी नेताओं में से एक हैं-शायद सबसे ज्यादा अपील और जनसमर्थन वाले। कांग्रेस उन्हें क्यों बदलेगी?

डीके शिवकुमार से जब मीटिंग के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कुछ खास जानकारी नहीं दी। उन्होंने कर्नाटक में लीडरशिप में चेंज की बातों को भी नकार दिया और कहा कि फिलहाल मंत्रिमंडल में बदलाव की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ वो केंद्रीय मंत्रियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए दिल्ली आए हैं।

‘सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद दूर करने पर हरियाणा-पंजाब सहमत’

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि सरकार सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद को दूर करने पर पंजाब और हरियाणा सहमत हो गए हैं। दोनों पक्ष समाधान के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय में अंतर-राज्यीय जल विवाद पर चर्चा के लिए हुई बैठक के बाद जल शक्ति मंत्री ने यह दावा किया। बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी समेत दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि मंत्रालय जल संसाधनों के न्यायसंगत और बेहतर प्रबंधन के लिए दोनों राज्यों को पूरा सहयोग प्रदान करेगा।

फिरोजपुर में महिला की हत्याः घर में घुसे हमलावर

फिरोजपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में घर में घुसकर तेजधार हथियार से हमला कर एक महिला को मौत के घाट उतार दिया गया। वहीं दो महिलाएं हमले में घायल हुई हैं। घटना गांव फत्तू वाला में हुई है। यहां दो पक्षों में जमीनी विवाद चल रहा है, जमीनी विवाद के चलते एक गुट के लोगों ने घर में घुसकर महिलाओं पर हमला कर दिया।

मृतका की पहचान कश्मीरो बाई (47) के तौर पर हुई है। वहीं घायल महिलाओं को सिविल अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलते ही एसएसपी भूपेंद्र सिंह सिद्धू पुलिस पार्टी के साथ घटना स्थल पर पहुंच गए। शव को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। एसएसपी भूपेंद्र सिंह सिद्धू का कहना है कि दोनों पक्षों में साढ़े चार एकड़ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है।

दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला

ट्रेन से गिरकर मौत पर रेलवे देगा मुआवजा ट्रिब्यूनल का आदेश पलटा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस मनोज जैन ने अपने अहम फैसले में रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल को निर्देश दिया है कि वह ट्रेन से गिरकर जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिजनों को निर्धारित नियमों के तहत मुआवजा प्रदान करे। यह मामला अमरपाली एक्सप्रेस से जुड़ा है, जिसमें मृतक नई दिल्ली से सिवान जंक्शन जा रहा था। खुरजा स्टेशन पर ट्रेन में पानी की सुविधा न होने के कारण वह नीचे उतरा था, और पानी लेकर वापस उसी ट्रेन में चढ़ते समय भीड़ के कारण गिर पड़ा, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

रेलवे ने इस दावे को नकारते हुए कहा था कि मृतक खुरजा स्टेशन पर पटरियों को पार कर रहा था और दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हुई। ट्रिब्यूनल ने रेलवे के पक्ष में फैसला सुनाया था और कहा था कि मृतक ने गलत दिशा से ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की थी, जो उसकी गलती थी। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए कहा कि यह विशेष महत्व नहीं रखता कि मृतक ने ट्रेन में गलत दिशा से चढ़ने की कोशिश की, जब यह साफ हो चुका है कि वह ट्रेन में दोबारा सवार हो गया था और उसके बाद गिरा।

दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रेन के उसी कोच में यात्रा कर रहे एक गवाह नसीम की गवाही को भी बेहद अहम माना है, जिसने यह साफ किया कि मृतक को किसी दूसरी ट्रेन ने नहीं मारा। इसके अलावा, जिस ट्रेन से टकराने का आरोप लगाया गया था, उसके लोको पायलट की गवाही भी मृतक के दोबारा चढ़ने और गिरने की बात को मजबूत करती है। कोर्ट ने कहा कि यह एक अप्रत्याशित दुर्घटना थी और मृतक ट्रेन में पहले से यात्रा कर रहा था।

इसलिए, रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल को 'रेलवे दुर्घटनाएं और आकस्मिक घटनाएं (मुआवजा) नियम 1990' के तहत निर्धारित मुआवजा 8 हफ्तों के भीतर देना होगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल के आदेश को पलटते हुए पीड़ित परिवार को मुआवजा देने के लिए कहा है।

बंगलूरू में ईडी की बड़ी कार्रवाई, कांग्रेस विधायक सुब्बा रेड्डी के ठिकानों पर छापेमारी

बंगलूरू, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्नाटक के विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों के खिलाफ विदेशी संपत्तियों को कथित तौर पर छुपाने को लेकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (एफईएमए) की धारा 37 के तहत ईडी ने बंगलूरू के 5 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। विधायक सुब्बा रेड्डी के आवास, उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठान और करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी तलाशी अभियान चला रही है। यह छापेमारी कथित तौर पर उनके और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा विदेशों में अघोषित संपत्ति रखने और अवैध निवेश के आरोपों के आधार पर की जा रही है। ईडी के मुताबिक, एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों पर विदेशी खातों में भारी राशि जमा कराने समेत मलेशिया, हांगकांग और जर्मनी में अचल संपत्तियों में निवेश करने के आरोप हैं। कथित तौर पर इन संपत्तियों और निवेशों को भारतीय अधिकारियों से छुपाया गया, जो फेमा कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। ईडी उनकी अवैध विदेशी संपत्ति की जांच कर रही है। कर्नाटक के अलावा, हरियाणा में भी ईडी की टीमें सक्रिय हैं। ईडी ने हरियाणा में प्रोबो एप संचालित करने वाली कंपनी पर शिकंजा कसते हुए 284 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज कर दी है। गुरुग्राम और जिंद में ईडी ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और इसके प्रमोटर्स सचिन सुभाषचंद्र गुप्ता और आशीष गर्ग के ठिकानों पर छापेमारी की। पीएमएलए के तहत यह कार्रवाई की गई।

ईडी की जांच का मुख्य उद्देश्य कंपनी की एप और वेबसाइट प्रोबो के माध्यम से पूरे भारत में चल रही अवैध सट्टेबाजी और जुए की गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। बता दें कि प्रोबो एप और वेबसाइट को ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह लोगों को 'हां या ना' जैसे सवालों पर पैसे लगाने के लिए प्रेरित करता है, जो जुए और सट्टेबाजी का एक रूप है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें साधारण सवालों के जवाब देकर पैसे कमाने का प्रलोभन दिया गया, लेकिन यह वास्तव में एक सट्टेबाजी योजना थी। इस स्कीम में लोग अधिक मुनाफे की उम्मीद में बार-बार पैसे लगाते रहे और अंततः अपनी रकम गंवा बैठे।

गुजरात पुल हादसे में अब तक 15 की मौत

3 लापता, वडोदरा कलेक्टर ने बताया- अभी तक क्यों लटक रहा टैंकर?

वडोदरा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाला गंभीरा पुल बुधवार (9 जुलाई) को अचानक बीच से टूट गया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 3 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से लगातार राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है, और लापता लोगों की खोजबीन जारी है। बता दें कि वडोदरा के पद्रा क्षेत्र में यह हादसा उस समय हुआ जब पुल पर कई वाहन गुजर रहे थे। वडोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने आज (10 जुलाई) को घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज 3 और शव बरामद किए गए हैं, जिससे मृतकों की संख्या 15 हो गई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल से लेकर करीब 4 किलोमीटर नीचे तक तलाशी अभियान चला रही हैं। हादसे के वक्त दो वाहन पुल के साथ नीचे गिरे थे, जो अब कीचड़ में फंसे हुए हैं। उन वाहनों की जानकारी जुटाने के लिए स्थानीय लोगों से भी संपर्क किया जा रहा है।

कलेक्टर ने जानकारी दी कि घटनास्थल पर एक खाली टैंकर पुल से लटक रहा है। उसके नीचे बचाव कार्य चल रहा है, इसलिए उसे हिलाना जोखिमभरा हो सकता है। टैंकर को स्थिर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि राहत कार्य में कोई बाधा न आए। लगातार हो रही बारिश के कारण नदी में पानी का स्तर बढ़ गया है, जिससे खोज और बचाव कार्य में अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। प्रशासन और राहत एजेंसियों के अधिकारी लगातार घटनास्थल पर मौजूद हैं और हर स्तर पर प्रयास जारी हैं। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने आज दूसरे दिन भी पूरे इलाके में तलाशी और राहत अभियान जारी रखा। स्थानीय लोगों से भी सहयोग की अपील की गई है ताकि लापता लोगों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की भी तैयारी की जा रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पोस्टमार्टम सैंपल की अनावश्यक जांच पर जताई चिंता

3 महीने में दिशा-निर्देश बनाने को कहा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह पोस्टमार्टम के बाद सैंपल को उनकी ओर से संचालित फॉरेंसिक साइंस लैब भेजने की प्रक्रिया को नियमों के मुताबिक तय करने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार करे। हाईकोर्ट ने कहा कि जरुरत से ज्यादा और मेडिकल रूप से गैरजरूरी रेफरल एफएसएल प्रणाली पर अत्यधिक बोझ डाल रहे हैं, जिससे आपराधिक जांच की गति धीमी हो रही है।

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में फॉरेंसिक मेडिसिन में एमडी कर रहे डॉ। सुभाष विजयन की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। कोर्ट ने इस मुद्दे पर फैसला लेने के लिए संबंधित अधिकारियों को तीन महीने का समय दिया है। कोर्ट में दाखिल याचिका में डॉ। विजयन ने दावा किया कि जैविक नमूनों को फॉरेंसिक जांच के लिए बिना विवेक के भेजा जा रहा है, जबकि कई मामलों में न तो मेडिकल सबूत होते हैं और न ही कानूनी आवश्यकता।

याचिकाकर्ता ने बताया कि कई डॉक्टर यह सोचकर सैंपल भेज देते हैं कि यदि बाद में कोई कानूनी सवाल उठे, तो उन्हें सुरक्षित रहना चाहिए, भले ही मामला पूरी तरह स्पष्ट हो और उसमें किसी साजिश की आशंका न हो। डॉ। विजयन ने याचिका में कहा कि यह डर और सतर्कता डॉक्टरों को हर मामले में सैंपल भेजने को मजबूर कर रही है, जबकि कई बार पुलिस भी कह देती है कि लैब जांच की आवश्यकता नहीं है, फिर भी डॉक्टर ऐसा करते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा कि हमारे देश के अधिकतर डॉक्टर कोर्ट और कानूनी प्रक्रिया से डरते हैं। संभावित कानूनी परेशानी से बचने के लिए वे हर केस में नमूने भेज देते हैं, जिससे लैब पर बेवजह दबाव पड़ता है। याचिका में यह भी कहा गया कि इस प्रथा के चलते फॉरेंसिक लैब की पहले से सीमित क्षमता पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, जिससे अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट में देरी होती है और मृतकों के परिजनों को भी अनावश्यक मानसिक तनाव झेलना पड़ता है।

दो छात्रों ने प्रिंसिपल को घोंपा चाकू, हिसार में दिल दहला देने वाली वारदात

हिसार, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हिसार के बास बादशाहपुर गांव में स्थित करतार मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार को एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। स्कूल के प्रिंसिपल जगबीर सिंह की दो छात्रों ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना ने स्कूल परिसर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करतार मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो छात्रों ने प्रिंसिपल जगबीर सिंह पर चाकू से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हमले में जगबीर सिंह को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हांसी के एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि प्रिंसिपल जगबीर सिंह ने दोनों छात्रों को बाल काटकर आने और स्कूल में अनुशासन का पालन करने की सलाह दी थी।

विधानसभा में उठा छात्राओं के कपड़े उतरवाने का मामला

सीएम फडणवीस ने दिए सख्त कार्रवाई के आदेश

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ठाणे के एक स्कूल में मासिक धर्म की जांच के लिए छात्राओं के कपड़े उतरवाने का मामला गुरुवार को विधानसभा में उठा। कांग्रेस विधायक नाना पटोले ने विधानसभा में इस मुद्दे पर सरकार को घेरा। इस पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहापुर स्थित एक निजी स्कूल में कथित तौर पर कक्षा 5 से 10 तक की छात्राओं के मासिक धर्म की जांच के लिए कपड़े उतरवाए गए। इस मामले में स्कूल की प्रिंसिपल, चार शिक्षकों सहित आठ लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए स्कूल की प्रिंसिपल और एक महिला स्टाफ को गिरफ्तार कर लिया। इस मुद्दे को कांग्रेस के नाना पटोले ने निचले सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में भी ऐसी घटना हो सकती है।

एनसीपी (शरद) के जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि इस मामले में शामिल स्कूल की प्रिंसिपल खुद एक महिला हैं। कांग्रेस विधायक ज्योति गायकवाड़ ने भी मांग की कि दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और पानी जैसी सुविधाएं जरूरी हैं। इसे लेकर मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने ठाणे जिले के एक निजी स्कूल में हुई घटना की जांच के आदेश दिए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को शाहापुर कस्बे के आर। एस। दमानी स्कूल में उस समय हुई, जब स्कूल के शौचालय में खून के धब्बे पाए गए। इसके बाद स्कूल प्रबंधन की इस कदम ने छात्राओं के अभिभावकों में आक्रोश पैदा कर दिया। नाराज अभिभावकों ने आज स्कूल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और इस घटना में शामिल प्रबंधन और शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने बुधवार रात स्कूल की प्रिंसिपल और एक महिला अटेंडेंट को गिरफ्तार किया। आठ लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 (महिला की मर्यादा भंग करने की नीयत से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), धारा 76 (महिला को निर्वस्त्र करने की नीयत से हमला या बल प्रयोग) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सनातन धर्म की आड़ में ठगीः छद्म भेषधारियों पर चलेगा ऑपरेशन कालनेमि

देहरादून, 10 जुलाई (एजेंसियां)। देवभूमि उत्तराखंड में सनातन धर्म की आड़ लेकर लोगों को ठगने वाले छद्म भेषधारियों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ऑपरेशन कालनेमि शुरू करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां असामाजिक तत्व साधु-संतों का भेष धारण कर विशेषकर महिलाओं को ठगने का कार्य कर रहे हैं। इससे न केवल धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं, बल्कि सनातन परंपरा की छवि को भी ठेस पहुंच रही है मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार असुर कालनेमि ने साधु का रूप धरकर लोगों को भ्रमित किया था, वैसे ही आज कई कालनेमि समाज में सक्रिय हैं। सरकार सनातन संस्कृति की रक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आस्था के नाम पर पाखंड फैलाने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'75 वर्ष के बाद दूसरों को अवसर देना चाहिए', मोहन भागवत ने क्यों कहा ऐसा

नागपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर के वनमती हॉल में एक समारोह में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 75 वर्ष के बाद व्यक्ति को दूसरों को अवसर देना चाहिए। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी रहे मोरोपंत पिंगले के जीवन पर आधारित अंग्रेजी बुक के विमोचन समारोह में सरसंघचालक ने उन्हें याद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृंदावन में आयोजित संघ की एक बैठक में मोरोपंत पिंगले को उनके 75 वर्ष का होने पर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया था। उस समय तत्कालीन सरकार्यवाह शेषाद्रि ने मोरोपंत को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया था। उस समय मोरोपंत ने कहा था कि मैं 75 का अर्थ समझता हूं। मोहन भागवत ने मोरोपंत को याद करते हुए कहा कि ये उनकी एक सीख है। मोरोपंत पिंगले ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में बिना किसी प्रचार के काम करने और पचहत्तर वर्ष के बाद संन्यास लेने की सीख दी थी।

मोरोपंत पिंगले की भविष्यवाणियों का किया जिक्र

आरएसएस प्रमुख ने आपातकाल के बाद हुए राजनीतिक बदलाव के दौरान पिंगले की भविष्यवाणियों का जिक्र करते हुए कहा कि जब चुनाव की चर्चा हुई, मोरोपंत ने कहा था कि अगर सभी विपक्षी दल एक साथ आएं तो करीब 276 सीटों पर जीत जाएंगे और जब परिणाम आए तो 276 सीटों पर ही जीत हुई। भागवत ने कहा कि परिणाम घोषित होने के दौरान मोरोपंत सतारा जिले के सज्जनगढ़ किले में थे, जहां वो इन सब चर्चाओं से दूर थे।

'राम जन्मभूमि आंदोलन में भी मोरोपंत ने अशोक सिंघल को आगे रखा'

भागवत ने बताया कि राम जन्मभूमि आंदोलन में भी मोरोपंत ने अशोक सिंघल को आगे रखा। वे स्वयं कभी आगे नहीं बढ़े। उन्होंने अपने आचरण से प्रसिद्धि से दूर रहकर कार्य करने का उदाहरण प्रस्तुत किया था। उन्होंने बचपन से ही आत्मत्याग की कठिन साधना की थी। वे संघ के प्रति इतने समर्पित थे, लेकिन उनमें यह भावना नहीं थी कि वे ऐसा-ऐसा कार्य करेंगे।

पंजाब में मालगाड़ी के इंजन सहित 3 वैगन पटरी से उतरे

कठुआ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के माधोपुर रेलवे स्टेशन के पास एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। जहां लैंडस्लाइड की वजह से एक मालगाड़ी के इंजन समेत तीन वैगन पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। यह घटना सुबह के समय उस वक्त हुई जब पठानकोट-जम्मू रेलखंड पर एक मालगाड़ी गुजर रही थी। इसी दौरान स्टेशन से कुछ दूरी पर पहाड़ी क्षेत्र से मलबा अचानक नीचे गिरा और रेल पटरियों पर आ गया। ट्रेन की रफ्तार ज्यादा नहीं थी, लेकिन मलबे की मात्रा अधिक होने के कारण इंजन और तीन वैगन पटरी से उतर गए।

रेलवे अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और राहत कार्य शुरू किया। रेलवे ने जानकारी दी है कि ट्रैक को जल्द से जल्द दुरुस्त करने की कोशिश की जा रही है ताकि इस रूट पर यातायात सामान्य हो सके। दुर्घटना स्थल पर क्रेन और अन्य उपकरणों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है और पटरी की मरम्मत का कार्य जारी है।

रेलवे के मुताबिक इस हादसे में किसी भी रेल कर्मचारी को चोट नहीं आई है और सभी सुरक्षित हैं। प्रभावित खंड पर फिलहाल ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। इस रूट से गुजरने वाली कुछ ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है। यात्रियों ट्रेनों को इससे कोई समस्या न आए इसलिए मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी गई है कि मलबा गिरने की आशंका पहले से क्यों नहीं जताई गई और क्या इस क्षेत्र में समय पर निगरानी की जा रही थी।

अरावली पहाड़ी में बनी खदान में डूबने से दो किशोरों की मौत, यूपी के इटावा से आए थे दिल्ली

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। घामडोज अलीपुर की अरावली पहाड़ी में बनी खदान में भरे पानी में नहाने आए दो युवकों को पानी ने डूबने से मौत हो गई। तीसरे की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। मृतक किशोरों की उम्र करीब 15 से 16 बताई जा रही है। ये सभी किशोर भोंडसी के रहने वाले हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, घामडोज अलीपुर की अरावली पहाड़ी में बनी खदान में बरसात के मौसम में पानी भर गया है। इसी बीच गुरुवार को क्षेत्र के ही आठ-दस बच्चे खदान में हुए जलभराव में डुबकी लगाने आए थे। हंसी-मजाक में ही तीनों किशोर अपना संतुलन खो बैठे और गहरे पानी में उतराते चले गये। स्वयं को खतरे में पाकर उन्होंने मदद की गुहार लगानी शुरू कर दी। मगर वहां उनकी सहायता करने के लिए कोई भी नहीं था। ऐसे में वे स्वयं को सुरक्षति नहीं रख पाए।

केरल में यूनिवर्सिटी गेट पर हंगामा, राज्यपाल पर लगाए आरोप; पुलिस ने संभाला मोर्चा

तिरुवनंतपुरम, 10 जुलाई (एजेंसियां)। तिरुवनंतपुरम में उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) के कार्यकर्ता केरल यूनिवर्सिटी के गेट पर चढ़ गए और जोरदार विरोध प्रदर्शन करने लगे। इन संगठनों का आरोप है कि केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर राज्य के फंड से चलने वाली यूनिवर्सिटियों का भगवाकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वॉटर कैनन यानी पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया गया। छात्र और युवा संगठन डीवाईएफआई और एआईएसएफ के कार्यकर्ता केरल यूनिवर्सिटी के बाहर विरोध जताने के लिए इकट्ठा हुए। प्रदर्शन उस वक्त तेज हो गया जब कुछ कार्यकर्ता यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर चढ़ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान 'राज्यपाल वापस जाओ, शिक्षा को भगवाकरण से बचाओ' जैसे नारे सुनाई दिए। विरोध कर रहे छात्रों का कहना था कि राज्यपाल का व्यवहार एकतरफा और राजनीतिक एजेंडा चलाने वाला है।

डीवाईएफआई और एआईएसएफ के नेताओं का आरोप है कि राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर राज्य की यूनिवर्सिटियों में आरएसएस और बीजेपी के विचारों को बढ़ावा दे रहे हैं। उनका कहना है कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता खत्म की जा रही है और वहां भगवा विचारधारा को थोपा जा रहा है। छात्रों का यह भी आरोप है कि नए कुलपति नियुक्त करने में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है और इसमें संघ समर्थित लोगों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

स्थिति को बिगड़ते देख केरल पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज बौछारों से प्रदर्शनकारियों को गेट से हटाया गया। इसके बाद पुलिस ने सभी एकजुट छात्रों को अलग-अलग करने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शन बिना अनुमति के हो रहा था और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई थी।

छात्र संगठनों की मांगें और चेतावनी

डीवाईएफआई और एआईएसएफ ने साफ कहा है कि अगर राज्यपाल अपने भगवाकरण एजेंडे को जारी रखते हैं तो राज्यभर में आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि केरल की शिक्षा प्रणाली की स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। छात्र संगठनों ने राज्य सरकार से भी मांग की है कि वह राज्यपाल के हस्तक्षेप को सीमित करे और यूनिवर्सिटी की स्वायत्तता की रक्षा करे।

अब तक राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर या उनके कार्यालय की ओर से इस विरोध प्रदर्शन पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, इससे पहले वे कई बार कह चुके हैं कि विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र बनाना उनकी प्राथमिकता है। लेकिन छात्र संगठन इसे एकतरफा कार्रवाई मान रहे हैं। फिलहाल केरल में यह विवाद शिक्षा और राजनीति के टकराव का नया मोर्चा बनता जा रहा है।

'ये तेरा देश है, कुछ भी कर', हरियाणा के शख्स ने 'हिंदी-मराठी' मामले में दिखाया आईना

गुरूग्राम, 10 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी भाषा को लेकर विवाद पुराना है। यह पिछले दिनों में एक बार फिर से देखने को मिला। इस बार विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि कई जगह पर हिंसा की घटनाएं भी हुईं। यह मामला पूरे देश में छाया हुआ है, जिस पर नेताओं से लेकर आम जनता की भी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक हरियाणा का शख्स महाराष्ट्र के शख्स से हरियाणवी भाषा में बात करने को कहता है। इसके बाद जो हुआ, उसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। उसमें एक शख्स को देखा जा सकता है। वह एक अन्य शख्स को आवाज लगाकर अपने पास बुलाता है। वह कहता है कि यहां महाराष्ट्र से कौन है। इस पर एक शख्स बाहर आता है। तब उससे पूछा जाता है कि तुम कहां से हो? इस पर वह बताता है कि मैं नासिक (महाराष्ट्र) का रहने वाला हूं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025 3

सुविचार: यदि आपको दूसरों की प्रतीक्षा करने की आदत है तो आप अवश्य ही पीछे रह जायेंगे

हैदराबाद ताड़ी कांड : हैदराबाद में मिलावटी ताड़ी पीने से चार की मौत

> 37 अस्पताल में भर्ती, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मिलावटी ताड़ी पीने से एक के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने की घटनाएं सामने आई हैं। अब तक इस मामले में 4 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 37 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। शुरूआती जांच में शक जताया गया है कि ताड़ी में मिलावट की गई थी। पुलिस ने चार संदिग्ध मौतों का केस दर्ज किया है और पूरी घटना की जांच के लिए सबूत जुटाए जा रहे हैं।

सरकारी जानकारी के मुताबिक, जिन लोगों की तबीयत बिगड़ी है, उन्होंने छह जुलाई और आठ जुलाई को हैदराबाद के कुकटपल्ली, बालानगर और आस-पास के इलाकों में ताड़ी पी थी। इसके बाद इन्हें उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। कई लोगों की हालत इतनी खराब हो गई कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा। पहले इन्हें सामान्य लक्षण समझकर भर्ती किया गया, लेकिन जब संख्या बढ़ी तो मामला गंभीर हो गया।

हैदराबाद के निजाम्स इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अब तक 31 मरीज भर्ती हैं, वहीं 6 अन्य अलग-अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अधिकतर मरीजों को तेज पेट संक्रमण की समस्या हुई है। कई मरीजों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें आईसीयू में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

मौत की वजह अभी साफ नहीं

साइबराबाद पुलिस का कहना है कि उन्होंने चार संदिग्ध मौतों के मामले दर्ज किए हैं, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि मौत का कारण सिर्फ ताड़ी ही है या कुछ और। शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है और विसरा को फोरेंसिक साइंस लैब भेजा गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हम निश्चित तौर पर कुछ कह पाएंगे और उसी आधार पर धाराएं भी बदली जाएंगी।

ताड़ी की दुकानों पर प्रशासन का एक्शन :

घटना के बाद जिन ताड़ी की दुकानों से लोगों ने शराब पी थी, उन्हें प्रशासन ने सील कर दिया है। उत्पाद विभागने इन दुकानों से ताड़ी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। शुरूआती जांच में शक है कि ताड़ी में केमिकल या कोई जहरीला पदार्थ मिलाया गया हो सकता है। अब यह जांच रिपोर्ट ही तय करेगी कि ताड़ी मिलावटी थी या नहीं।

पांच लोग हिरासत में, जांच जारी

इस पूरे मामले में उत्पाद विभाग ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है कि क्या ताड़ी में जानबूझकर मिलावट की गई थी या यह कोई लापरवाही थी।

पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने तक और भी लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। यह मामला अब कानून, स्वास्थ्य और प्रशासनिक विभागों के समन्वय से हल किया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनधिकृत या संदिग्ध जगहों से ताड़ी या देसी शराब न खरीदें।

मिलावट से हुई मौतों से लोगों में आक्रोश

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़ी में संदिग्ध मिलावट के कारण हाल ही में हुई मौतों और अस्पताल में भर्ती होने की घटनाओं ने आबकारी विभाग की दृश्यता और सतर्कता की प्रभावशीलता पर संदेह पैदा कर दिया है। कभी ताड़ी यौगिकों पर लगातार छापे और कड़ी जांच के लिए जाना जाने वाला विभाग, वर्तमान में निगरानी में ढिलाई बरत रहा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और नियामक निरीक्षण के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। पिछले सप्ताह, ताड़ी पीने से तीन लोगों की मौत हो गई तथा महिलाओं सहित कई अन्य गंभीर रूप से बीमार हो गए, क्योंकि संदेह है कि ताड़ी में हानिकारक रसायन मिला हुआ था।

पीड़ितों के परिवारों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि प्रवर्तन के अभाव में सिंथेटिक मादक द्रव्यों और हानिकारक पदार्थों के मिश्रण जैसी अवैध गतिविधियां अनियंत्रित हो रही हैं। कुछ साल पहले तक, आबकारी विभाग ताड़ी खनन क्षेत्रों और खुदरा दुकानों पर नियमित रूप से छापे मारता था। विशेष टीमें प्रयोगशाला परीक्षण के लिए नमूने एकत्र करती थीं, ताड़ी भंडारण सुविधाओं की जाँच करती थीं और नियमों का उल्लंघन करने वाले लाइसेंस धारकों के खिलाफ कार्रवाई करती थीं।

नलसर विश्वविद्यालय का 22वां वार्षिक दीक्षांत समारोह कल

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय का 22वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 12 जुलाई को परिसर में आयोजित होगा। गुरुवार को यहां जारी एक बयान में कहा गया कि न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा भी उपस्थित रहेंगे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और नालसार के कुलाधिपति न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे। सर्वोच्च न्यायालय, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। तेलंगाना के मंत्री भी दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

इटेला ने लोगों से मानवीय मूल्यों की रक्षा का आग्रह किया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सांसद इटेला राजेंद्र ने आज गुरु पूजा दिवस के अवसर पर समाज में हो रहे विभिन्न आयोजनों पर अपने ही अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लोगों से समाज में मानवीय मूल्यों की रक्षा करने का आग्रह किया। वे मेडचल शहरी जिले की भारतीय जनता पार्टी इकाई द्वारा आयोजित गुरु पूजा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, इटेला राजेंद्र ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराएं दुनिया के लिए एक मिसाल हैं। हम सभी गुरु पूजा के अवसर पर व्यास महर्षि की पूजा करते हैं। गुरु के बिना कोई शिक्षा नहीं मिलती। गुरु वह है जो अंधकार को दूर कर प्रकाश देता है। गुरु वह है जो ज्ञान प्रदान करता है।

गुरु वह है जो मार्गदर्शन करता है। हमें इस स्तर तक लाने वाले गुरुओं को याद करना और उनके प्रति कृतज्ञ होना आवश्यक है। उस समय कॉर्पोरेट स्कूल नहीं थे। आश्रमों में पढ़ाई होती थी। आज गुरु का कोई सम्मान नहीं है। कुछ लोग हैं जो गुरुओं को नाम देते हैं। उन्होंने कहा कि पहले मूल्यों को आय से ज़्यादा महत्वपूर्ण माना जाता था, लेकिन अब धन और संपत्ति केंद्र बिंदु बन गए हैं और कहा कि समाज में कई अनसुनी और अनदेखी घटनाएं हो रही हैं। सत्ता-केंद्रित राजनीति के बजाय जन-केंद्रित राजनीति होनी चाहिए। हम जिस नेता को चुनते हैं, वह ऐसा होना चाहिए जो ऐसा करने में सक्षम हो।

अगर एक इंजीनियर विफल होता है, तो पुल टूट जाता है, लेकिन अगर एक राजनेता विफल होता है, तो समाज टूट जाता है। ऐसी संवेदनशीलता वाले लोगों को राजनीति में आना चाहिए। एक राजनेता एक शिक्षक की तरह होता है जो समाज का मार्गदर्शन करता है। जब वह सही रास्ते पर चलता है, तभी समाज शांत रहेगा। मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि ऐसे राजनेता को चुनते समय सतर्क रहें। गोपू रमण रेड्डी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी जिला प्रभारी मल्लारेड्डी, अवधेश मिश्रा, पार्षद मीना उपेंद्र रेड्डी, नवजीवन रेड्डी, वरिष्ठ नेता वीके महेश, नारायण रेड्डी, माणिक रेड्डी, पित्तला नागेश आदि ने भाग लिया।

दोनों सदनों के सुचारू संचालन के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए : विधानसभा अध्यक्ष

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा मीडिया सलाहकार समिति की पहली बैठक विधानसभा भवन के समिति हॉल में हुई। इस बैठक में विधान सभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, विधायी कार्य मंत्री श्रीधर बाबू, विधान सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु, समिति के अध्यक्ष आई. रेड्डी श्रीनिवास रेड्डी, सह-अध्यक्ष परिपूर्ण चारी और सदस्यों ने भाग लिया।

सर्वप्रथम, अध्यक्ष, सभापति, मंत्री और सचिव ने समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष और समिति के सदस्यों को पुष्पगुच्छ भेंट किए और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रसाद कुमार ने तेलंगाना विधान मीडिया सलाहकार समिति के नए अध्यक्ष आई. रेड्डी श्रीनिवास रेड्डी, सह-अध्यक्ष परिपूर्ण चारी और सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में महत्वपूर्ण विधान सभा और विधान परिषद की गरिमा और प्राथमिकताओं की रक्षा करते हुए मीडिया सलाहकार परिषद के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान करने का यह एक अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि आप वरिष्ठ पत्रकार के रूप में बहुत अनुभवी हैं और उनसे दोनों सदनों के सुचारू संचालन के लिए सदैव अपना सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हम सभी की मंशा है कि राज्य की जनता को विधान सभा और विधान परिषद की बैठकों के सुचारू संचालन और सार्थक चर्चाओं का लाभ मिले। उन्होंने मीडिया को न केवल विधान सभा सत्र के दौरान, बल्कि अन्य समय में भी विधान सभा से संबंधित समाचारों को उचित महत्व देने का आह्वान किया। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि विधान सभा और विधान परिषद की बैठकों के सुचारू संचालन के लिए मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित समिति सदन के सुचारू संचालन के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करे, और आने वाले दिनों में विधान सभा और विधान परिषद एक ही भवन के अंतर्गत आने वाले हैं, इसलिए कुछ बदलावों की भी आवश्यकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मीडिया समिति के सदस्य किसी भी आवश्यक सहायता के लिए हर समय उपलब्ध रहेंगे।

विधायी कार्य मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि विधान सभा और विधान परिषद के कार्यों में मीडिया को जिम्मेदारी देने और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मीडिया सलाहकार समिति का गठन किया गया है। उन्होंने दोनों सदनों के संचालन में सभी का सहयोग मांगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार बैठकों के दौरान आवश्यक सुविधाओं और आवास के संबंध में मीडिया प्रतिनिधियों को आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि समिति के सुझावों और सिफारिशों पर विचार किया जाएगा, खासकर बैठकों के दौरान जारी किए जाने वाले पास के मामले में, और सभी से मिलकर काम करने की अपील की ताकि बैठकें अच्छे माहौल में आयोजित की जा सकें। समिति के अध्यक्ष इरेड्डी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि बैठकों को कवर करने वाले सभी मीडिया प्रतिनिधियों को निर्देश दिए जाएंगे ताकि वे पास प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि मीडिया प्रतिनिधियों के लिए आवश्यक सुविधाओं पर सभी की राय पर विचार करने के बाद सुझाव दिए जाएंगे।

आयुक्त आरवी कर्णन ने पद्मराव नगर नाला का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने मुशीराबाद सर्कल में नागमय्या कुंटा से पद्माराव नगर तक बनाए गए नाले का निरीक्षण किया। एसएनडी द्वारा पूर्व में किए गए नाले के विकास कार्य का अंतिम भाग अन्य कारणों से पूरा नहीं हो सका था। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को शेष अधूरे नाले के काम को तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने इंजीनियरिंग अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक धनराशि स्वीकृत करने हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए नाले में सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को खुले नाले पर स्लैब निर्माण और चारदीवारी निर्माण कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियंता अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के मौसम में या सड़क मरम्मत के दौरान सुरक्षा उपायों के तहत चेतावनी बोर्ड न लगाने के कारण दुर्घटना होने पर संबंधित अभियंता के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। आयुक्त के साथ क्षेत्रीय आयुक्त रवि किरण, उपायुक्त रामानुज रेड्डी, क्षेत्रीय और सर्किल स्तर के इंजीनियरिंग अधिकारी और अन्य लोग मौजूद थे।

टीएसएचआरसी ने ताड़ी मिलावट की घटना पर सरकार से रिपोर्ट मांगी

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीएसएचआरसी) ने सरकार के प्रधान सचिव, राजस्व (निषेध और उत्पाद शुल्क) को कथित ताड़ी मिलावट की घटना के संबंध में एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। गुरुवार को रामा राव नामक व्यक्ति की शिकायत के बाद आयोग ने प्रधान सचिव को 20 अगस्त तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिसमें घटना के तथ्यात्मक सत्यापन, मृतकों की संख्या और प्रभावित व्यक्तियों जैसे पहलुओं को शामिल किया गया हो, जैसा कि शिकायत और समाचार रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है। आयोग ने इस संबंध में राजस्व विभाग द्वारा की गई कार्रवाई, यदि कोई हो, का ब्योरा मांगा है, जिसमें की गई पूछताछ, की गई गिरफ्तारियां, ताड़ी की दुकानों को सील करना, या दोषी अधिकारियों के खिलाफ शुरू की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई शामिल है। इसमें ताड़ी निकालने और वितरण को विनियमित करने तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ताड़ी में मिलावट की निगरानी और रोकथाम के लिए वर्तमान में मौजूद निवारक तंत्रों के बारे में भी जानकारी मांगी गई।

यात्रियों के लिए सड़कों पर खुले मेनहोल खतरा

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की सड़कों पर चलने वालों के लिए चिंता का विषय सिर्फ़ अनियमित ड्राइविंग की आदतें, तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाना, ख़राब सड़क निर्माण और यात्रियों, पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफ़िक कर्मियों की कमी ही नहीं है। अब, शहर की अलग-अलग सड़कों पर टूटे और खुले मैनहोल भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। चाहे वह हमेशा व्यस्त रहने वाला जेएनटीयू रोड खंड हो, या माधापुर में प्रसिद्ध हाईटेक सिटी खंड या यहां तक कि बांदरी लेआउट, खराब तरीके से प्रबंधित मैनहोल मोटर चालकों और पैदल यात्रियों दोनों को गंभीर दुर्घटनाओं का अधिक खतरा पैदा करते हैं। विडंबना यह है कि नगर निगम के अधिकारी सड़क उपयोगकर्ताओं की परेशानियों के प्रति उदासीन बने हुए हैं।

कहीं टूटे हुए मैनहोल के ढक्कनों या मरम्मत के दौर से गुज़र रहे मैनहोलों पर तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाने वालों को चेतावनी देने के लिए कुछ टहनियां चिपका दी जाती हैं। कहीं पत्थरों के टुकड़े या टूटे हुए ट्रैफ़िक कोन रखे जाते हैं। और कुछ जगहें तो ऐसी भी हैं जहां ये भी नज़र नहीं आते। इन खराब प्रबंधन वाली जगहों पर उचित चेतावनी बैरिकेडिंग या दूर से दिखाई देने वाली स्पष्ट चेतावनी भी नहीं होती। वाहन चालक आमतौर पर आखिरी समय में सड़क पर आई दरार को देख लेते हैं और पीछे से तेज़ गति से आ रहे वाहनों से टकराने का जोखिम उठाते हुए उससे बचने की कोशिश करते हैं।

राचकोंडा कमिश्नर ने एलबी नगर साइबर योद्धा की प्रशंसा की

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नर जी. सुधीर बाबू द्वारा शुरू की गई विज़िबल पुलिसिंग पहल के तहत, एलबी नगर पुलिस हर दिन उन जगहों पर जहाँ लोग ज़्यादा इकट्ठा होते हैं, लोगों को साइबर अपराधों के बारे में, "साइबर अपराधों के विरुद्ध जन जागरूकता और सतर्कता" के बारे में शिक्षित कर रही है, कि कैसे हम सतर्क रहकर साइबर अपराधियों के जाल में फंसने से बच सकते हैं, लोन ऐप्स और सोशल मीडिया के लिंक खोलने से हमें क्या नुकसान हो सकता है, और कैसे अपराधी हमें डराकर हमारी कमज़ोरियों का इस्तेमाल एक अवसर के रूप में करते हैं। राचकोंडा कमिश्नर ने एलबी नगर पुलिस की उत्कृष्ट जागरूकता के लिए उनकी प्रशंसा की है। इसी कड़ी में, कमिश्नर ने एलबी नगर पुलिस स्टेशन में नव-चयनित महिला कांस्टेबल वैष्णवी को एलबी नगर स्थित अपने कैंप कार्यालय में बुलाया और उन्हें एक इनाम दिया। बी.टेक की पढ़ाई पूरी की और 2024 बैच में कांस्टेबल के पद पर नियुक्त हुए, जिससे साबित हुआ कि हम किसी सॉफ्टवेयर कर्मचारी से कम नहीं कर सकते।

हथकरघा श्रमिकों के व्यक्तिगत ऋणों का सत्यापन शीघ्र पूरा किया जाए : तुम्मला

> मंत्री ने योजनाओं के प्रदर्शन की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने हथकरघा वस्त्र विभाग के अधिकारियों के साथ हथकरघा श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के प्रदर्शन की समीक्षा की। कपड़ा विभाग की प्रधान सचिव शैलजा राम अय्यर ने कपड़ा विभाग में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में मंत्री को समझाते हुए कहा, अब तक 33,913 हथकरघा श्रमिकों ने तेलंगाना नेतन्ना बचत योजना के तहत पंजीकरण कराया है।

इस योजना के तहत, यदि हथकरघा श्रमिक अपने वेतन का 8 प्रतिशत बैंकों में जमा करते हैं, तो सरकार आरडी-11 खातों में 16 प्रतिशत जमा करेगी। बुनकरों की सुरक्षा के हिस्से के रूप में, दुर्घटनाओं या प्राकृतिक कारणों से मरने वाले श्रमिकों के नामांकित व्यक्तियों को, उम्र की परवाह किए बिना, 5 लाख रुपये का बीमा प्रदान किया गया है, और 14 अगस्त 2024 से अब तक मरने वाले 194 हथकरघा श्रमिकों के नामांकित व्यक्तियों को 9.70 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं और उनके परिवारों को सरकार द्वारा सहायता प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने तेलंगाना नेतन्ना बीमा योजना के हिस्से के रूप में 48.8 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। बुनकरों की पंजीकरण प्रक्रिया जारी रहेगी, और पंजीकरण पूरा होने के बाद, इस योजना के तहत प्रति वर्ष 18 हजार प्रदान किए जाएंगे। जियो-टैग्ड करघों पर काम करने वाले बुनकरों को 6 हज़ार रुपये प्रति वर्ष और संबंधित श्रमिकों को तय ताना उत्पादन के अनुसार 6 हज़ार रुपये प्रति वर्ष दिए जाएंगे। सरकार ने बुनकरों के व्यक्तिगत ऋण माफी के लिए 33 करोड़ रुपये जारी किए हैं और इस योजना से राज्य भर के 5691 बुनकर लाभान्वित होंगे। सत्यापन प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर धनराशि जारी कर दी जाएगी। मंत्री ने कहा, सभी सरकारी विभागों और निगमों से आगामी वर्ष के लिए आवश्यक कपड़ों के ऑर्डर सितंबर माह में ही ले लिए जाएं। जिन सरकारी विभागों ने पहले ही ऑर्डर दे दिए हैं, उन्हें कपड़ों का वितरण शीघ्रता से पूरा किया जाए। इसी प्रकार, टेस्को से लेकर संघों तक, वस्त्र उत्पादन के कार्य आदेश तुरंत प्रदान किए जाएं और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएं कि वस्त्रों का उत्पादन समय पर हो। बुनकरों को वर्ष भर काम उपलब्ध कराया जाए। स्वयं सहायता समूहों द्वारा महिलाओं को प्रदान की जाने वाली महिला शक्ति साड़ियों के उत्पादन में तेजी लाई जाए। उत्पादन को शीघ्र पूरा करने के लिए निगरानी हेतु विशेष अधिकारी नियुक्त किए जाएं। हथकरघा श्रमिकों के व्यक्तिगत ऋणों की सत्यापन प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए। हथकरघा श्रमिकों के खातों में तुरंत धनराशि जमा की जानी चाहिए। टेस्को शोरूम के प्रदर्शन में सुधार लाने और उन्हें लाभप्रद बनाने के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए, और घाटे में चल रहे टेस्को शोरूमों का लाभ में चल रहे शोरूमों में विलय किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, तेलंगाना हस्तशिल्प संगठन में मानव संसाधनों का समुचित उपयोग करने और संगठन को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

राजभाषा विभाग का स्वर्ण जयंती समारोह आज

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने 26 जून, 1975 को अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती समारोह की घोषणा की है। 26 जून को नई दिल्ली में आयोजित भव्य उद्घाटन समारोह के बाद, इस श्रृंखला का अगला प्रमुख समारोह- "दक्षिण संवाद" - शुक्रवार, 11 जुलाई को हैदराबाद के गच्चीबावली स्थित जीएमसी बालयोगी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जॉली ने आज सीजीओ टावर्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने विभाग के उद्देश्यों, मुख्य विशेषताओं और उपस्थित होने वाले गणमान्य व्यक्तियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। पीआईबी हैदराबाद की अपर महानिदेशक, आईआईएस, श्रुति पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का संयोजन और संचालन किया।

मीडिया को संबोधित करते हुए, डॉ. जॉली ने बताया कि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट अतिथियों में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण शामिल होंगे। डॉ. जॉली ने यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुडुचेरी सहित पूरे दक्षिण भारत के वरिष्ठ अधिकारी, विद्वान और भाषा प्रेमी इसमें भाग लेंगे। उन्होंने आगे बताया कि समारोह के दौरान, स्वर्ण जयंती वर्ष के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जो भाषाई संवर्धन और सांस्कृतिक जुड़ाव दोनों के प्रति विभाग के समर्पण को दर्शाता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Kanaka Maha Lakshmi, W/o. No.14651201P, Hav, Balaji Reddi Palli, R/o,Visakhapatnam Dist,A P, changed my name from Kanaka Maha Lakshmi to Reddi-palli Kanaka Maha Lakshmi vide Affidavit dt 08.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, No.14651201P,Hav, Balaji Reddi Palli, R/o, Visakhapatnam Dist, A P, changed my Son's name from RNK Jaydeep to Reddipalli Naga Krishna Jaydeep vide Affidavit dt 08.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

I, Manimegalai P, W/o, No 14689419L, NK, Prabhakaran R, R/o, Vellore Dist, Tamil Nadu, changed my name from Manimegalai P to Manimegalai Prab-hakaran vide Affidavit dt 08.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अपराधियों ने किराना दुकानदार को लूट के दौरान मारी गोली

सड़क पर लोगों ने किया विरोध दर्ज

सिवान, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सीवान में अपराधियों ने लूटपाट के दौरान एक किराना दूकानदार को गोली मार दी। इस घटना में दुकानदार घायल हो गया। आननफानन में उसे स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। घटना बसंतपुर थाना क्षेत्र के बसंतपुर बाज़ार की है। दुकानदार चुटकुला प्रसाद को पहले सीवान सदर अस्पताल लाया गया, जहां से उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। अब घटना से आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गये और आगजनी कर घटना का विरोध कर रहे हैं। घटना के संबंध में किराना दुकानदार चुटकुला प्रसाद ने बताया कि बीती देर रात वह अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उनके थैले में दिन भर की कमाई थी। जैसे ही वह बसंतपुर स्थित स्टेट बैंक के पास पहुँचे, तभी दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने उनका पीछा कर थैला लूटने की कोशिश की। जब दुकानदार ने लूट का विरोध किया और शोर सुनकर आसपास के लोग जमा होने लगे, तो अपराधियों ने उनके पैर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए।

तेजस्वी यादव की सुरक्षा में सेंध

पटना लौट रहे थे, तभी काफिले में घुसी शराबी की गाड़ी

पटना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। यह घटना पटना के गंगा मरीन ड्राइव पर सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में उस वक्त हुई, जब तेजस्वी यादव नवादा से एक कार्यक्रम में शामिल होकर पटना लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, तेजस्वी यादव का काफिला जब गंगा मरीन ड्राइव से गुजर रहा था, तभी एक सफेद इनोवा गाड़ी तेजी से उनके काफिले में घुस गई। इनोवा के चालक ने तेजस्वी की गाड़ी को ओवरटेक करने की भी कोशिश की।

इस अप्रत्याशित घटना से काफिले में मौजूद सुरक्षाकर्मी और सहयोगी चौंक गए। आरजेडी नेता के सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इनोवा चालक को पकड़ लिया। सुल्तानगंज थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जांच में पाया गया कि इनोवा का चालक शराब के नशे में था। वह मोकामा का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब तेजस्वी यादव को 'वाई प्लस' सुरक्षा मिली हुई है। तेजस्वी यादव नवादा में पूर्व विधायक कौशल यादव के पार्टी में शामिल होने वाले कार्यक्रम में गए थे, जहां उनका स्वागत सोने के मुकुट और चांदी के लालटेन से किया गया था।

किसे मिलती है वाई+ सुरक्षा?

वाई प्लस (वाई+) सुरक्षा उन व्यक्तियों को दी जाती है जिनकी जान को खतरा होता है, खासकर राजनीतिक नेताओं, वीआईपी, वीवीआईपी और अन्य उच्च-प्रोफाइल लोगों को दी जाती है। वाई प्लस सुरक्षा में आमतौर पर 11 सुरक्षाकर्मी होते हैं। इसमें 1 या 2 कमांडो (सीआरपीएफ या सीआईएसएफ से हो सकते हैं) और 2 व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) शामिल होते हैं। इसके अलावा, इसमें अन्य पुलिसकर्मी भी होते हैं। इन सुरक्षाकर्मियों का काम व्यक्ति की हमेशा सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है, जिसमें उनके घर, काफिला और यात्रा के दौरान सुरक्षा शामिल है।

गुरुकुल में छात्र की मौत: हादसा नहीं, हत्या है

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से बड़ा खुलासा तीन आचार्य हिरासत में

शाहजहांपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र के गांव रुद्रपुर स्थित गुरुकुल महाविद्यालय के छात्र अनुराग की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर भारी वस्तु से प्रहार किए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने प्रथमदृष्टया हत्या की घटना मानते हुए करीब एक घंटे तक गहन छानबीन की।

26 छात्रों को थाने में लाकर पूछताछ की गई। तीन आचार्यों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने घटनास्थल से मिले डंडे व गमले आदि कब्जे में लिए हैं। कन्नौज जिले के छिबरामऊ थाना क्षेत्र के गांव रामखेड़ा निवासी ब्रजेश सिंह यादव का 13 वर्षीय बेटा अनुराग तिलहर थाना क्षेत्र के रुद्रपुर गांव स्थित गुरुकुल महाविद्यालय में कक्षा छह का छात्र था। मंगलवार को उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर परिजन पहुंचे तो उन्हें शव राजकीय मेडिकल कॉलेज में मिला।

उसके कान व नाक से खून बह रहा था। देर रात में छात्र की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई तो उसमें सिर पर भारी चीज से प्रहार व गर्दन के पास चोट की पुष्टि हुई। रिपोर्ट आने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई।

सुबह-सुबह मद्य निषेध विभाग के डीएसपी के घर छापेमारी

नक्सलियों के चंगुल से छुड़ाया गया था

पटना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मद्य निषेध विभाग के पुलिस उपाधीक्षक अभय कुमार के खगड़िया कृष्णपुरी स्थित आवास पर स्पेशल निगरानी विभाग की टीम ने छापेमारी की है। आज यानी गुरुवार को सुबह आठ बजे से निगरानी की टीम पुलिस उपाधीक्षक के आवास पर छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, अभय कुमार 1994 बैच में दारोगा बने थे। इन्हें मुंगेर जिले के कजरा थाना में ड्यूटी के दौरान नक्सलियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। काफी प्रयास के बाद उन्हें नक्सलियों के चंगुल से मुक्त कराया गया है। फिलहाल, वे पटना मद्य निषेध विभाग में डीएसपी के पद पर तैनात हैं। हालांकि, छापेमारी की प्रशासनिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन, सूत्रों के मुताबिक 2 घंटे से पुलिस उपाधीक्षक के घर पर छापेमारी जारी है।

स्थानीय पुलिस उनके आवास को चारों तरफ से घेर रखा है। इस खबर में अब तक इतनी ही जानकारी मिली है। सूचना मिलते ही आप तक शेयर की जाएगी। फुलवारी शरीफ के रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र के न्यू ब्रह्मपुर आदर्श कॉलनी रोड नंबर-1 स्थित एक स्टोरेज पॉइंट पर रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर 168 बोतल (126 लीटर) अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। जब्त की गयी शराब की बाजार में कीमत करीब 1.50 लाख रुपये आंकी गई।

रात एक बजे की गई थी कार्रवाई

टीम के अनुसार, पैकिंग इतने सधे तरीके से की गई थी कि ऊंचाई से कार्टन गिराने पर भी शराब की बोतल नहीं टूटे और बाहर से किसी को भी अंदाजा न हो कि अंदर शराब है। यह कार्रवाई रात 1:00 बजे की गई, जब मद्य निषेध निरीक्षक के नेतृत्व में एक टीम गठित कर सटीक टारगेट पर दबिश दी गई। मौके से जब्त शराब रॉयल स्टैग ब्रांड की है, जिस पर "फॉर सेल इन चंडीगढ़" अंकित था।

बिहार में आर्थिक अपराध इकाई की धमक

राजधानी समेत तीन जिलों में छह टीम कर रही छापेमारी

सहरसा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध इकाई ने शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम के कार्यपालक अभियंता के घर पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई सहरसा में की गई है। यह कार्रवाई सहरसा के साथ-साथ सीतामढ़ी और राजधानी में भी की जा रही है।

आरोपी प्रमोद कुमार के विरूद्ध आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। आर्थिक अपराध ईकाई बिहार की कुल 06 टीम कार्रवाई कर रही है जिसमें एक टीम सीतामढ़ी, तीन टीम सहरसा और दो टीम पटना में स्थित विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है l आर्थिक अपराधी इकाई के अपर पुलिस महानिदेशक मो नैयर हसनैन खान ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आरोपी प्रमोद कुमार के खिलाफ आर्थिक अपराध थाना में कांड संख्या-13/2025 के तहत आई है, जो फिलहाल जांच कर रही है। सहरसा जिला मुख्यालय सहित अन्य जगहों पर आर्थिक अपराध इकाई का छापेमारी चल रही है। आर्थिक अपराध इकाई शिक्षा विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार के घर छापेमारी कर रही है।

ह छापेमारी सहरसा शहरी क्षेत्र के नया बाजार और हटिया गाछी सहित कई जगहों पर की जा रही है। शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। शिक्षा विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार के घर के साथ-साथ बिहरा थाना क्षेत्र के पंचगछिया में ओमप्रकाश सिंह के घर भी आर्थिक अपराध इकाई की जांच चल रही है।

हत्यारी मां को कोर्ट ने दी फांसी की सजा तीन बच्चों को नदी में फेंककर की थी हत्या

औरैया, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के औरैया से बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल यहां तीन बच्चों की हत्यारी मां को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। बता दें कि हत्यारी मां तालेपुर में सेंगुर नदी में फेंककर अपने तीन मासूम बच्चों की हत्या कर दी। इस मामले की सुनवाई एडीजी-3 न्यायाधीश सैफ अहमद की कोर्ट में हुई, जिसके बाद उसे फांसी की सजा दी गई है। बता दें कि कोर्ट में मां द्वारा की गई निर्मम हत्या को दुर्लभ माना। यह पूरी घटना औरैया कोतवाली क्षेत्र के तालेपुर गांव की है, जहां एक महिला ने अपने तीन मासूम बच्चों को सेगुर नदी में फेंक कर उनकी हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद महिला पर आरोप लगा कि अपनी संतान से नफरत करने की वजह से उसने अपने तीनों बच्चों को मार डाला। बहता दें कि इस घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मचा हुआ था। जानकारी के मुताबिक, इस घटना के पीछे का अहम कारण पारिवारिक विवाद को बताया जा रहा था।

लेकिन उस दौरान किसी ने ये नहीं सोचा था कि महिला इतनी क्रूर होगी जो अपने ही बच्चों की हत्या कर देगी। इस घटना के तुरंत बाद पुलिस ने एक्शन लेना शुरू किया और तुरंत महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जब महिला से पूछताछ शुरू की तो महिला ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद से ही इस मामले पर सभी की नजर टिकी हुई थी।

क्या बोले न्यायाधीश?

आज कोर्ट में सबूतों और गवाहों को संज्ञान में लेते हुए महिला को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उसे न्यायाधीश सैफ अहमद ने फांसी की सजा सुनाई है। न्यायालय ने माना कि महिला ने अपने बच्चों की हत्या करने के इरादे से उन्हें जानबूझकर नदी में फेंक दिया। इसलिए ऐसे क्रूर कार्य के लिए महिला को कठोरतम सजा दी जानी चाहिए।

न्यायाधीश सैफ अहमद ने महिला को फांसी की सजा दी और यह भी कहा कि ऐसे अपराधों के लिए समाज में कठोर सजा दी जानी चाहिए, ताकि अन्य लोग भी इससे शिक्षा लें और इस तरह के जघन्य अपराध करने से बचें। सजा सुनाते हुए सैफ अहमद ने कहा कि यह घटना ना केवल क्रूर है बल्कि समाज के लिए यह एक कड़ा संदेश है। बच्चों की हत्या जैसे मामले समाज के लिए एक बड़ा खतरा है।

पुलिस और बदमाशों के बीच एनकाउंटर

1 घायल बदमाश समेत 5 गिरफ्तार

नोएडा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 39 में पुलिस और बदमाशों के बीच आज मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि 5 अन्य बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि यह घटना तब हुई जब थाना सेक्टर 39 पुलिस द्वारा चौकी सदरपुर के पास चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान बिना नंबर प्लेट के टाटा ऐस गाड़ी और एक ब्रेजा कार में कुछ संदिग्ध लोग आते हुए दिखाई दिए।

इस दौरान जब पुलिस की टीम द्वारा चेकिंग करने के इरादे से उन्हें रोका गया तो वे नहीं रुके और सेक्टर 42 की तरफ बागने लगे। पुलिस की टीम ने जब उनका पीछा शुरू किया तो बदमाश स्वयं को घिरता देख टाटा एस व ब्रेजा कार को छोड़कर जंगल की ओर भागने लगे। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस की टीम को जान से मारने के इरादे से फायरिंग भी की। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान सुमित उर्फ बिल्ला के रूप में हुई है जो बिहार के खगड़िया का रहने वाला है।

उसके पास से 1 अवैध तमंचा, 1 जिंदा कारतूस और 1 खोखा बरामद हुआ है। पुलिस टीम द्वारा कांबिंग के दौरान ब्रेजा कार छोड़कर भागे बदमाश अनुप पाल उर्फ चिकना, प्रवीण उर्फ शूटर, कोविन्द, शहनवाज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बदमाशों के पास से ब्रेजा कार, बिना नंबर प्लेट वाली टाटा एस गाड़ी को बरामद किया है, जिसमें दो लोहा काटने वाली आरी, एक रस्सा लोहे का हुक लगा हुआ, चार बंडल केबिल और 2 कट्टे बरामद हुए हैं।

भागलपुर में 2 बच्चों की मां से रेप की कोशिश

भागलपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भागलपुर में घर में घुसकर एक महिला से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गांव के युवक पर आरोप लगाया है। थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया कि सोमवार देर रात घर में अकेली थी। इस दौरान गांव के संजय यादव बाहर से उसके पति को आवाज देने लगा। कोई जवाब नहीं मिलने पर जबरन दरवाजे को धक्का मारकर घर में घुस गया। उसने मुझे जमीन पर गिरा दिया और रेप का प्रयास करने लगा। किसी तरह से उसके चंगुल से खुद को छुड़ाकर बाहर भागी।

नाथनगर इंस्पेक्टर राजीव रंजन सिंह ने बताया कि महिला ने छेड़खानी और जबरदस्ती के प्रयास की शिकायत दर्ज कराई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है। मेडिकल जांच जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल बस पलटने से बीस बच्चे घायल, बच्चे अस्पताल में भर्ती

बक्सर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बक्सर जिले के संरेजा गांव के पास गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। जब निजी स्कूल की एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में करीब 20 स्कूली बच्चे घायल हो गए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। बच्चों को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार के लिए चौसा पीएचसी में भर्ती कराया गया।

बस चौसा प्रखंड के विभिन्न गांवों से छात्रों को लेकर स्कूल जा रही थी, तभी संरेजा गांव के समीप अचानक बस असंतुलित होकर पलट गई। बस के पलटते ही मौके पर बच्चों की चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शीशा तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला। किसी तरह बच्चों को सुरक्षित निकाला गया और एम्बुलेंस व निजी वाहनों से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल छात्रों में कक्षा 2 के रितेश, कक्षा 5 के विपुल कुमार, कक्षा 9 के शिवम कुमार और दिव्या चौबे शामिल हैं। इन सभी को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पतालों में रेफर किया गया है।

हादसे के बाद परिजनों में गुस्सा फूट पड़ा। अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बस की स्थिति काफी जर्जर थी और चालक भी अनुभवहीन था। कई अभिभावकों ने प्रशासन से स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मौके पर राजपुर थाना पुलिस ने पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। बस को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य किया गया। फिलहाल पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने बयान जारी करते हुए कहा है कि घायल छात्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी को हर संभव सहायता दी जाएगी।

छांगुर बाबा की कोठी पर तीसरे दिन भी बुलडोजर एक्शन, लगाई गई 8 जेसीबी

बलरामपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की आलीशान कोठी को तीसरे दिन भी बुलडोजर से गिराया जा रहा है। बलरामपुर के उतरौला के मधपुर गांव में गुरुवार सुबह 10 बजे प्रशासन की टीम 8 बुलडोजर लेकर कोठी पर पहुंची। कोठी के बचे हुए हिस्से को बुलडोजर से तोड़ा जा रहा है। सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया गया छांगुर बाबा का आलीशान बंगला बुधवार को भी ज़मींदोज़ नहीं हो पाया। इसके बाद आज फिर तीसरे दिन भी बुलडोजर कार्रवाई जारी है। अवैध निर्माण तोड़ रहे लोगों का कहना है कि कोठी को बनाने में काफी पैसा खर्च किया गया है और सरिया का बहुत इस्तेमाल हुआ है, जिसकी वजह से दो दिन में भी ये कोठी धाराशाही नहीं हो पाई। छांगुर की कोठी का 75 फीसदी तक हिस्सा टूट चुका है। तीन बीघे में करीब 3 करोड़ की लागत से बनी कोठी में 70 से ज्यादा कमरे और हॉल हैं। इनमें 40 कमरों वाले हिस्से को प्रशासन ने अवैध बताया है। एटीएस का दावा है कि छांगुर बाबा यहीं से धर्मांतरण का नेटवर्क चलाता था। यह कोठी उसकी महिला मित्र नीतू उर्फ नसरीन के नाम पर है। बाबा ने ही नीतू का धर्मांतरण करके उसे नसरीन नाम दिया था। 5 जुलाई को एटीएस ने 50 हजार रुपये के इनामी छांगुर बाबा को नीतू उर्फ नसरीन के साथ लखनऊ से गिरफ्तार किया था। एटीएस ने सात दिनों के लिए छांगुर बाबा और नसरीन को रिमांड पर लिया है। छांगुर बाबा की कोठी उतरौला-मनकापुर मेन रोड पर है। इसमें 10 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। कोठी के चारों तरफ बाउंड्री वाल पर तार दौड़ाया गया था। इस पर रात को करंट दौड़ाई जाती थी, ताकि कहीं से कोई अंदर न आ सके। मेन गेट से कोठी तक जाने के लिए 500 मीटर की प्राइवेट रोड बनी हुई है।

मेरी बेटियां भी खेलती हैं पर तुमसे अच्छा नहीं

टेनिस खिलाड़ी साशा कटियार को अखिलेश यादव ने दिया 1 लाख

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक टेनिस खिलाड़ी को अपने घर बुलाकर उसका सम्मान किया। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की टेनिस प्रतियोगिता जीत चुकी साशा कटियार को अखिलेश शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही एक लाख रुपए का चेक सौंपा। अखिलेश यादव ने साशा को विदेश में प्रतियोगिता होने पर सारा इंतजाम कराने का आश्वासन दिया। बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने साशा से पूछा कि क्या वह टूर्नामेंट खेलने के लिए विदेश जाती है। इस पर साशा ने बताया कि विदेश में खेलने के लिए पैसों का इंतजाम करने में दिक्कत आती है। इस पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि अगली बार खेलने के लिए विदेश जाना तो बता देना।

सारा इंतजाम वह करेंगे। साशा से मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि मेरी बेटियां भी टेनिस खेलने की शौकीन हैं लेकिन जितना अच्छा तुम खेलती हो, वो वैसा नहीं खेल पातीं। बेटियों से मिलने के लिए उन्होंने साशा को अपने घर आने का न्यौता भी दिया। गौरतलब है सासा कटियार कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं। उनके पिता अनिल कटियार पत्रकार हैं।

चरस पिलाई, फिर चाकू से काट दी गर्दन, प्रेमी से इसलिए कराया पति का कत्ल

उन्नाव, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपनी पति की हत्या प्रेमी और उसके दोस्त से करा दी। महिला का पति दोनों के प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहा था, साथ ही वह उसके शौक पूरे नहीं कर पा रहा था। हत्याकांड को पूरी योजना के तहत अंजाम दिया गया। हत्या के बाद शव को नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने मामले में मृतक की पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमी के दोस्त की तलाश जारी है।

घर से पांच किमी दूर ई-रिक्शा चालक की हत्या

जानकारी के अनुसार, गंगाघाट कोतवाली के मोहल्ला अखलाक नगर निवासी ई-रिक्शा चालक इमरान उर्फ काले की छह जुलाई की घर से पांच किमी दूर अचलगंज थाना क्षेत्र में हत्या कर दी गई थी। सात जुलाई को अचलगंज थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे नाले की पुलिया पर लोगों ने खून फैला देखा तो शक हुआ। पुलिस ने जांच की तो सिल्ट भरे नाले में शव मिला था।

कॉल डिटेल से हत्याकांड का पर्दाफाश

मृतक और उसकी पत्नी शीबा के फोन की कॉल डिटेल निकलवाई तो एक के बाद एक परतें खुलने लगीं। थानाध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि मृतक इमरान के मोहल्ले से पता चला कि छह जुलाई की रात नौ बजे तुरकिया बदरका निवासी फरमान उर्फ चुन्ना अपने मोहल्ले के साथी रफीक के साथ इमरान को अपनी बाइक से कर्मी बिजलामऊ की ओर जाते देखा गया था।

तीन साल पहले शीबा ने इमरान से की थी दूसरी शादी

मृतक के बड़े भाई सलमान ने पूछताछ के दौरान बहू शीबा पर शक जताया तो पुलिस ने उस दिशा में जांच शुरू की। पता चला कि शीबा पहले से शादीशुदा थी। तीन साल पहले शीबा ने इमरान से दूसरी शादी की थी, दोनों के एक बेटी है। भाई ने 18 जून को सऊदी अरब से लौटे फरमान के शीबा के घर आने-जाने की जानकारी भी दी।

प्रेमी से रोज घंटों बात करती थी शीबा

पुलिस ने शीबा से पूछताछ शुरू की तो वह पहले गुमराह करने का प्रयास करती रही। बाद में सर्विलांस की मदद से जब शीबा और फरमान के बीच रोज घंटों बातचीत की पुष्टि हुई तो पुलिस ने फरमान को उठाया और पूछताछ में घटना की सच्चाई सामने आ गई।

छह माह से मायके में रह रही थी शीबा

शीबा ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी सफीपुर में हुई थी। उसने तीन साल पहले पति को छोड़ दिया और इमरान के साथ रह रही थी। इमरान नशे का लती हो गया था और ई-रिक्शा चलाकर जो भी कमाता था नशे में खर्च कर देता था। पति से झगड़ा होने पर वह छह महीने से अपने मायके में रह रही थी। छह महीने पहले उसकी मुलाकात फरमान से हुई। फरमान सऊदी अरब में काम करता है और पैसे वाला है। दोनों में नजदीकी हो गई। फिर फरमान विदेश चला गया, लेकिन इस दौरान भी वह दोनों फोन पर बात करते रहे। 18 जून को फरमान साथी रफीक के साथ विदेश से आया और फिर दोनों का मिलना जुलना शुरू हो गया। इमरान को इसकी जानकारी हुई तो उसने शीबा को पीटा और अपने घर चलने के लिए कहा।

चरस पिलाई फिर गर्दन पर चाकू से वार कर मार डाला

थानाध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि सात जुलाई की शाम फरमान ने अपने साथी रफीक के माध्यम से इमरान को लखनऊ-कानपुर हाईवे पर मिलने के लिए बुलाया। दोनों ने इमरान को पहले चरस पिलाई फिर अधिक मात्रा में शराब पिलाई, अधिक नशे में होने पर बाइक में बीच में बैठाकर सिटी ड्रेन की पुलिया पर आए। सुनसान देख दोनों ने मिलकर इमरान को पहले सड़क पर पटक दिया, बाद में फरमान ने उसकी गर्दन पर चाकू से वार किया। इमरान ने बचाव में हाथ से चाकू पकड़ लिया इससे उसकी हाथों की नस भी कट गईं।

बाद में दोनों ने उसका गला रेत कर शव पुलिया के नीचे दलदल में फेंक कर भाग निकले। आगे जाकर हत्या में प्रयुक्त चाकू झाड़ियों में फेंक दिया, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। एसओ ने बताया कि हत्या के बाद दोनों विदेश भागने की फिराक में थे। जिसमें शीबा और फरमान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, रफीक अभी फरार है। वह विदेश न भाग पाए इसके लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

30 साल पुराना हत्या मामला

में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, ओम प्रकाश चौटाला के बेटे की शादी में गोली लगने से किशोर की मौत हुई थी

चंडीगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। 30 साल पुराने हत्या के बहुचर्चित मामले में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए तीन दोषियों को दोषमुक्त करार दिया है। बठिंडा सत्र न्यायालय ने इन तीनों को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस मामले में प्रमुख अभियुक्त ओम प्रकाश की मौत पहले ही हो चुकी है। मामला 26 फरवरी 1995 का है जब सिरसा के गांव चौटाला में ओम प्रकाश के बेटे की शादी थी। इस दौरान गोली लगने से 13 वर्षीय छात्र जीत राम की मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच में इसे दुर्घटनावश गोली चलने का मामला माना गया और पुलिस ने अनट्रेस रिपोर्ट फाइल कर दी। पुलिसस की इस रिपोर्ट को मजिस्ट्रेट ने 1996 में स्वीकार कर लिया। करीब साढ़े तीन साल बाद मृतक के पिता मदनलाल ने अक्टूबर 1999 को पुलिस को शिकायत देकर दावा किया कि उनके बेटे की हत्या की गई थी। न्यायालय ने पाया कि इस मामले में दो गवाह न केवल ओम प्रकाश चौटाला के करीबी थे, बल्कि इनके और आरोपियों के बीच पहले से रंजिश भी थी। गवाहों ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने उस समय तक कुछ नहीं कहा जब तक ओम प्रकाश चौटाला जुलाई 1999 में हरियाणा के मुख्यमंत्री नहीं बने। अदालत ने इसे राजनीतिक हस्तक्षेप और दुश्मनी का संकेत माना। मामला हाई प्रोफाइल था इसलिए हाईकोर्ट के आदेश पर इस केस का ट्रायल हरियाणा से पंजाब के बठिंडा की अदालत में भेज दिया गया था। हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन की कहानी निर्विवाद और विश्वसनीय नहीं है।

दिल्ली दंगा केस: मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाई

कड़कड़डूमा कोर्ट ने आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी को सुनाई सजा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों में गोकुलपुरी इलाके में हुई हिंसा से जुड़े मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी को आईपीसी की धारा 153ए और 505 के तहत सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा लोकेश कुमार सोलंकी ने अपने मैसेजों के जरिए से मुसलमानों के प्रति वैमनस्य, शत्रुता और घृणा को बढ़ावा देने की कोशिश की। आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी पर साल 2020 में दंगों के दौरान हत्या करने का आरोप लगा था।

कोर्ट ने कहा कि लोकेश का मकसद ग्रुप के दूसरे सदस्यों को डराना और मुसलमानों के विरुद्ध अपराध करने के लिए उकसाना था। फरवरी 2020 के तनावपूर्ण दौर में सोलंकी ने मुस्लिम समुदाय के प्रति शत्रुता और नफरत फैलाने वाले संदेश

फैलाकर पहले से ही सुलग रहे तनाव को और भड़काया।

आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी को 2020 के दंगों के बाद पुलिस ने पकड़ा था। लोकेश के साथ दंगों के दौरान 2 लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने हत्या के आरोपी 12 लोगों को पकड़ा था। हालांकि, मार्च में दिल्ली की एक अदालत ने आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे पता चल सके कि उनमें से कोई भी आरोपी भीड़ का सदस्य था। साथ ही गोकलपुरी पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ दर्ज दो मामलों की सुनवाई कर रहे एडिशनल सेशन जज पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा, इनमें से एक लोकेश कुमार सोलंकी की ओर से दो हत्याओं की बात कबूल करने के संबंध में व्हाट्सऐप पर की गई बातचीत ठोस सबूत नहीं है। एफआईआर के अनुसार, गोकलपुरी में आमीन और भूरे अली को दंगाइयों ने मार डाला था। फिर उनके शव को 25 और 26 फरवरी 2020 को नालों में फेंक दिया गया था।

वहीं, दूसरी तरफ दिल्ली 2020 दंगों के मामले में आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। फरवरी 2020 के दंगों के मामले में आरोपियों की जमानत याचिकाओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस की ओर से बहस करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि राष्ट्र के खिलाफ काम करने के आरोपियों को तब तक जेल में रहना चाहिए जब तक कि उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाता या बरी नहीं कर दिया जाता।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, अगर आप अपने देश के खिलाफ कुछ कर रहे हैं, तो बेहतर होगा कि आप तब तक जेल में रहें जब तक आपको बरी या दोषी न ठहराया जाए। उन्होंने आगे कहा, देश की राजधानी में दंगा हुआ जिसमें 100 पुलिसकर्मी और 41 अन्य लोग घायल हुए और एक पुलिसकर्मी की जान चली गई।

उन्होंने उमर खालिद, शरजील इमाम, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा सहित कई आरोपियों की ओर से "बड़ी साजिश" मामले में दायर जमानत याचिकाओं के जवाब में जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शैलिंदर कौर की बेंच के सामने दलील दी।

दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें पूरी होने के बाद, अदालत ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। आरोपियों पर फरवरी 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के कारण गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आईपीसी के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दंगे में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे।

सड़क के गड्ढे में समा गया बड़ा सा ट्रक, गुरुग्राम में भारी बारिश ने मचाई तबाही

गुरुग्राम, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में बुधवार देर रात बारिश ने भारी तबाही मचाई। बारिश के बीच साउथर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) का एक हिस्सा अचानक धंस गया और एक ट्रक विशाल गड्ढे में फंस गया। इस हादसे ने शहर में ट्रैफिक को बुरी तरह प्रभावित किया। यह वाकिया रात करीब 10:30 बजे हुआ जब बारिश के कारण सड़क का एक हिस्सा धंस गया और ट्रक पलट गया। ट्रक अभी भी गड्ढे में फंसा हुआ है। ट्रक ड्राइवर को मामूली चोटें आईं और उसे बयान दर्ज करने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन बुलाया गया। बताया जा रहा है कि इस सड़क पर हाल ही में सीवर से जुड़ा रखरखाव का काम हुआ था। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुग्राम में 12 घंटों में 133 मिमी बारिश हुई, जिसमें 90 मिनट के भीतर ही 103 मिमी बारिश दर्ज की गई।

बिना इजाजत बनाया महिलाओं का वीडियो मच गया बवाल, आरोपी हुआ अरेस्ट

बेंगलुरु, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की मशहूर चर्च स्ट्रीट और दूसरी जगहों पर महिलाओं की बिना इजाजत वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर डालने का मामला सामने आया है। एक युवती ने इस मुद्दे को उठाते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी आपबीती साझा की है।

उसने बताया कि एक इंस्टाग्राम अकाउंट बिना उनकी मर्जी के उनकी वीडियो रिकॉर्ड कर रहा है और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहा है। युवती की पोस्ट वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी को अरेस्ट कर लिया। बेंगलुरु साउथ के डीसीपी लोकेश जगलसर ने कहा कि इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए 2 हफ्ते पहले एफआईआर दर्ज की गई थी।

युवती ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'यह शख्स चर्च स्ट्रीट पर 'हंगामे' की आड़ में वीडियो बनाने का ढोंग करता है, लेकिन असल में वह महिलाओं का पीछा करके उनकी बिना इजाजत वीडियो बनाता है। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। मुझे यकीन है कि कई और महिलाओं को भी नहीं पता कि उनकी वीडियो बनाई गई है। मेरा अकाउंट पब्लिक होने का मतलब यह नहीं कि सार्वजनिक तौर पर मेरी वीडियो बनाने की इजाजत है। इजाजत का मतलब यही नहीं होता। व्यूज और इंगेजमेंट कमाने का यह तरीका गलत है।'

युवती ने आगे लिखा, 'मैं उम्मीद करती हूं कि इस शख्स को पकड़ा जाए। मैंने टैग किया है ताकि यह बात सही लोगों तक पहुंचे। कृपया इस वीडियो को हटाने में मेरी मदद करें। मैंने उस अकाउंट को रिपोर्ट कर दिया है, इसलिए उसका नाम नहीं ले सकती, लेकिन उसका यूजरनेम वीडियो में है।' युवती ने यह भी बताया कि इस वीडियो की वजह से उन्हें कई भद्दे और अश्लील मैसेज मिल रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इस अकाउंट के कई वीडियो देखे जा सकते हैं, जिनमें महिलाएं सड़क पर चलते हुए नजर आ रही हैं। ज्यादातर वीडियो में महिलाएं हैरान दिखती हैं क्योंकि उन्हें अचानक कैमरे की ओर इशारा करते हुए देखा जाता है। कुछ वीडियो में महिलाएं अनजान हैं कि उनकी रिकॉर्डिंग हो रही है। इस मामले ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा है और कई यूजर्स ने इसे गलत बताते हुए बेंगलुरु पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी। बेंगलुरु पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

36 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी पूर्व कर्मचारियों ने जेनिथ कंपनी को लगाया चूना

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक बड़ी मनी ट्रांसफर और ट्रैवल कंपनी जेनिथ लीजर हॉलीडेज लिमिटेड को पूर्व कर्मचारियों और रजिस्टर्ड डिस्ट्रीब्यूटर ने मिलकर 36 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी का शिकार बना डाला। दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच करते हुए तीन आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस ने जिन लोगों को अरेस्ट किया है, उनकी पहचान सौरभ जैन, संजय शर्मा और चंद्रकांत के तौर पर हुई है। पुलिस की साइबर सेल में कंपनी के जरिए दर्ज एफआईआर के मुताबिक, 28 मई 2024 को कंपनी के डिजिटल वॉलेट प्लेटफॉर्म पर बिना किसी बैंक ट्रांजेक्शन के 36 लाख रुपये की फर्जी एंट्री की गई।

आम तौर पर कंपनी वॉलेट में रकम तभी जोड़ी जाती है, जब बैंक खाते में राशि जमा हो जाती है।लेकिन इस मामले में आरोपियों ने कंपनी के एडमिन पोर्टल का गैरकानूनी तौर पर इस्तेमाल करके यह पूरा सिस्टम ही बायपास कर दिया। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल इस मामले की जांच में जुट गई।पुलिस की तकनीकी सर्विलांस के दौरान पता चला कि तीन फर्जी ट्रांजेक्शनों के माध्यम से 36 लाख रुपये एक रिटेलर आईडी में भेजे गए, जो कि सौरभ जैन नाम के नाम पर रजिस्टर्ड थी।

पूछताछ में सौरभ ने खुलासा किया कि उसे पूर्व कर्मचारी संजय शर्मा और चंद्रकांत ने इस धोखाधड़ी में शामिल किया था।बदले में मोटा हिस्सा देने का वादा किया गया था। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल से गिरफ्तार पूर्व कर्मचारी संजय शर्मा और चंद्रकांत ने पूछताछ में बताया कि उन्हें नौकरी छोड़ने के बाद वेतन नहीं मिला था, जिससे वे कंपनी से नाराज थे।इसी गुस्से में उन्होंने एडमिन पोर्टल तक पहुंच बनाई और फर्जी ट्रांजेक्शन कर दिए।

पुलिस अब इस पूरे साइबर घोटाले की गहराई से जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह रकम कहां-कहां ट्रांसफर हुई और किसने इसका फायदा उठाया।

संजय राउत बोले- महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के लिए इंडिया या एमवीए जैसे गठबंधन की जरूरत नहीं

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा है कि महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय और नगर निकाय चुनावों के लिए इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) या महा विकास आघाडी (एमवीए) जैसे गठजोड़ की आवश्यकता नहीं है। संवाददाताओं से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि एमवीए का महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों और इंडिया गठबंधन का लोकसभा चुनावों के लिए गठन किया गया था। निकाय चुनावों के लिए ऐसे गठबंधनों की कोई आवश्यकता नहीं है। राउत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के मिलकर चुनाव लड़ने को लेकर मुंबई और अन्य शहरों में जनता के रुख को को लेकर कहा कि लोगों की ओर से दबाव है कि शिवसेना (उबाठा) और मनसे को मुंबई एवं राज्य के अन्य शहरों में निकाय चुनाव मिलकर लड़ना चाहिए।

चूंकि चुनावों की घोषणा अभी बाकी है, इसलिए हम उचित समय पर निर्णय लेंगे। बता दें कि बीएमसी समेत महाराष्ट्र नगर निकायों के चुनाव इस साल के अंत में होने की संभावना है। बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना का लगभग दो दशकों तक बीएमसी पर नियंत्रण रहा। शिवसेना 2022 में विभाजित हो गई थी। संजय राउत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य मंत्री उदय सामंत ने कहा, गठबंधन बनने के बाद एक पार्टी केवल अपने एजेंडे को पूरा करने की कोशिश करेगी। राज ठाकरे ने मराठी समुदाय की चिंताओं के बारे में बात की, जबकि दूसरे (उद्धव) ने केवल राजनीति के बारे में बात की।

आपको बताते चलें कि राज ने कुछ दिन पहले मुंबई में उद्धव के साथ 'आवाज मराठीचा' नामक एक विजय समारोह में मंच साझा किया था। इसका आयोजन महाराष्ट्र के विद्यालयों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी के रूप में शामिल करने संबंधी सरकार के दो सरकारी प्रस्तावों को वापस लिए जाने के उपलक्ष्य में किया गया था। इस बीच सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेताओं ने संकेत दिया है कि वे राज्य के अधिकांश नगर निकाय चुनावों में मिलकर लड़ सकते हैं, हालांकि कुछ स्थानीय निकायों में सहयोगियों के बीच मैत्रीपूर्ण मुकाबले भी संभव हैं।

'गर्भपात' से बौखलाए युवक ने पूर्व प्रेमिका और 6 महीने की मासूम का गला रेता

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मजनू का टीला इलाके में मंगलवार को हुई दोहरे हत्याकांड के आरोपी 23 वर्षीय निखिल कुमार को उत्तराखंड के हल्द्वानी से गिरफ्तार कर लिया गया है। निखिल पर अपनी पूर्व लिव-इन पार्टनर सोनल आर्या और उसकी सहेली की छह महीने की बच्ची का गला रेतकर हत्या करने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी ने यह जघन्य अपराध 'बदले की भावना' से किया। उसे शक था कि सोनल गर्भवती थी और उसने बच्चे को गर्भपात कराने के लिए शिशु के पिता दुर्गेश कुमार की मदद ली थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को शक था कि 22 वर्षीय सोनल आर्या पिछले कुछ हफ्तों से अपनी दोस्त रश्मि देवी के घर रह रही थी और रश्मि के पति दुर्गेश कुमार से प्रभावित थी। निखिल एक फूड डिलीवरी एजेंट के तौर पर काम करता है। उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजा बंथिया ने बताया, हाल ही में, सोनल गर्भवती हुई और उसने गर्भपात कराने का फैसला किया। निखिल का मानना था कि उसने यह दुर्गेश की मदद से किया है। इसलिए उसने मंगलवार को दुर्गेश की मोबाइल रिपेयर की दुकान से एक सर्जिकल ब्लेड खरीदा और दोनों की हत्या कर दी। उसने दुर्गेश की बेटी की हत्या इसलिए की, क्योंकि उसे लगता था कि सोनल ने दुर्गेश की मदद से उनके बच्चे का गर्भपात कराया था। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक, सोनल आर्या और निखिल की मुलाकात 2023 में हल्द्वानी में हुई थी। डीसीपी बंथिया ने कहा, यह खुलासा हुआ है कि वह 2024 में गर्भवती हुई और उसने एक बच्चे को जन्म दिया और उन्होंने उस बच्चे को उत्तराखंड में बेच दिया था।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा को बचाने की आखिरी कोशिश! सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए हुआ तैयार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। यमन में मौत की सजा पाई भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की संभवतः आखिरी कोशिश शुरू हो गई है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने निमिषा प्रिया को बचाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने की मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल को भी इस मामले की सुनवाई में शामिल होने को कहा है। निमिषा प्रिया को यमन में यमनी नागरिक की हत्या के मामले में 16 जुलाई को मौत की सजा दी जा सकती है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को 14 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कूटनीतिक तरीके से निमिषा को बचाने की कोशिश की जा सकती है। वकील ने कहा कि मृतक के परिवार को ब्लड मनी देकर निमिषा की सजा माफ कराई जा सकती है।

निमिषा प्रिया (38 वर्षीय) केरल के पलक्कड़ जिले की निवासी है और उसे साल 2017 में यमन में अपने बिजनेस पार्टनर महदी की हत्या का दोषी ठहराया गया है। निमिषा को महदी की हत्या के मामले में साल 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी। निमिषा की अंतिम याचिका को यमन की अदालत ने साल 2023 में ही खारिज कर दिया था। निमिषा को बचाने में जुटे एक संगठन से जुड़े लोगों ने दावा किया है कि निमिषा को 16 जुलाई को फांसी दी जा सकती है। निमिषा को बचाने का एकमात्र रास्ता यही है कि महदी के परिजन उसे माफ़ कर दें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निमिषा के परिजनों और समर्थकों ने 10 लाख डॉलर दियाह या ब्लड मनी की पेशकश की है, लेकिन निमिषा का बचना तभी मुमकिन है, जब महदी का परिवार इस रकम को स्वीकार करे और निमिषा को माफ कर दे। निमिषा प्रिया साल 2008 में नर्स के तौर पर काम करने के लिए यमन गई थी। कुछ समय बाद निमिषा ने यमन के नागरिक महदी के साथ मिलकर अपना क्लीनिक खोलने का फैसला किया। साल 2017 में महदी का शव मिलने के बाद उसे गिरफ़्तार कर लिया गया। निमिषा इस समय यमन की राजधानी सना की केंद्रीय जेल में बंद है।

निमिषा पर आरोप है कि उसने महदी को 'बेहोशी की दवा की ज्यादा खुराक' देकर मार डाला। हालांकि निमिषा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और यमन की कोर्ट में निमिषा के वकील ने तर्क दिए थे कि महदी ने उसे शारीरिक यातनाएं दीं, उनका सारा पैसा छीन लिया, उनका पासपोर्ट ज़ब्त कर लिया और उसे डराया-धमकाया। निमिषा के वकील ने कोर्ट से कहा था कि निमिषा सिर्फ बेहोशी की दवा देकर महदी से अपना पासपोर्ट वापस हासिल करना चाहती थी, लेकिन दुर्घटनावश दवा की मात्रा अधिक हो गई। जिससे महदी की मौत हो गई। जनवरी 2024 में यमन के हूती विद्रोहियों की सुप्रीम पॉलिटिकल काउंसिल ने भी निमिषा को फांसी देने की मंजूरी दे दी। निमिषा की मां साल 2024 से यमन में हैं और अपनी बेटी को बचाने की कोशिशों में लगी हुई हैं।

मानसून सीजन में अब तक 85 लोगों की मौत, राज्य के कई भागों में छह दिन भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में 20 जून से अब तक 85 लोगों की जान गई है। 129 लोग घायल हुए हैं। 34 लापता हैं। सरकार की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। बादल फटने, भूस्खलन व बाढ़ के चलते अब तक 1576 कच्चे-पक्के मकानों सहित दुकानों को भारी क्षति हुई है। 877 से अधिक गोशालाओं को भी नुकसान पहुंचा है। 881 मवेशियों की मौत हो चुकी है। नुकसान का आंकड़ा 73,912.48 लाख रुपये के पार पहुंच चुका है। वहीं सड़क हादसों में 31 लोगों की मौत हुई है।

मंडी जिले में 30 जून व 1 जुलाई के मध्य आई आपदा में 409 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि 789 को आंशिक नुकसान हुआ है। वहीं सीएम सुक्खू गुरुवार सुबह काफिला बीच में छोड़ आपदा प्रभावित रीला से देजी और पखरैर गांव तक पैदल पहुंचे। यहां से आगे जाने वाली सड़क का कई मीटर हिस्सा बादल फटने से गायब हो गया है। देजी गांव में बादल फटने से 11 लोग लापता हैं। सीएम ने रीला गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

प्रदेश में इतने दिन बरसेंगे बादल

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 10, 11, 13, 14 और 15 जुलाई को राज्य के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 12 जुलाई को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। वहीं16 जुलाई को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान है। आज कांगड़ा, सिरमौर जिले के कुछ स्थानों पर भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। जबकि 11 से 16 जुलाई तक कई भागों के लिए येलो अलर्ट है। अगले 4-5 दिनों के दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

कांग्रेस विधायक के विवादित बयान ने पकड़ा तूल

एफआईआर की मांग; स्वयंसेवकों ने कोतवाली में दिया आवेदन

शिवपुरी, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर ग्रामीण से कांग्रेस विधायक साहब सिंह गुर्जर का एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक सार्वजनिक मंच से कहते सुने जा रहे हैं। 'जो मर्द थे वो जंग में गए, जो हिजड़े थे वो संघ में गए'।

इस बयान को लेकर संघ से जुड़े स्वयंसेवकों दिवाकर शर्मा, जितेंद्र समाधियां और अजय गौतम ने शिवपुरी जिला कोतवाली थाना प्रभारी को एक लिखित आवेदन सौंपा है। आवेदन में उन्होंने विधायक साहब सिंह गुर्जर के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की मांग की है। संघ स्वयंसेवकों ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि यह बयान न केवल ट्रांसजेंडर समुदाय का अपमान करता है, बल्कि संघ जैसे राष्ट्रसेवी संगठन और उससे जुड़े लाखों स्वयंसेवकों की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। यह कथन समाज में लिंग एवं विचारधारा के आधार पर द्वेष और उपहास को बढ़ावा देने वाला है और भारत के संविधान में निहित मानव गरिमा, समानता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मूल्यों का खुला उल्लंघन करता है। आवेदन में मांग की गई है कि वायरल वीडियो की तथ्यात्मक जांच की जाए और यदि बयान की पुष्टि होती है तो संबंधित विधायक के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की उपयुक्त धाराओं में विधिक कार्रवाई प्रारंभ की जाए। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि शिकायतकर्ता वीडियो साक्ष्य उपलब्ध कराने और व्यक्तिगत रूप से थाना में उपस्थित होकर कथन देने को भी तैयार हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, लेकिन सामाजिक और राजनीतिक हलकों में इस बयान को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। संघ समर्थक वर्ग में भारी आक्रोश देखा जा रहा है और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

मंदिर में छिपे जीशान की साजिश! नाम बदलकर घुसा, अश्लील वीडियो और हिंदू लड़कियों को बनाया निशाना

इंदौर 10 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के परदेशीपुरा क्षेत्र स्थित मोती बाबा मंदिर में बुधवार को एक युवक को हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने संदिग्ध गतिविधियों के चलते पकड़ा और उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। युवक पर आरोप है कि उसने नाम छुपाकर मंदिर में प्रवेश किया और वहां मौजूद युवतियों पर अभद्र टिप्पणियां कर रहा था। कार्यकर्ताओं ने उसे वहीं रोककर पूछताछ की और बाद में पुलिस को सौंप दिया। युवक ने शुरुआत में खुद को अनिकेत तोमर बताया, लेकिन जब कार्यकर्ताओं ने उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से निकले आधार कार्ड में उसका असली नाम मोहम्मद जीशान पिता करीम खान, निवासी श्रीनगर काकड़ लिखा मिला।

दो महिलाएं जेवर व नकदी लेकर फरार

देवरानी-जेठानी कर गईं ऐसा कांड, मासूम ने खोली पोल तो पतियों ने पीट लिया माथा

ग्वालियर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की खबरें अक्सर सुनने में आती रहती हैं। कई महिलाएं पतियों को धोखा देकर प्रेमियों के साथ भाग जाती हैं। वो न तो पति और न बच्चों की परवाह करती हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है मध्य प्रदेश के ग्वालियर से। यहां गांव के ही दो युवकों के प्यार में पागल देवरानी और जेठानी एक साथ घर से नकदी और ज़ेवरात लेकर भाग गईं। अब उनके पति थाने में अपनी पत्नियों को तलाशने की गुहार लेकर पुलिस के चक्कर काट रहे हैं। मामला जिले के डबरा के वार्ड नंबर-4 के अंतर्गत आने वाले खेरी मोहल्ले से सामने आया है। जहां दो भाईयों की पत्नियां (देवरानी और जेठानी) 28 जून 2025 से घर से गायब हैं। फरार जेठानी के पति संतोष ने मीडिया को बताया कि, वो और उसका छोटा भाई मजदूरी करने जाते हैं। इस बीच कब उनकी पत्नियां प्रेम प्रसंग में पड़ गईं, उन्हें पता नहीं चला।

लेकिन 28 जून को उनके भागने के बाद उनके 11 साल के बेटे ने बताया है- पापा आपके और चाचा के जाते ही मम्मी और चाची दो युवकों को घर बुलाती थीं। जब मैंने उन्हें देखा तो मुझे जान से मार डालने की धमकी दी। पिटाई के डर से बेटा भी घर में किसी को कुछ नहीं बता पाया और आखिरकार दोनों महिलाएं अपने प्रेमियों के साथ फरार हो गईं। संतोष ने डबरा के पिछोर निवासी दो युवकों पर उनकी पत्नी और भाई की पत्नी को भगा ले जाने का आरोप लगाया है। संतोष ने भगा ले जाने वाले का नाम छोटू कुशवाहा और अंश कुशवाहा बताया है। संतोष के अनुसार, वो और उसका भाई भूपेंद्र रोजाना सुबह से ही मजदूरी पर निकल जाते और शाम को घर लौटते थे। इसी बीच छोटू कुशवाहा और अंश कुशवाह उनके घर पर आते थे और अब वो ही उसकी पत्नी और उसके भाई की पत्नी को भगा ले गया है।

पीड़ित संतोष ने बताया कि, उसकी पत्नी 11 साल के बेटे को छोड़कर भागी है, जबकि छोटे भाई की पत्नी अपने बच्चे को साथ लेकर फरार हुई है। साथ ही, दोनों महिलाएं घर से करीब 2-3 लाख नकदी और सोने-चांदी के जेवर भी लेकर फरार हुई हैं। इस संबंध में पीड़ित भाइयों ने 9 जुलाई को डबरा सिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

इस मामले में डबरा सिटी थाना प्रभारी यशवंत गोयल का कहना है कि दोनों पतियों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। दोनों महिलाओं की तलाश की जा रही है। साथ ही, ये विवेचना भी की जा रही है कि दोनों महिलाएं किन हालातों में घर से गायब हुई हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 11 जुलाई - 2025

मुस्लिम राष्ट्र का सपना !

बचपन से जवानी तक वह साइकिल पर ताबीज और अंगूठियां बेच कर गुजारा करता था लेकिन देखते ही देखते 106 करोड़ रुपये के साम्राज्य का मालिक बन गया। नाम है- जलालुद्दीन उर्फ 'छांगुर बाबा'। पुलिस ने जब उसे लखनऊ के एक होटल से दबोचा, तो उसकी कहानी ने पुलिस के आला-अफसरों को भी झकझोर कर रख दिया। इसके साथ ही धर्म परिवर्तन कराने वाला एक बड़ा गिरोह भी बेनकाब हो गया। पुलिसिया छानबीन में संकेत मिले हैं कि ये सिर्फ धर्म परिवर्तन का ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के साथ ही बेशुमार काली कमाई का का भी मामला है। छांगुर की साजिश थी कि उत्तर प्रदेश के जिलों की डेमोग्राफी ही बदल दी जाए। उसका मंसूबा हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाकर एक इस्लामिक राष्ट्र खड़ा करना था। यूपी के बलरामपुर जिले के रेहरामाफी गांव का रहने वाला जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के दिन तब बदले जब वह गांव का प्रधान बन गया। फिर उसकी जिंदगी में नीतू उर्फ नसरीन का प्रवेश हुआ। उसके साथ मिलकर उसने गुनाहों की नई इबारत लिखनी शुरू कर दी। देखते ही देखते उसने अपने गांव से कुछ ही किलोमीटर दूर मधपुर में एक दरगाह के पास एक विशाल इमारत खड़ी कर दी। इस इमारत के एक हिस्से में छांगुर बाबा, उसका परिवार और उसके गुर्गे रहते थे। दूसरे हिस्से में कई जनहित के कामों के मंसूबे पाले गए। लेकिन बाद में उसने दो खूंखार कुत्ते पाल लिए। अपने काले कारनामों को छुपाने के लिए उसने 17 सीसीटीवी लगा रखे थे। ताकि वह हर आने-जाने वालों पर नजर रख सके। बहरहाल उसकी बलरामपुर की इमारत पर बुलडोजर गरज उठा है। उसके गुनाहों की जड़ें सिर्फ बलरामपुर तक ही सीमित नहीं थीं। महाराष्ट्र के लोनावाला में भी उसकी एक अवैध संपत्ति का पता चला है, जिसे 2 अगस्त 2023 को छांगुर बाबा और हाल ही में गिरफ्तार हुए उसके साथी नवीन के नाम पर खरीदा गया था। इस जमीन की कीमत 16.49 करोड़ रुपये है। इस मामले में मोहम्मद अहमद खान, जिसने ये जमीन बेची थी वह भी निशाने पर है। इसके अलावा अहमद खान भी है, जिसने छांगुर बाबा को करोड़ों रुपये भेजे थे। अब पुलिस ये पता लगा रही है कि क्या जमीन बेचने वाला और पैसे भेजने वाला अहमद खान एक ही शख्स है या फिर ये अंडरवर्ल्ड के अलग-अलग मोहरे हैं। अवैध धर्मांतरण कराने वाला छांगुर बाबा, असल में बलरामपुर और आसपास के इलाकों की धार्मिक बसावट को ही बदल देना चाहता था। एक तरह से उसकी साजिश 'इस्लामी मुल्क' बनाने की थी। ये खतरनाक मास्टरमाइंड हिंदू धर्म के खिलाफ नफरत भी फैला रहा था। उसका सबसे बड़ा सपना बलरामपुर में एक इस्लामी दावा केंद्र और मदरसा बनाने का था, जिसके जरिए वो अपने मंसूबों को अंजाम दे सके। जलालुद्दीन एक संगठित गिरोह चला रहा था। जो गरीब, बेसहारा मजदूरों, कमजोर वर्ग के लोगों और विधवा महिलाओं को आर्थिक मदद, शादी का वादा या नौकरी का लालच देकर धर्मांतरण कराते थे। छांगुर के 40 बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की काली कमाई जमा है। तफ्तीश में पता चला है कि इस बेशुमार दौलत का ज्यादातर हिस्सा मध्य पूर्व के इस्लामिक देशों से आया है। सिर्फ कैश ही नहीं, इस बाबा के नाम पर करोड़ों रुपये की दो और प्रॉपर्टी भी हैं, जिनकी कीमत और राज खुलने अभी बाकी हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब उन सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों पर भी पैनी नजर रख रही हैं, जिन्होंने जाने-अनजाने या जानबूझकर इस खतरनाक गिरोह की मदद किया है।

यहां सिनेमा फिर से शुरू होता है

विजय गर्ग

एक ऐसे युग में जहां सब कुछ क्षणभंगुर है, इंस्टाग्राम पर कहानियां 24 घंटे में गायब हो जाती हैं, टिकटोक के रुझान समाप्त हो जाते हैं इससे पहले कि वे यादें भी बनाते हैं, और अगली वायरल रील हमेशा एक स्क्रॉल दूर होती है, सिनेमा की दुनिया में कुछ सुंदर, लगभग कट्टरपंथी, हो रहा है। दृश्य, रंगीन दृश्यों के रूप में। यह सिर्फ उदासीनता नहीं है जो लोगों को आकर्षित कर रही है। यह श्रद्धा है। और शायद, शांत विद्रोह। एक क्लासिक को बहाल करने के लिए सिर्फ सेल्युलाइड पर खरोंच की मरम्मत या ध्वनि बढ़ाने के लिए नहीं है। यह सांस्कृतिक संरक्षण का एक कार्य है, फिल्म निर्माता की मूल दृष्टि, फ्रेम द्वारा फ्रेम, रंग से रंग, नोट द्वारा नोट को पुनः प्राप्त करने का एक श्रमसाध्य प्रयास है। यह इरादे का सम्मान करने के बारे में है। और यह समय के बारे में है। जब उमराव जान इस जून में एक लुभावनी 4के बहाली में सिनेमाघरों में लौटे, एक फिर से रिलीज अभियान और विशेष स्क्रीनिंग के साथ पूरा, यह सिर्फ एक थ्रोबैक नहीं था । यह लालित्य का एक पुनर्मिलन था। दृश्यों, कविता, संगीत, सब कुछ अचानक फिर से जीवित महसूस किया, यहां तक कि पहली बार जनरल जेड दर्शकों को जो थिएटर में एक रेखा फिल्म का अनुभव कभी नहीं किया है । इसी तरह, शोले, भारत का सबसे प्रतिष्ठित मसाला महाकाव्य, जून 2025 में बोलोग्ना में प्रतिष्ठित इल सिनेमा रिट्रोवाटो महोत्सव में बहाल किया गया और प्रदर्शित किया गया। न केवल सामान्य संस्करण, बल्कि अनकट मूल जहां ठाकुर ने गब्बर को खुद खत्म किया, दशकों में पहली बार खोए हुए चरमोत्कर्ष के साथ, पूरे रंग में बहाल किया। इसने शोले के 50 साल को धूमधाम से नहीं, बल्कि गरिमा के साथ चिह्नित किया। इस बीच, गाइड ने 2023 में आईएफएफआई गोवा में अपनी भव्य वापसी की, जबकि चारुलता को पहले ही 2013 में कान क्लासिक्स में सम्मानित किया जा चुका था। गुरु दत्त की उत्कृष्ट कृतिः प्यासा, कागज़ के फूल, और चौधविन का चंद को पूर्ण 4के पुनर्स्थापना मिली और उन्हें कान 2025 में प्रदर्शित किया गया। सिनेमा नहीं, कहानियां नहीं, सिर्फ़ कंटेंट के प्रभुत्व वाले परिदृश्य में, इन फ़िल्मों की वापसी का सिर्फ़ स्वागत नहीं है. यह आवश्यक है। जब सोशल मीडिया हमें तेजी से भूलना सिखाता है, तो फिल्म बहाली हमें धीमी गति से याद रखने का आग्रह करती है। यह एल्गोरिथ्म का विरोधी है। यह स्मृति, प्रयास और गहराई है। ये बहाल क्लासिक्स न केवल सिनेमाघरों में एक प्रोग्रामिंग गैप भर रहे हैं। वे एक बयान दे रहे हैं। एक बयान जो कहानी कहने से मरा नहीं है। एक फिल्म को अविस्मरणीय होने के लिए चीखना या प्रवृत्ति नहीं है। अभी भी एक दर्शक है जो अपने सिनेमा में वजन, लय और सुंदरता को तरसता है। इसके बारे में सोचेंः डॉल्बी सराउंड में पहली बार 22 वर्षीय प्यासा, एक पैक्ड थिएटर में, पुरानी यादों के लिए नहीं जा रहा है। वे जा रहे हैं क्योंकि, शायद पहली बार, उन्होंने सुना है कि सिनेमा कविता की तरह महसूस कर सकता है। वे कहानियाँ झूल सकती हैं। वह कला उम्र भर कर सकती है, और फिर भी पहले से कहीं ज्यादा जोर से बोल सकती है। यह सिर्फ फिल्मों की वापसी नहीं है, यह विचारों की वापसी है। जानबूझकर संवाद की वापसी, जटिलता के साथ पात्रों की, कहानी कहने की जो अपने दर्शकों को सोचने, प्रतिबिंबित करने और रहने के लिए भरोसा करती है। इन फिल्मों में समय था। और उन्होंने हमें समय दिया। बहाली, तो, केवल पिछले संरक्षण के बारे में नहीं है। यह वर्तमान के लिए एक दर्पण है।

चीन द्वारा बनाया जा रहा बांध क्या पानी बम है ?

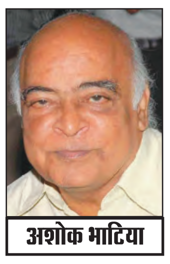

अशोक भाटिया

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू बार बार दोहरा रहे है कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक पानी का बम होगा, जो अस्तित्व के लिए खतरा होगा तथा सैन्य खतरे के अलावा किसी भी अन्य मुद्दे से बड़ा मुद्दा होगा।मंगलवार को एक साक्षात्कार में खांडू ने कहा कि ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम यारलुंग त्सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि चीन अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षरकर्ता नहीं है जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी।वे आगे कहते है कि दरअसल मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे क्या कर सकते हैं।चीन से सैन्य ख़तरे को अलग रखते हुए, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज़्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का ख़तरा पैदा करने वाला है। यह काफ़ी गंभीर है क्योंकि चीन इसका इस्तेमाल एक तरह के 'वॉटर बम' के रूप में भी कर सकता है। मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे। चीन से सैन्य खतरे के अलावा, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है। यह काफी गंभीर मुद्दा है क्योंकि चीन इसका इस्तेमाल एक तरह के 'वॉटर बम' के रूप में भी कर सकता है।

गौरतलब है कि यारलुंग सांगपो बांध के नाम से जानी जाने वाली इस बांध परियोजना की घोषणा चीन के तत्कालीन प्रधानमंत्री ली केकियांग द्वारा 2021 में सीमा क्षेत्र का दौरा करने के बाद की गई थी।खबरों के अनुसार, चीन ने 137 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाली इस पंचवर्षीय परियोजना के निर्माण को 2024 में मंजूरी दी थी । इससे 60,000 मेगावाट बिजली उत्पादन होने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत बांध बन जाएगा। खांडू का कहना है कि अगर चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर किए होते, तो कोई समस्या नहीं होती क्योंकि जलीय जीवन के लिए बेसिन के निचले हिस्से में एक निश्चित मात्रा में पानी छोड़ना अनिवार्य होता। उन्होंने कहा कि असल में, अगर चीन अंतरराष्ट्रीय जल-बंटवारे समझौतों पर हस्ताक्षर करता, तो यह परियोजना भारत के लिए वरदान साबित हो सकती थी। इससे अरुणाचल प्रदेश, असम और बांग्लादेश में, जहां ब्रह्मपुत्र नदी बहती है, मानसून के दौरान आने वाली बाढ़ को रोका जा सकता था। लेकिन चीन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, और यही समस्या है... मान लीजिए कि बांध बन गया और उन्होंने अचानक पानी छोड़ दिया, तो हमारा पूरा सियांग क्षेत्र नष्ट हो जाएगा।

खास तौर पर, आदि जनजाति और उनके जैसे अन्य समूहों को... अपनी सारी संपत्ति, जमीन और विशेष रूप से मानव जीवन को विनाशकारी प्रभावों का सामना करते देखना पड़ेगा मुख्यमंत्री कहना है कि इसी वजह से भारत सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद अरुणाचल प्रदेश सरकार ने सियांग ऊपरी बहुउद्देशीय परियोजना नामक एक परियोजना की परिकल्पना की है, जो रक्षा तंत्र के रूप में काम करेगी और जल सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि चीन या तो अपनी तरफ काम शुरू करने वाला है या शुरू कर चुका है। लेकिन वे कोई जानकारी साझा नहीं करते। अगर बांध का निर्माण पूरा हो जाता है, तो आगे चलकर हमारी सियांग और ब्रह्मपुत्र नदियों में जल प्रवाह में काफी कमी आ सकती है।भारत की जल सुरक्षा के लिए, अगर सरकार अपनी परियोजना को योजना के अनुसार पूरा कर पाती है, तो वह अपने बांध से पानी की जरूरतें पूरी कर सकेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर चीन पानी छोड़ता है, तो निश्चित रूप से बाढ़ आएगी, लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है। खांडू ने कहा कि इसी वजह से राज्य सरकार स्थानीय आदि जनजातियों और इलाके के अन्य लोगों के साथ बातचीत कर रही है। मुख्यमंत्री ' इस मुद्दे पर और जागरूकता बढ़ाने के लिए जल्द ही एक बैठक आयोजित करने जा रहे है . सरकार केवल विरोध दर्ज करा कर हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। उन्होंने 'चीन को समझाने की जरुरत है । चूंकि हम चीन को वजह नहीं समझा सकते, इसलिए बेहतर है कि हम अपने रक्षा तंत्र और तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करें क्योकि चीन का बांध हिमालय पर्वतमाला के एक विशाल खड्डु पर बनाया जाएगा, जहां से नदी अरुणाचल प्रदेश में प्रवाहित होने के लिए एक 'यूटर्न' लेती है।

भारत के विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का यह कदम एक चेतावनी है। भारत को भी हिमालय की नदियों पर जल ढांचे के निर्माण को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानना चाहिए। भारत अरुणाचल प्रदेश में एक बहुउद्देशीय जलाशय बनाने की योजना बना रहा है। यह जलाशय चीन के बांध के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा।चीन ने 2020 में 14वीं पंचवर्षीय योजना में इस मेगा डैम का प्रस्ताव रखा था। हांगकांग के साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, यह प्रोजेक्ट ऐसे स्थान पर है जहां भूकंप आ सकते हैं। इससे भारत के निचले इलाकों के लिए 'वाटर बम' का खतरा बना रहेगा । कैनेडियन एनजीओ प्रोब इंटरनेशनल की 2012 की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी कि पश्चिमी चीन में बन रहे 130 से ज्यादा बड़े बांध भूकंप और सुनामी का कारण बन सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 98.6% बांध भूकंपीय क्षेत्रों में बनाए जा रहे हैं। चीन ने 2015 में 1.5 बिलियन डॉलर की जम हाइड्रोपावर स्टेशन को चालू कर दिया है, जो तिब्बत का अब तक का सबसे बड़ा है।भारत हमेशा से चीन के बांध निर्माण गतिविधियों को लेकर सशंय में रहा है। चीन अपने बांध निर्माण के बारे में स्पष्ट नहीं रहा है। वह ऐसे प्रोडेक्ट के बारे में जानकारी देने से बचता रहा है। साल 2010 में, कई वर्षों के इनकार के बाद चीन ने आखिरकार स्वीकार किया कि वह ब्रह्मपुत्र पर ज़ंगमु बांध बना रहा है। हालांकि चीन ने पानी के मोड़, जमाखोरी और रिलीज पर भारत की चिंताओं को खारिज कर दिया है, लेकिन यहां के अधिकारियों ने आश्वासनों को संदेह की दृष्टि से लिया है। 2014 में, तत्कालीन मोदी सरकार ने जल संसाधन मंत्रालय से यह सत्यापित करने के लिए कहा था कि क्या ब्रह्मपुत्र पर बनाए गए बांध वास्तव में रन-ऑफ-रिवर (जहां पानी के उपयोग के बाद वापस छोड़ दिया जाता है) या स्टोरेज बांध हैं।मनोहर परिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (एमपीआईडीएसए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन द्वारा बनाए गए बांध इतने बड़े हैं कि उन्हें स्टोरेज बांध में बदला जा सकता है, जिससे यह खाद्य नियंत्रण या सिंचाई के उद्देश्य से जल संसाधनों में हेरफेर कर सकेगा। ऐसे में चीन संभावित रूप से शुष्क मौसम के दौरान भारत को पानी से वंचित कर सकता है।

भारत मॉनसून के दौरान पानी छोड़ने को लेकर भी आशंकित है, जो पहले से ही बाढ़ वाले ब्रह्मपुत्र में पानी भर सकता है। जैसे कि असम में हर साल भारी बाढ़ आती है। राज्य ने केंद्र के साथ चीन की बांध निर्माण गतिविधियों के बारे में चिंता जताई है।पहले भी अज्ञात चीनी अपस्ट्रीम गतिविधियों ने अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में अचानक बाढ़ ला दी है और हाल ही में सियाग के पानी ने भारत में प्रवेश करते ही गंदा और भूरा कर दिया। असम सरकार ने 2017 में कहा था कि सियांग नदी (जैसा कि ब्रह्मपुत्र को अरुणाचल में जाना जाता है) प्रदूषकों से काली हो रही थी, और तेजपुर में नदी के पानी के नमूनों से पता चला कि पानी में बड़ी मात्रा में खनिज गुण थे। यहां तक कि एक्सपर्ट्स ने यह भी बताया कि बांध निर्माण से नदी अपनी गाद खो सकती है और कृषि उत्पादकता में कमी आ सकती है। वास्तव में, चीन का एकतरफावाद ऐसा है कि एक बड़ी बांध परियोजना को पूरा करने के लिए उसने 2016 में ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी ज़ियाबुकू के प्रवाह को रोक दिया और फिर ऐसी ही एक और सहायक नदी, ल्हासा नदी को कृत्रिम झीलों की एक श्रृंखला में बांधना शुरू कर दिया।बताया यह भी जाता है कि भारत ने चीन की ओर से प्रस्तावित बांध के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अरुणाचल प्रदेश में एक जलाशय बनाने की योजना शुरू की।

पाकिस्तान में तख्तापलट की दस्तक : मुनीर बनाम जरदारी की जंग

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

पाकिस्तान की धरती पर सियासी तूफान की आहट एक बार फिर गूंज रही है, मानो इतिहास का चक्र अपनी अनवरत यात्रा में फिर उसी भयावह मोड़ पर लौट आया हो। इस्लामाबाद के सत्ता के गलियारों में साजिशों की काली छाया मंडरा रही है, जहां सत्ता का ताज तलवारों की धार पर नाच रहा है। सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बीच गहराता तनाव न केवल पाकिस्तान को, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया को एक नए संकट की कगार पर ले आया है। यह वह क्षण है जब भारत, अपने पड़ोसी मुल्क की इस उथल-पुथल को नजदीक से देख रहा है, अपनी रणनीति को और धार दे रहा है, क्योंकि इस खेल का हर दांव भारत की सुरक्षा, स्थिरता और क्षेत्रीय प्रभुत्व से जुड़ा है।

पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट कोई नई बात नहीं है। 1958 में अयूब खान ने सत्ता हथियाई, 1977 में जिया-उल-हक ने 'ऑपरेशन फेयर प्ले' के जरिए जुल्फिकार अली भुट्टो को अपदस्थ किया, और 1999 में परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ को सत्ता से बेदखल कर शासन की बागडोर संभाली। आज, जुलाई 2025 में, आसिम मुनीर के नेतृत्व में एक और तख्तापलट की सुगबुगाहट ने वैश्विक मंच पर हलचल मचा दी है। पाकिस्तानी समाचार पत्रों और स्वतंत्र विश्लेषकों के अनुसार, मुनीर न केवल जरदारी को हटाने की योजना बना रहे हैं, बल्कि संसदीय ढांचे को ध्वस्त कर राष्ट्रपति प्रणाली लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

यह कदम पाकिस्तान को सैन्य तानाशाही की गहरी खाई में धकेल सकता है, जिसके भारत पर गहरे और दीर्घकालिक प्रभाव होंगे। मुनीर की महत्वाकांक्षा को हाल के घटनाक्रमों ने और बल दिया है। मई 2025 में, शहबाज शरीफ सरकार ने उन्हें फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया, जो अयूब खान के बाद दूसरा ऐसा उदाहरण है। यह पदोन्नति तब हुई जब भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तानी सेना को करारी शिकस्त दी, जिसमें पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया, और मसूद अजहर का परिवार मारा गया। इसके बावजूद, मुनीर को आजीवन कानूनी संरक्षण और विशेषाधिकार प्राप्त हुए, जिसने उनकी ताकत को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया। उनकी हाल की अमेरिका, चीन और सऊदी अरब की यात्राएं, विशेष रूप से जून 2025 में व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी गुप्त मुलाकात, तख्तापलट की अटकलों को और पुख्ता करती हैं। इस सियासी तूफान में जरदारी और उनके बेटे बिलावल भुट्टो की भूमिका भी उलझन भरी है। मार्च 2024 में दूसरी बार राष्ट्रपति बने जरदारी, सेना के फैसलों में बार-बार हस्तक्षेप कर रहे हैं, जो मुनीर को नागवार गुजर रहा है। दूसरी ओर, बिलावल भुट्टो ने एक साक्षात्कार में हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकियों को भारत को सौंपने की बात कहकर तहलका मचा दिया। इस बयान ने न केवल जिहादी समूहों को भड़काया, बल्कि सेना को भी नाराज किया, जो इन समूहों को अपने रणनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करती रही है। बिलावल का यह कदम शायद अपने पिता के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश था, लेकिन इसने उनके परिवार को और संकट में डाल दिया। खबरें हैं कि उनके परिवार के कुछ सदस्य कनाडा भाग गए हैं, जो भारत के कड़े रुख और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान में डर के माहौल को दर्शाता है।

भारत के लिए इस स्थिति के कई आयाम हैं। पहला, अगर मुनीर सत्ता हथियाते हैं, तो पाकिस्तान में सैन्य शासन का और सख्त होना भारत के लिए खतरे की घंटी है। मुनीर, जो 2019 के पुलवामा हमले के समय आईएसआई प्रमुख थे, भारत के खिलाफ 'हजार जख्मों से खून बहाने' की नीति में यकीन रखते हैं। उनके शासन में सीमा पर आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं, जैसा कि अप्रैल 2025 के पहलगाम हमले में देखा गया, जिसमें 26 लोग मारे गए। भारत ने इसका जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया, जिसमें 12 आतंकी ठिकाने नष्ट किए गए और 150 से अधिक आतंकी मारे गए। लेकिन मुनीर के सत्ता में आने से ऐसी घटनाएं और तेज हो सकती हैं। उनकी हाल की टिप्पणियां, जिसमें उन्होंने 1971 की हार का बदला लेने और भारत को तोड़ने की बात कही, इस खतरे को और स्पष्ट करती हैं। दूसरा, मुनीर की अमेरिका से बढ़ती नजदीकी भारत के लिए चिंता का विषय है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन पाकिस्तान को बिटकॉइन खनन और अन्य व्यावसायिक हितों के लिए एक रणनीतिक केंद्र बनाना चाहता है, जिसके लिए जरदारी जैसे चीन-समर्थक नेताओं को हटाना जरूरी है। जून 2025 में ट्रंप और मुनीर की मुलाकात, जिसमें शहबाज शरीफ को दरकिनार किया गया, इस बात का संकेत देती है। भारत को न केवल पाकिस्तान, बल्कि अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी जूझना होगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ 'गहराई में जाकर' कार्रवाई करेगा, और मुनीर का सत्ता में आना इस नीति को और मजबूत करने की जरूरत को रेखांकित करता है। तीसरा, पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता भारत के लिए अवसर भी ला सकती है। जेल में बंद इमरान खान अभी भी पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उनकी पार्टी, पीटीआई, ने 2024 के चुनाव में 93 सीटें जीतीं, लेकिन सेना के हस्तक्षेप से सत्ता से बाहर रखी गई। तख्तापलट की स्थिति में, जनता का गुस्सा, जैसा कि #पाकिस्तान के लिए खान को रिहा करो जैसे सोशल मीडिया अभियानों में दिखा, सड़कों पर उतर सकता है। यह अस्थिरता पाकिस्तान को कमजोर कर सकती है, जिससे भारत को कूटनीतिक और रणनीतिक लाभ मिल सकता है। भारत ने हाल ही में सिंधु जल संधि को निलंबित करने और ऑपरेशन सिंदूर जैसे कड़े कदमों से पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाया है। हालांकि, भारत को सावधानी बरतनी होगी। इतिहास गवाह है कि तख्तापलट के बाद नया शासक अपनी वैधता साबित करने के लिए भारत के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाता है। जिया-उल-हक ने 1977 में सत्ता हथियाने के बाद कश्मीर में अस्थिरता बढ़ाई, और मुशर्रफ ने 1999 में करगिल युद्ध छेड़ा। मुनीर, जिनका भारत-विरोधी रुख उनकी आईएसआई पृष्ठभूमि से स्पष्ट है, ऐसा ही कुछ कर सकते हैं। भारत को जम्मू-कश्मीर में सतर्कता बढ़ानी होगी और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंकवाद-प्रायोजित रुख को और उजागर करना होगा। पाकिस्तान का यह सियासी संकट यह साबित करता है कि वहां लोकतंत्र केवल एक दिखावा है। सेना की लोहे की पकड़ और विदेशी ताकतों का हस्तक्षेप वहां की जनता को असली आजादी से वंचित रखता है। भारत के लिए यह समय है कि वह अपनी रक्षा और कूटनीति को और मजबूत करे। मुनीर का संभावित तख्तापलट न केवल पाकिस्तान की अस्थिरता को बढ़ाएगा, बल्कि दक्षिण एशिया में शांति के लिए खतरा पैदा करेगा। भारत को इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा, ताकि वह अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सके और क्षेत्रीय स्थिरता का नेतृत्व कर सके।

पुरुष बचाओ अभियान

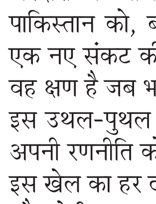

डॉ टी महादेव राव

नव वरों की हत्याएं, वध, हिंसा को मद्देनजर रखते हुए हमें कुछ ठोस कदम उठाने होंगे वरना बीस पच्चीस साल पहले जिस तरह लगातार वधुओं और नव वधुओं को मिट्टी तेल या गैस सिलिंडर से जलाकर दहेज के लोभी हत्याएं करते थे और थानों में रपटें भरी होती थीं और वधुओं के माता पिता खून के आंसू रोते थे। लेकिन अब हालात बिल्कुल बदल गए हैं। गृह हिंसा कानून से हमने उन हिंसाओं पर काबू कर लिया है। अब तो पूरी तरह उल्टी गंगा बह रही है। वहां दहेज कारण था अब प्यार, प्रेम, इश्क़, कादल है; माता पिता द्वारा खानदान और इज्जत की वजह से नव वरों और वरों की हत्याएं हो रही हैं। तो क्या इसके लिए गृह हिंसा कानून काम नहीं करेगा? क्या वह एक्सपायरी डेट वाले दवा की तरह आउट डेटेड हो गया है? हत्या और हिंसा तो एक ही है चाहे जो करे सजा तो मिलनी ही चाहिए। सजा तो मिलेगी ही। यह सोचने की बात है कि इस नववर संहार को कैसे रोका जाए? वहां तो मिट्टी तेल और घरेलू गैस थे माध्यम। यहां अब तो नीले ड्रम, सीमेंट, हनीमून के बहाने खाइयों में, टुकड़े करके फ्रिज में, पेट्रोल डालकर जला देना जैसी भयानक हिंसा कर या करवा रही हैं नव वधुएं अपने प्रेमियों के संग मिलकर। नया कानून बनाना होगा वरना कुछ दिनों में लड़कों की संख्या कम हो जाएगी। मुझे लगता है यह जनसंख्या नियंत्रण का कोई नया शगूफा तो नहीं। कभी नांव पर गाड़ी कभी गाड़ी पर नांव वाली बात हो रही है। इसके लिए कुछ नियम कानून बनाकर अमल में लाने की जरूरत है। कैसा कानून? गृह हिंसा निरोधक कानून की तरह वर हिंसा निरोधक कानून बनाना होगा। विवाह के पांच वर्षों में अगर विवाहित पुरुष को कुछ हो जाता है तो विवाहिता स्त्री के साथ साथ बिना कोई सुनवाई के उसके पूरे परिवार को पांच साल की जेल की सजा होगी। विवाह के दो वर्षों तक वे किसी भी विहार यात्रा या हनीमून यात्रा पर नहीं जायेंगे। घर, दफ्तर और ससुराल के अलावा वे दोनों दो साल तक कहीं भी नहीं जायेंगे। नव विवाहितों को सीमेंट, नीले ड्रम, चाकू, तेज औजार, प्लास्टिक के बड़े बड़े बैग बेचने पर मनाही रहेगी। वे अपने बाथरूम और बेडरूम के अलावा हर जगह सीसी कैमरे लगाकर रखेंगे। इसी तरह और भी नियम बनाए जाएंगे। इसके साथ यह भी हो कि हर विवाह पंजीकृत होने पर ही मानी जायेगी। लेकिन मेरा एक सवाल है अगर बेड रूम में पुरुष की हत्या हो जाए तो पता कैसे चलेगा?

बढ़ती आबादी के निरंतर बढ़ते खतरे

योगेश कुमार गोयल

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है। जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा।

1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा। जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी।

श्रद्धा, साधना और शिव से साक्षात्कार की कांवड़ यात्रा

सुरेश गांधी

श्रावण मास का आगमन होते ही देश भर की सड़कों पर एक विशेष दृश्य दिखाई देता है. केसरिया वस्त्रों में लिपटे, कंधे पर गंगाजल से भरी कांवड़ उठाए भक्त, "हर-हर महादेव" की गूंज के साथ शिव के धाम की ओर बढ़ते हुए। यह कोई सामान्य यात्रा नहीं, यह श्रद्धा, तपस्या और शिवत्व की खोज की वह चिरंतन परंपरा है, जो हर वर्ष सावन में पुनः जीवंत होती है।

भारत की हजारों वर्षों पुरानी धार्मिक चेतना में शिव एक ऐसे देवता हैं, जो निर्विकारी हैं, निराकार हैं, फिर भी सबसे साकार रूप में पूजित हैं। उन्हीं शिव को जल अर्पित करने की साधना का नाम है कांवड़ यात्रा। यह यात्रा केवल गंगाजल के उठान की नहीं, आत्मा के उत्थान की प्रक्रिया है। कांवड़ का अर्थ है, शिव के लिए वह परिश्रम, जो अपने भीतर की भक्ति को समर्पण में बदल देता है। श्रद्धालु जब गंगोत्री, हरिद्वार, ऋषिकेश, सुल्तानगंज या काशी से जल भरते हैं और सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर किसी शिवालय में जाकर अभिषेक करते हैं, तो वह केवल धार्मिक कर्म नहीं करते, वे एक वैदिक संकल्प को साकार करते हैंकृ"शिवो भूत्वा शिवं यजेत।"

कांवड़ की परंपरा को लेकर पुराणों और लोककथाओं में अनेक सन्दर्भ मिलते हैं। समुद्र मंथन के समय निकले विष को जब शिव ने पिया, तो उनकी तप्त जठराग्नि को शांत करने के लिए जलाभिषेक किया गया। कहा जाता है कि रावण और भगवान परशुराम ने शिव की आराधना के लिए जल से कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी। वहीं, श्रवण कुमार की कथा तो भारतीय मानस में आदर्श बन गई, जब उन्होंने कांवड़ में माता-पिता को बिठाकर तीर्थयात्रा करवाई। इस प्रकार कांवड़ यात्रा केवल जल का वहन नहीं, बल्कि धर्म, सेवा और तप का संगम है।

गंगा, जो विष्णु के चरणों से निकली और शिव की जटाओं में समाई, वही जब कांवड़ में भरकर फिर से शिव को समर्पित की जाती है, तो यह एक चक्र की पूर्णता है। यह केवल जलाभिषेक नहीं, बल्कि शिव और गंगा की संयुक्त आराधना है। शिवमहिम्न स्तोत्र के अनुसार, जल चढ़ाकर हम शिव से वही शक्ति वापस मांगते हैं, जो उन्होंने सृष्टि की रचना और कल्याण के लिए समर्पित की।

कांवड़ यात्रा की सबसे अद्भुत बात यह है कि यह बिना निमंत्रण, बिना संगठन, बिना शासन के आदेश के होती है। लोग स्वतः प्रेरित होते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से लेकर बंगाल तक लाखों कांवरिया हरिद्वार, देवघर, पुरा महादेव या काशी से जल लेकर निकलते हैं। गांव-गांव में शिवालय सजते हैं, घर-घर में शिव आराधना होती है। यहां तक कि पर्यावरण और समाज भी इसका हिस्सा बन जाते हैं। रास्ते में जगह-जगह "कांवड़ शिविर", जलपान केंद्र, प्राथमिक चिकित्सा स्टॉल, सांस्कृतिक मंच आदि इसकी जीवंतता को उत्सव में बदल देते हैं। इसे किसी एक समुदाय, जाति, वर्ग या भाषा से नहीं जोड़ा जा सकताकृयह भारत की साझा संस्कृति और समवेत श्रद्धा का प्रतीक है।

कांवड़ यात्रा न केवल धार्मिक कर्म है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संवाद भी है। जल की यह यात्राकृजहां स्वयं कांवरिया जल से भीगता हैकृहमें पर्यावरण, जल-संरक्षण, श्रम और संयम का संदेश देती है। यह एक चलायमान योग साधना है, जिसमें शरीर तपता है, मन शिव में रमता है और आत्मा विमल होती है। जब लाखों कांवरिये गंगा से जल भरकर अपने गांव-नगर के शिवालयों तक पहुंचते हैं, तो साथ में वे गंगा की पुण्यता, सांस्कृतिक गौरव और धार्मिक चेतना को भी पहुंचाते हैं। यह एक विराट आंदोलन है कृजो धर्म, परंपरा और राष्ट्रीय चेतना का अद्भुत संगम है।

श्रावण का जलाभिषेक

श्रावण मास जब आता है, तो गगन में घटाएँ उमड़ती हैं, धरती पर हरीतिमा लहराती है और भक्तों के मन में भक्ति की बाढ़ आ जाती है। यह महीना शिवभक्ति का, तप और संयम का, और समर्पण का प्रतीक है। उत्तर से दक्षिण और पर्वत से सागर तक "हर हर महादेव" और "बोल बम" के नारों से सारा देश शिवमय हो उठता है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा का उत्सव है। श्रावण मास का प्रत्येक सोमवार एक आध्यात्मिक अनुष्ठान बन जाता है। शिवलिंग पर जल, पंचामृत और बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा केवल कर्मकांड नहीं, वह कृतज्ञता का प्राकट्य हैकृउन महादेव के प्रति जिन्होंने हलाहल पान कर सृष्टि की रक्षा की।

श्रद्धा का महासागर

श्रावण में शिवभक्ति की सबसे अद्वितीय अभिव्यक्ति है कांवड़ यात्रा। यह यात्रा केवल गंगाजल का परिवहन नहीं, आत्मा की यात्रा है, जहां प्रत्येक कांवड़िया "मैं" से "हम" की ओर बढ़ता है। पैरों में छाले, आंखों में दृढ़ संकल्प और कंधे पर गंगाजल लिए ये यात्री देश की धार्मिक चेतना का चलायमान रूप हैं।

प्राचीन समय में जब राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोग गोमुख से जल लेकर रामेश्वरम तक पदयात्रा करते थे, तो वह केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि उत्तर से दक्षिण तक की सांस्कृतिक कड़ी का प्रवाह था। आज यह परंपरा भले ही डाक कांवड़, खड़ी कांवड़ या दांडी कांवड़ जैसे विभिन्न रूपों में परिवर्तित हो गई हो, लेकिन उसकी आत्मा अब भी वैसी ही है कृअडिग, अपराजेय और आस्थामयी।

सामाजिक समरसता और सेवा का पर्व

श्रावण मास केवल भक्ति का पर्व नहीं, सेवा का संगम भी है। देश के हर कोने में कांवड़ियों के स्वागत में शिविर, भंडारे, चिकित्सा सेवा, जल वितरण की व्यवस्था होती है। आमजन, पुलिस, प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाएं एक समान भाव से इस महायात्रा को अपना योगदान देती हैं। यही भारत की सनातन शक्ति हैकृजहाँ धर्म केवल पूजा तक सीमित नहीं, वह लोकसेवा से जुड़ा है।

नव पीढ़ी के लिए प्रेरणा

जब बच्चे, युवा, वृद्ध और महिलाएं भी इस यात्रा में सम्मिलित होते हैं, तो यह केवल धार्मिक भावना का उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और जीवनमूल्यों की पाठशाला बन जाती है। जिस प्रकार "बम बम भोले" का स्वर संपूर्ण शरीर में ऊर्जा भर देता है, उसी प्रकार यह यात्रा हर मनुष्य में संयम, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की भावना भरती है।

उत्सव नहीं, उत्सर्ग है श्रावण

श्रावण मास केवल पूजा-पाठ का अवसर नहीं, यह तप का प्रतीक है। यह आत्मा को स्वच्छ करने का, विचारों को परिष्कृत करने का, और भगवान शिव के समक्ष अपनी सीमाओं को लांघने का अवसर है। यह मास हमें सिखाता है कि विष पीने वाले शिव की पूजा केवल जल से नहीं, अपने जीवन में भी उनके जैसे त्याग, सहनशीलता और करुणा लाकर की जानी चाहिए। वर्तमान समय में जब भौतिकता हावी है, तब श्रावण और कांवड़ यात्रा जैसे आयोजन हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं, हमारे अंदर सोई मानवीय संवेदनाओं को जगाते हैं।

हर दिन का उपवास

हर ग्रह का असर कौन-सा व्रत लाएगा कौन-सा फायदा

भारत में उपवास को सिर्फ धार्मिक काम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली माना गया है। हर दिन किसी खास ग्रह या देवी-देवता से जुड़ा होता है, और उसी दिन उपवास रखने का चलन है।

रविवार – सूर्य का दिन

रविवार को सूर्य से जुड़ा माना गया है। यह दिन शक्ति और आत्म-विश्वास बढ़ाने के लिए उपयुक्त है। इस दिन व्रत रखने से शरीर में नई ऊर्जा आती है और स्वास्थ्य में सुधार होता है। जो लोग थकान या कमजोरी महसूस करते हैं, उन्हें इस दिन उपवास जरूर करना चाहिए।

सोमवार – चंद्रमा का दिन

सोमवार भगवान शिव और चंद्रमा से जुड़ा होता है। यह दिन मन को शांति देने वाला है। इस दिन उपवास करने से चिंता कम होती है, भावनाएं संतुलित रहती हैं और नींद अच्छी आती है।

मंगलवार – मंगल ग्रह का दिन

मंगलवार को हनुमान जी की पूजा की जाती है। यह दिन साहस और शक्ति बढ़ाने के लिए माना गया है। इस दिन व्रत रखने से आत्म-विश्वास मजबूत होता है और डर या गुस्से पर काबू पाया जा सकता है।

बुधवार – बुध ग्रह का दिन

बुधवार को गणेश जी की पूजा होती है। यह दिन सोचने की ताकत और व्यापार में सफलता देने वाला माना गया है। जो लोग पढ़ाई या दिमागी काम करते हैं, उनके लिए यह दिन उपवास के लिए अच्छा होता है।

गुरुवार – गुरु ग्रह का दिन

गुरुवार भगवान विष्णु से जुड़ा है। यह दिन घर में सुख-शांति और बरकत लाने वाला होता है। इस दिन उपवास रखने से रिश्ते सुधरते हैं और मन शांत रहता है।

शुक्रवार – शुक्र ग्रह का दिन

शुक्रवार देवी लक्ष्मी से जुड़ा होता है। यह दिन धन और सुंदरता का प्रतीक है। इस दिन उपवास करने से घर में समृद्धि आती है और मन में संतोष बना रहता है।

शनिवार – शनि ग्रह का दिन

शनिवार भगवान शनि से जुड़ा है। यह दिन धैर्य और न्याय का प्रतीक है। इस दिन उपवास करने से जीवन में स्थिरता आती है और बुरी आदतों से दूरी बनती है।

उपवास के तीन बड़े फायदे

शरीर के लिए:

उपवास से पेट को आराम मिलता है, पाचन ठीक होता है और शरीर में जमा गंदगी साफ होती है। वजन कम करना हो तो उपवास असरदार तरीका हो सकता है।

मन के लिए:

उपवास से मन शांत होता है। तनाव घटता है और सोचने की ताकत बढ़ती है।

आत्मा के लिए:

उपवास से अनुशासन आता है। आत्म-जागरूकता और ध्यान की शक्ति भी मजबूत होती है।

ध्यान रखने की बातें

-उपवास करते समय खूब पानी पीएं।

-फल, दूध, सूप जैसे हल्के और पौष्टिक चीज़ें लें।

-तले हुए या भारी भोजन से बचें।

-कोई बीमारी हो तो डॉक्टर से बात जरूर करें।

मेरठ के शिव मंदिर में रावण की पत्नी करती थी पूजा

क्रांति धरा मेरठ की अगर बात करें तो मेरठ का सीधा नाता रावण की पत्नी मंदोदरी से भी जुड़ा हुआ है। यहां काफी ऐसे मंदिर हैं, जिनके बारे में ऐतिहासिक और धार्मिक ग्रंथ में उल्लेख है। कुछ इसी तरह का उल्लेख मेरठ के सदर स्थित बाबा बिलेश्वर नाथ मंदिर का भी मिलता है। हजारों वर्षों की किदंवती चली आ रही है रावण की पत्नी मंदोदरी इस मंदिर में पूजा अर्चना की करती थी।

मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित हरिश्चंद्र जोशी ने बताया कि 11 जुलाई 2025 से सावन माह की शुरुआत हो रही है। ऐसे में जो भी श्रद्धालु विधि विधान के साथ भोले बाबा की पूजा अर्चना करते हैं। उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि बाबा बिलेश्वर नाथ मंदिर की स्थापना रावण की पत्नी मंदोदरी द्वारा की गई थी। इतना ही उन्होंने बताया कि मंदोदरी खुद यहां पर भोले बाबा एवं मां पार्वती की प्रतिदिन पूजा अर्चना करती थी। जिसके फलस्वरूप उन्हें रावण जैसा विद्वान पति मिला था। ऐसे में सावन माह में भी जो भी श्रद्धालु या विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हैं। उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

रुद्राभिषेक से दूर होते हैं हर प्रकार के कष्ट

पंडित हरिश्चंद्र जोशी ने बताया कि सावन माह में जो भी श्रद्धालु भोले बाबा की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए सोमवार को भोले बाबा का रुद्राभिषेक करते हैं। तो ऐसे सभी भक्तों के हर तरह की कष्ट का समाधान होता है। उनके घर में सुख समृद्धि के साथ धनलक्ष्मी का लाभ होता है। ऐसे में श्रद्धालु यहां रुद्राभिषेक भी कर सकते हैं। बताते चलें कि यह मंदिर इसलिए भी खास है। क्योंकि मराठा शासन काल में मराठाओं द्वारा इस मंदिर का जीणोद्धार कराया गया था। मंदिर के प्रति भक्तों की काफी आस्था रहती है। यही कारण है कि सावन में देश भर से श्रद्धालु यहां विधि विधान के साथ बाबा बिलेश्वर नाथ की पूजा अर्चना करते हुए दिखाई देते हैं।

महाभारत : क्यों दुर्योधन के पैदा होते ही चीखने लगे गधे सियार और उल्लू, धृतराष्ट्र को दी गई थी यह सलाह

जब दुर्योधन पैदा हुआ तो गधे चीखने लगे। सियार और उल्लू भी उनकी चीख के साथ खुद चीखना लगे, इसे देखकर हर कोई घबरा गया। लोगों को लगा कि ये तो बहुत बड़ा अपशगुन है। जब ज्योतिषियों ने तुरंत पंचांग निकालकर ग्रह नक्षत्र की गणनाएं कीं, तो उनके पसीने छूट गए। उन्होंने हस्तिनापुर के राजा धृतराष्ट्र से कहा कि आप अपने इस पुत्र से पीछा छूटा लें। जंगल में जाकर छोड़ आएं। धृतराष्ट्र ने ऐसा नहीं किया। बाद में ज्योतिषियों ने जिस विनाश की भविष्यवाणी की वो सच निकला। चलिए अच्छे से जानते हैं कि दुर्योधन के जन्म कौन कौन सी डराने वाली बातें हुई थीं। व्यास ने गांधारी को 100 पुत्रों का वर दिया था। गांधारी सही समय से गर्भवती भी हो गईं। इस बीच 9 महीने निकल गए। साल निकल गया लेकिन गांधारी को कोई बच्चा नहीं हुआ। इस बीच वनविहार में पांडु की पत्नी कुंती ने युधिष्ठिर को जन्म दे दिया। इसने गांधारी को विचलित कर दिया। ऐसे में चिंतिति गांधारी ने अपना गर्भपात कराया तो देखा कि लोहे के समान एक ठोस मांस का पिंड निकला।

वह उसे फेंकने जा रही थी। तभी वहां महर्षि व्यास आ गए। उन्होंने कहा, मेरा कहना कभी गलत साबित नहीं होता। व्यास की सलाह पर गांधारी ने शीतल जल में उस मांस के पिंड को भिगोने के लिए रख दिया। उससे अंगूठे के बराबर एक सौ एक भ्रूण अलग हुए। उन सभी भ्रूणों को अलग अलग घी से भरे घड़ों में रख दिया। इससे एक वर्ष के बाद एक घड़े से दुर्योधन का जन्म हुआ।

क्या अपशकुन होने लगे

दुर्योधन जन्म लेते ही गधे की तरह कर्कश चीखने लगे। उसी समय गिद्ध, सियार, कौवे भी बोलने लगे। उल्लू भी चीख रहे थे। यानि ऐसी अजीब और भयंकर आवाजें आने लगीं कि जिसने उसको सुना, उसका दिल दहल गया। ये सभी बहुत बुरे लक्षण थे। आसमान एकदम काला हो गया। यानि दिन में ही अंधेरा सा लगने लगा। कई जगहों पर आग लग गई। ये देखकर हर कोई डर ही गया। धृतराष्ट्र भी डर गए। उन्होंने डरकर विदुर और भीष्म से पूछा – मेरे पुत्र को राज्य तो मिलेगा ना, उनके ये पूछते ही सियार और दूसरे जानवर फिर चिल्लाने लगे।

ज्योतिषियों ने क्या सलाह दी

तब ब्राह्मणों और ज्योतिषियों ने दुर्योधन के पैदा होने के समय की गणना की। पता चला कि दुर्योधन का जन्म इतने खराब समय में हुआ है कि वह पूरे कुल और परिवार के लिए नाश की वजह बनेगा। उसकी वजह से आपसी युद्ध और कलह होती रहेगी।

ज्योतिषियों ने धृतराष्ट्र को सलाह दी कि इस पुत्र को अपने से दूर कर दीजिए। इसे जंगल में ले जाकर छोड़ आइए। अगर इसको अपने पास रखा तो जिंदगी भर परेशान रहेंगे, कोई ना कोई मुश्किल आती रहेगी। पुत्रमोह में पड़े धृतराष्ट्र ने ऐसा करने से मना कर दिया। इसके बाद में एक माह के अंदर ही 99 पुत्र और एक बेटी दुशाला का जन्म हुआ।

आप अपने को कैसे बचाते हैं, ये निर्णय आपको लेना है

वो बड़े खतरनाक दिन होंगे, जब हमारी तमन्नाओं और आरज़ुओं को यंत्र तथा घटनाएं चलाएंगी। अब यहां हम यंत्र की बात छोड़ दें, केवल घटनाओं की बात करें। मोबाइल, एआई इन पर तो बहुत कहा जाता है। पर जिस तरह से भीड़ बढ़ रही है, जाम लग रहा है, धार्मिक स्थलों पर अव्यवस्थाएं देखने को मिल रही हैं- उसमें जो लोग दुर्घटनाग्रस्त होते हैं।

हालात से त्रस्त होते हैं, वो सब पीटीएसडी यानी पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर के शिकार हो रहे हैं। अभी हमें नहीं दिख रहा, लेकिन एक बड़ा वर्ग इसका शिकार है। भयानक घटना के कारण जो परेशानी होती है, वो भुलाए नहीं भूलती। ऐसे लोगों को ये पीटीएसडी घेर लेता है और वो उससे पीड़ित हो जाते हैं।

अभी भी हमारे देश में 10% लोग होंगे, जो मानकर चलते हैं कि जो हो गया, वो हो गया, अब आगे बढ़ो। 90% उस घटना पर टिक जाते हैं। फिर तनावग्रस्त होते हैं। इसलिए हमें ये जाग्रति लानी चाहिए कि जैसे-जैसे विकास और प्रगति होगी, दुर्घटनाएं बढ़ेंगी। मनुष्य का जीवन दांव पर लगेगा। आप अपने आप को बाहरी और आंतरिक रूप से कैसे बचाते हैं, ये निर्णय आपको लेना है।

सावन सोमवार पर ऐसे करें शिव पूजन

मेष – भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातकों को भगवान पर गुलाब जल मिश्रित जल से अभिषेक करना चाहिए। इससे उनके जीवन में शांति और स्थिरता आएगी। साथ ही, लाल चंदन का तिलक लगाना भी शुभ रहेगा।

वृषभ – शिव शंकर को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातको को दही और जल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से शिव प्रसन्न होंगे और उन्हें मानसिक पीड़ा, आर्थिक तंगी दूर करेंगे।

मिथुन – इस राशि के जातक भगवान शिव को गन्ने के रस और जल से अभिषेक करें। यह उनके संचार कौशल को बेहतर बनाएगा और करियर में सफलता दिलाएगा। हरे रंग के वस्त्र धारण करना शुभ रहेगा।

कर्क – इस राशि के जातक को सावन सोमवार के पहले

दिन दूध और जल से शिवजी का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से भावनात्मक स्थिरता मिलेगी और पारिवारिक जीवन में सुख-शांति आएगी।

सिंह – भगवान शिव की विशेष कृपा पाने के लिए इस राशि के जातक को लाल चंदन और जल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से आत्मविश्वास मे वृद्धि होती है।

कन्या – सावन सोमवार के पहले दिन इस राशि के जातक को शहद और जल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से स्वास्थ्य मे आराम मिलता है। साथ ही शत्रु बाधा से मुक्ति मिलती है।

तुला – भगवान भोलेनाथ को ख़ुश करने के लिए इत्र मिश्रित जल और गाय का घी से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से उनके रिश्तों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक – भगवान शिव की असीम कृपा पाने के लिए इस राशि के जातक को पंचामृत और जल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से अनजाना भय से मुक्ति मिलती है।

धनु – सावन के पहले सोमवार इस राशि वालो को पीले चंदन और जल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से ज्ञान और बुद्धि की प्राप्ति होती है।

मकर – इस राशि के जातकों को तिल के तेल और जल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से कर्मों का शुभ फल मिलता है।

कुंभ – सावन सोमवार के पहले दिन इस राशि वालो को को गंगाजल और बेलपत्र मिश्रित जल से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। इससे उन्हें मानसिक शांति मिलेगी मिलती है।

एकाग्रता के साथ किए गए छोटे काम भी बड़ी उपलब्धियों की भूमिका तैयार कर सकते हैं

किसी भी कार्य में दक्ष होने के लिए उत्साह और निष्ठा बहुत जरूरी है। हमें ये समझना चाहिए कि एकाग्रता के साथ किए गए छोटे-छोटे काम भी बड़ी उपलब्धियों की भूमिका तैयार कर सकते हैं। हम जो भी काम करें, उसे पूरे मन, श्रद्धा और पूरी ऊर्जा के साथ करें। किसी भी कार्य में दक्षता प्राप्त करने का मार्ग उत्साह, लगन और हमारी श्रम साधना ही है।

राष्ट्रपति भवन में होगी 'तन्वी द ग्रेट' की स्पेशल स्क्रीनिंग, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी शामिल

अनुपम खेर अपनी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इस फिल्म की स्क्रीनिंग 'राष्ट्रीय रक्षा अकादमी' पुणे में हुई। तब इस फिल्म की तारीफ हुई थी। अब फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग के जरिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देखेंगीं।

फिल्म की टीम के लिए है बड़ी बात

फिल्म की रिलीज से पहले 'तन्वी द ग्रेट' की स्क्रीनिंग राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में होगी। फिल्म की स्क्रीनिंग टीम के लिए खुशी का मौका है। खासकर फिल्म के अभिनेता और निर्देशक अनुपम खेर के लिए, जिन्होंने इसे अपने दिल के करीब बताया है।

सेना के जनरल देखेंगे फिल्म

अनुपम खेर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जानकारी दी है कि 'तन्वी द ग्रेट' की स्क्रीनिंग दिल्ली में भारतीस सेन के लिए भी की जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कहा है 'मुझे खुशी होगी कि मैं भारतीय सेना के जनरल उपेंद्र द्विवेदी को यह फिल्म दिखाऊं। क्योंकि सेना ने न केवल मुझे बल्कि 1.4 अरब भारतीयों को सुरक्षित महसूस कराने में अहम भूमिका निभाई है।'

कई देशों में हुई 'तन्वी द ग्रेट' की तारीफ

फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' ऑटिज्म और भारतीय सेना पर आधारित है। यह फिल्म पहले ही काफी मशहूर हो चुकी है। इसकी स्क्रीनिंग कान, न्यूयॉर्क, लंदन और ह्यूस्टन में हो चुकी है। फिल्म को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में स्टैंडिंग ओवेशन मिल चुका है।

फिल्म की कास्ट और कहानी

इस फिल्म में अनुपम खेर ने अभिनेत्री शुभांगी के साथ अहम किरदार निभाया है। इसमें करण ठक्कर और बोमन ईरानी ने भी अभिनय किया है। तन्वी द ग्रेट में तन्वी रैना की कहानी दिखाई गई है। तन्वी अपनी मां विद्या और अपने दादा कर्नल प्रताप के साथ रहती हैं। वह अपने पिता समर रैना की तरह भारतीय सेना में जाना चाहती हैं। फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'हवा चलेगी तो सबको मजा आ जाएगा"..पेरिस में ब्लैक जैकेट पहन 39 की ईशा गुप्ता ने मचाया बवाल

पेरिस कॉउचर वीक की शुरुआत होते ही हसीनाओं के लुक्स लाइमलाइट लूट रहे हैं। किसी ने फूलों वाली ड्रेस पहनकर टशन दिखाया। वहीं रैपर कार्डी बी ने जीवित कौए को हाथ में थाम एंट्री कर लोगों का दिमाग घूमा दिया लेकिन जब बारी आई ईशा गुप्ता की तो हर कोई बस उन्हें ही देखता रह गया।

जैकेट खोलकर 39 की हसीना ने टशन मारने का मौका हाथ से जाने नहीं दिया। पेरिस कॉउचर वीक में ईशा ने जार्जस होबिका के रेडी टू वियर फॉल 2025 की स्कर्ट और जैकेट चुनी। लुक में ग्लैमर का तड़का लगाने के लिए ईशा ने जैकेट को बंद करने की जगह खोलकर स्टाइल किया जिससे उनके ओवरऑल लुक में ग्लैम ऐड हुआ। फोटोज में ईशा की कमर पर लेदर बेल्ट लगी नजर आ रही है जो शायद हसीना के ब्रालेट स्टाइल वाले टॉप की हो सकती है।

ईशा ब्लैक कलर की लेदर की जैकेट पहनी नजर आ रही हैं। जिसपर बोल्ड कॉलर ऐड किए गए हैं। फरी स्लीव्स ने जैकेट को यूनिक लुक दिया।ईशा की जैकेट के सिल्वर टोन के रेक्टेंगल शेप वाले बटन भी जोड़े गए हैं।

जैकेट के साथ ईशा लेदर की स्कर्ट पहनी दिख रही हैं। जिसका लो वेस्ट स्टाइल लुक को कंप्लीट बना रहा है। स्कर्ट पर फूलों वाले डिजाइन बनाए गए हैं। ब्लैक अटायर के साथ ईशा ने हील्स भी ब्लैक चुनी है।

एक तरफ जहां ईशा का लुक लोगों को पसंद आया। वहीं, हसीना को ट्रोल करने वालों की भी कोई कमी नहीं है। एक यूजर ने लिखा, 'हवा चलेगी तो सबको मजा आ जाएगा। तो दूसरे यूजर ने लिखा, 'आपके बाल बहुत बेकार लग रहे हैं। आप लंबे बालों में भी अच्छी लगती हैं।'

दुबले-पतले करण को देख घबरा गए फैंस लेटेस्ट फोटो पर बोले- कहीं बीमार तो नहीं

फिल्ममेकर करण जौहर एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं, बल्कि उनका बदला हुआ लुक है। हाल ही में कॉमेडियन समय रैना ने करण के साथ एक तस्वीर शेयर की जिसमें करण जौहर बेहद दुबले नजर आ रहे हैं। तस्वीर वायरल होते ही लोगों ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर करनी शुरू कर दी।

करण जौहर की हालिया तस्वीर

हाल ही में कॉमेडियन समय रैना ने करण जौहर के साथ एक तस्वीर शेयर की थी। इस फोटो में करण उनके साथ पोज देते हुए नजर आए। इस तस्वीर में करण काफी पतले नजर आ रहे हैं। जहां कुछ लोग उनके इस बदलाव को प्रेरणादायक मान रहे हैं, वहीं कई सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि करण अब 'बीमार जैसे' लगने लगे हैं। तस्वीर में करण हल्के ग्रे रंग के ढीले-ढाले कपड़ों में खड़े हैं और उनके पतले शरीर की झलक साफ दिख रही है। समय रैना ने फोटो के साथ कैप्शन दिया – 'वो शख्स जिसने भारत की सबसे बेहतरीन प्रतिभाओं को लॉन्च किया', हालांकि लोगों का ध्यान सीधे करण की सेहत की ओर चला गया।

फैंस की चिंता और प्रतिक्रियाएं

इंस्टाग्राम पर लोगों ने कमेंट्स में करण के लुक को लेकर तरह-तरह की बातें कीं। किसी ने लिखा, 'लगता है ये वजन कम करना सेहत के लिए सही नहीं है।' वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'वो पहले बहुत अच्छे लगते थे, अब ये दुबला लुक उन्हें सूट नहीं कर रहा।' कई फैंस ने ये भी आशंका जताई कि कहीं करण किसी गंभीर बीमारी से तो नहीं जूझ रहे।

वजन कम करने पर करण की सफाई

हालांकि करण जौहर पहले ही इस विषय पर सफाई दे चुके हैं। उन्होंने बताया था कि उन्होंने कोई दवा नहीं ली, बल्कि दिन में सिर्फ एक ही बार उन्होंने खाना खाया। डाइट और वर्कआउट से वो ये बदलाव लेकर आए हैं। करण ने इस बारे में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था – 'स्वस्थ रहने, सही खाने और अपनी न्यूट्रिशन को फिर से समझने का नाम है बदलाव और क्रेडिट दे दिया गया ओजेम्पिक को?' उन्होंने साफ किया था कि वो फिटनेस को गंभीरता से ले रहे हैं ।

काजोल ने जब खूब उड़ाई शिल्पा शेट्टी की खिल्ली, तंग आकर डायरेक्टर बोला- अगर ये तुम्हारी बहन होती तो

साल 1993 में रिलीज हुई एक्ट्रेस काजोल की फिल्म बाजीगर ने दर्शकों का खूब दिल जीता था। वहीं एक्ट्रेस की एक्टिंग को भी खूब सराहा गया था। वहीं, अब हाल ही में काजोल ने अपनी सुपरहिट फिल्म से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है, जिसे याद कर आज भी उन्हें हंसी आ जाती है।

एक इंटरव्यू में बात करते हुए काजोल ने बताया कि फिल्म के एक इमोशनल सीन में शिल्पा शेट्टी को एक लाश का रोल करना था। सीन काफी सीरियस था, लेकिन जैसे ही काजोल की नजर शिल्पा के पैरों पर गई, वह खुद को हंसने से रोक नहीं पाईं और इसके पीछे वजह थी शिल्पा के खूबसूरत तरीके से पॉलिश किए हुए पैर के नाखून।

काजोल ने हंसते हुए कहा- 'बेचारी शिल्पा लेटी हुई थीं और उन्हें मरी हुई लड़की का रोल करना था। लेकिन जब मैंने उनके पैर देखे तो सोचने लगी- अरे, मरते समय इतनी सुंदर नेल पॉलिश कौन लगाता है? और मैं हंसते-हंसते पागल हो गई।'

काजोल ने बताया कि उस समय उन्हें सीन में रोना था लेकिन वह बार-बार हंसी रोकने में नाकाम रहीं। एक्ट्रेस ने कहा- 'अब्बास भाई बार-बार समझा रहे थे - बेबी, फोकस करो... तुम्हें रोना है इस सीन में। लेकिन मैं बार-बार शिल्पा के पैरों को देखकर हंसी में लोट-पोट हो रही थी।' इसके बाद आखिरकार डायरेक्टर अब्बास को काजोल के प्रति सख्त होना पड़ा। उन्होंने कहा - 'सोचो, अगर ये तुम्हारी बहन होती तो क्या तुम ऐसे हंस रही होतीं? बस, फिर मैं एकदम सीरियस हो गई और सीन में डूब गई।'

बता दें, अब्बास-मस्तान की निर्देशित फिल्म बाजीगर 1993 में रिलीज हुई थी और यह हॉलीवुड मूवी से इंस्पायर्ड थी। इसमें शाहरुख खान ने एक एंटी-हीरो का रोल निभाया था- जो अपने परिवार के लिए बदला लेने के रास्ते पर चलता है। उस समय फिल्म काफी सुपरहिट साबित हुई थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो काजोल जल्द ही सरजमीन फिल्म में नजर आएंगी, जिसे कायोज ईरानी ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी।

'द वाइव्स' दिखाएगी बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस महिलाओं के पीछे छिपे अनकहे सच : मधुर भंडारकर

राष्ट्रीय पुरस्कार और पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध फिल्मकार मधुर भंडारकर, जो समाज पर अपनी बोल्ड और बेबाक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी अगली फिल्म 'द वाइव्स' के ज़रिए बॉलीवुड के चमकते संसार की तहों को उजागर करने जा रहे हैं। इस साल की शुरुआत में घोषित की गई यह फिल्म आज मुंबई में फ्लोर पर जा रही है। फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेव, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे।

मधुर भंडारकर ने कहा, "द वाइव्स के ज़रिए मैं समाज की एक और चमकदार परत को हटाकर उसकी असली सच्चाई को सामने लाना चाहता हूं। यह फिल्म उन महिलाओं की ज़िंदगी की सच्चाइयों, संघर्षों और मजबूती को दिखाएगी जिन्हें अक्सर देखा तो जाता है, लेकिन सुना नहीं जाता।"

'चांदनी बार', 'पेज 3', 'फैशन', 'हीरोइन', 'ट्रैफिक सिग्नल' और 'बबली बाउंसर' जैसी फिल्मों के माध्यम से समाज के चकाचौंध भरे परिदृश्य के पीछे की कड़वी सच्चाइयों को दिखाने वाले भंडारकर अब बॉलीवुड की स्टार वाइव्स की रहस्यमयी दुनिया में झांकेंगे एक ऐसी दुनिया जिसमें स्कैंडल, गॉसिप और चौंकाने वाली भव्यता छिपी हुई है, जिसे बहुत कम लोग देख पाते हैं।

समाज की परंपराओं को चुनौती देने वाली कहानियों के दशकों लंबे अनुभव के साथ, भंडारकर अब ग्लैमर की चमक के पीछे छिपे अंधेरे को उजागर करेंगे। उनका सटीक और प्रामाणिक दृष्टिकोण दर्शकों को बॉलीवुड के एलीट वर्ग की असल दुनिया से रूबरू कराएगा। 'द वाइव्स' भंडारकर की निर्माता प्रणव जैन (पी जे मोशन पिक्चर्स) के साथ दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों की फिल्म इंडिया लॉकडाउन ओटीटी पर रिलीज़ होकर दर्शकों के दिलों को छू चुकी है।

प्रणव जैन ने कहा, "मधुर सर के साथ दोबारा काम करना बेहद रोमांचक है। उनके पास ऐसी कहानियां कहने की अनोखी कला है जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं। द वाइव्स एक आंखें खोलने वाली फिल्म होगी और मैं इस तरह के ईमानदार और ज़रूरी प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं।" भंडारकर एंटरटेनमेंट और पी जे मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म निर्देशक की चर्चित फिल्मोग्राफी में एक और विचारोत्तेजक फिल्म के रूप में जुड़ने जा रही है।

हम 14 साल से साथ हैं और हमेशा रहेंगे...पायल रोहतगी संग तलाक की खबरों पर संग्राम सिंह ने तोड़ी चुप्पी

टीवी एक्ट्रेस पायल रोहतगी ने हाल ही में 'संग्राम सिंह चैरिटेबल फाउंडेशन' से डायरेक्टर के पोस्ट से रिजाइन किया। पायल के इस कदम के बाद से ही मीडिया के गलियारों में हवा उड़ने लगी कि क्या ये दोनों तलाक के तरफ बढ़ रहे हैं। ऐसे में इन सब बातों पर विराम लगाते हुए संग्राम सिंह ने सच्चाई बताई।

संग्राम सिंह ने कहा-'हमारे बीच तलाक की कोई बात दूर-दूर तक नहीं हैं। हम 14 साल से साथ मे हैं हमेशा रहेंगे। मैं अपना सारा फोकस अच्छे काम को करने में रखता हूं। इन तलाक की बातों पर मैं ध्यान नही देता और मैं उनसे भी गुजारिश करूंगा कि 'कृपा करके ऐसी कोई अफवाह न फैलाए।'

पायल रोहतगी के संग्राम सिंह चैरिटेबल फाउंडेशन से रिजाइन देने की पर उन्होंने कहा-'ये पायल जी का फैसला हैं। मैं उनके इस फैसले का सम्मान करता हूं। हम दोनों का काम करने का तरीका अलग हैं। ऐसे में पायल जी ने जो सोचा होगा वो अपने हिसाब से बेहतर ही किया होगा। मैं उन्हें कोई रोक-टोक नही करता। वो अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। यहां कोई गलत नही है। हर इंसान अलग हैं।'

बता दें कि पायल रोहतगी के संग्राम सिंह चैरिटेबल फाउंडेशन में डायरेक्टर की पोस्ट से हटने के बाद संग्राम सिंह की बड़ी बहन सुनीता कुमारी सिंह इसकी नई डायरेक्टर होगी। सुनीता कुमारी सिंह संग्राम सिंह के साथ मिलकर इस फॉउंडेशन के लिए काम करेंगी। गौरतलब है कि पायल और संग्राम की शादी को तीन साल हो चुके हैं। पिछले साल दिसंबर में उनका एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो झगड़ा करते नजर आ रहे थे। पायल कह रही थीं कि उन्हें मां नहीं बन पाने के लिए दोबारा ताना ना मारा जाए।

13 साल पुराने सैफ अली खान होटल विवाद केस में मलाइका अरोड़ा को देनी थी गवाही अब जज ने हटाया नाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा को एक बड़ी राहत मिली। ट्रायल कोर्ट ने उनके खिलाफ जारी किया जमानती वारंट रद्द कर दिया। दरअसल, साल 2012 के एक पुराने मामले में मलाइका अरोड़ा हाल ही में मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुईं. इससे पहले मलाइका कई बार कोर्ट की सुनवाई में नहीं पहुंची थीं जिसके चलते कोर्ट ने उनके खिलाफ अप्रैल में 5,000 रुपए का जमानती वारंट जारी किया था। इस वारंट के बाद मलाइका आखिरकार कोर्ट पहुंचीं। ऐसे में जमानती वारंट रद्द कर दिया गया। इतना ही नहीं सुनवाई के दौरान उन्हें अभियोजन पक्ष की गवाह की लिस्ट से हटा दिया गया।

मलाइका को मार्च में बयान देने के लिए बुलाया गया था लेकिन वे कोर्ट नहीं आईं। अप्रैल में फिर से समन भेजा गया लेकिन फिर भी उनकी गैरहाजिरी के बाद कोर्ट को वारंट जारी करना पड़ा। कोर्ट ने 30 अप्रैल को भी मलाइका को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर वे कोर्ट में नहीं आईं तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जाएगा।

मामले की शुरुआत

इस मामले की शुरुआत 2012 में हुई थी, जब मलाइका अरोड़ा, सैफ अली खान, करीना कपूर, अमृता अरोड़ा और उनके कुछ दोस्त मुंबई के फाइव स्टार होटल ताज में डिनर के लिए गए थे। वहां एक शख्स से उनकी बहस हो गई जो बाद में झगड़े में बदल गई। उस शख्स का नाम इकबाल मीर शर्मा था जो साउथ अफ्रीकी नागरिक और एनआरआई हैं। उन्होंने कोलाबा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके बाद सैफ अली खान और उनके दो दोस्तों पर FIR दर्ज की गई थी। शिकायत में इकबाल शर्मा ने आरोप लगाया था कि सैफ अली खान ने उनकी नाक पर मुक्का मारा जिससे उन्हें फ्रैक्चर हो गया। इस मामले की सुनवाई पिछले साल से चल रही है। अब तक अमृता अरोड़ा समेत तीन लोगों की गवाही हो चुकी है।

रीम शेख ने अहमदाबाद हादसे के बाद ट्रोलिंग और हिंदू लड़के से शादी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

टीवी एक्ट्रेस रीम शेख को लेकर सोशल मीडिया पर खूब अफवाहें उड़ रही हैं। उनका नाम सेहबान अजीम से लेकर शगुन पांडे तक से जुड़ा। दो महीने पहले 22 साल की रीम की शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थीं जिस पर अब एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए उन फोटोज और खबर के पीछे का सच बताया है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 25/5/2025 को एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें रीम शेख की मांग में सिंदूर भरा है, वहीं दूसरी फोटो में कृष गुप्ता नाम का एक लड़का खड़ा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था कि कृष गुप्ता और रीम शेख ने जयपुर में 25 मई को शादी कर ली है।

ये पोस्ट इतना वायरल हुआ था कि इसे देखकर रीम ही नहीं, बल्कि उनके परिवार वाले भी हैरान रह गए थे। अब कृष गुप्ता के साथ वायरल हुई फोटो और खबरों पर रीम ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा-'मेरी शादी की एक बार खबर किसी ने पोस्ट कर दी थी, तो उसे मेरी दादी ने सीरियसली ले लिया था। ये जो हाल ही में मेरी शादी की खबर उड़ी है, ये तो मुझे पता ही नहीं कहां से आई। मैं लाफ्टर शेफ के सेट पर जब पहुंची तो चौंककर भारती दीदी ने कहा कि तूने शादी कर ली,तू बता नहीं रही।'

एयर इंडिया हादसे पर रीम शेख

रीम ने बताया कि उनकी बहन एयर इंडिया में फ्लाइट अटेंडेंट है। जब अहमदाबाद में एयर इंडिया हादसा हुआ तब लोगों ने रीम से भी सवाल करने शुरू कर दिए थे कुछ को उनके रिएक्शन में 'इमोशन' नहीं दिखा तो सोशल मीडिया पर गालियों की बौछार शुरू हो गई। रीम ने कहा, 'सुबह-सुबह सेट पर पहुंचते ही मुझसे हादसे पर सवाल पूछा गया। मैं मेंटली तैयार नहीं थी। इसका मतलब ये नहीं कि मुझे फर्क नहीं पड़ा। ट्रोलिंग को जैसे मैंने फेस किया है, मैं ही जानती हूं, इसे शब्दों में बताना काफी मुश्किल है, मेरे कमेंट सेक्शन में गालियों से भरे मैसेजेस की बौछार होती थी।लोगों कहते थे- 'इसे पाकिस्तान भेजो, ये देशद्रोही है।उन्होंने कहा पर्सनल मैसेज तक में बुरी बातें लिखी गईं। मैं हैरान थी, कि लोगों में इतना गुस्सा कहां से आता है।' बता दें कि रीम शेख इस वक्त 'लाफ्टर शेफ्स 2' में नजर आ रही हैं। उनकी जोड़ी अली गोनी के साथ बनी है। चार हफ्तों में शो का ग्रैंड फिनाले है।

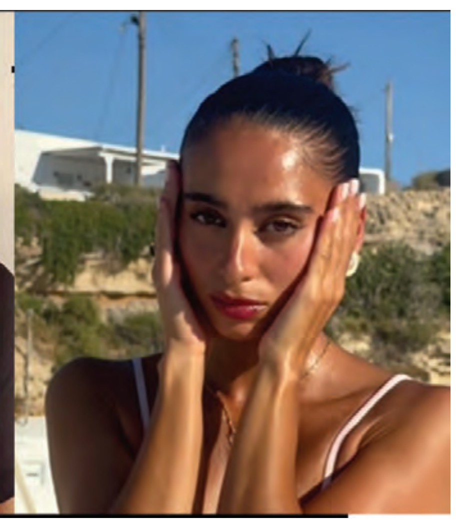

अनन्या से ब्रेकअप के बाद गोवा की मॉडल जॉर्जिना के लिए धड़का आदित्य रॉय कपूर का दिल!

अदित्य रॉय कपूर अपने काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसी बीच कहा जा रहा है कि आदित्य को एक बार फिर से प्यार हो गया है। ये सवाल इस वक्त हर किसी के जहन में घूम रहा है।

दरअसल ये ख्याल लोगों के जहन में तब से आना शुरू हुआ जब आदित्य ने अपनी लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की, जिसमें व्हाइट नेल पॉलिश लगी एक महिला का हाथ दिख रहा है।तेज नजर वाले यूजर्स ने तुरंत लड़की का हाथ नोटिस किया। यूजर्स का कहना है कि उनकी नई गर्लफ्रेंड गोवा की मॉडल जॉर्जिना डिसिल्वा हैं।

एक्टर की पोस्ट में घर की तस्वीरों के अलावा, दो महिलाओं के साथ फुटबॉल खेलते हुए उनका एक वीडियो भी दिखाई दे रहा है। वहीं एक तस्वीर में एक महिला हाथ में स्नैक पकड़े हुए नजर आ रही है। ऐसे में कुछ यूजर्स का दावा है कि यह मिस्ट्री गर्ल गोवा की एक मॉडल जॉर्जिना डिसिल्वा हैं। एक यूजर ने लिखा-'वह जॉर्जिना डिसिल्वा हैं।'एक अन्य ने लिखा-'दोस्तों, जिस लड़की को उन्होंने सॉफ्ट-लॉन्च कहा है वह जॉर्जिना डिसिल्वा हैं!' इतना ही नहीं लोगों ने नॉटिस किया कि जॉर्जिया ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में सफेद रंग की नेल पॉलिश लगाई हुई है। वहीं आदित्य और जॉर्जिया एक-दूसरे को फॉलो भी करते हैं और एक-दूसरे की इंस्टा पोस्ट को लाइक भी करते हैं।

धनुष ने शुरू की 'डी54' की शूटिंग, कहा- 'कभी-कभी खतरनाक बने रहना ही जीवित रहने का एकमात्र तरीका है'

साउथ के सुपरस्टार धनुष काफी दिनों से व्यस्त चल रहे हैं। वह हाल ही में फिल्म 'कुबेर' में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। उन्होंने हाल ही में बॉलीवुड की फिल्म 'तेरे इश्क में' की शूटिंग पूरी की है। अब उन्होंने तमिल फिल्म 'डी54' की शूटिंग शुरू कर दी है।

जारी हुआ फिल्म का पहला पोस्टर

पोर थोझिल फेम विग्नेश राजा फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। उन्होंने आज ही फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। मेकर्स ने इसका एलान एक पोस्टर शेयर करके किया। पोस्टर में देखा जा सकता है कि धनुष गमगीन हालत में एक झुलसे हुए कपास के खेत में खड़े हैं। उनके पीछे आग की लपटें उठ रही हैं।

निर्देशक ने दी फिल्म की जानकारी

विग्नेश राजा ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला लुक साझा करते हुए लिखा 'अपनी दूसरी फीचर फिल्म का एलान करते हुए खुशी हो रही है! अब तक के सफर के लिए आभारी हूं। हम इस फिल्म को अपना सब कुछ दे रहे हैं, ताकि आप सिनेमाघरों में अच्छा समय बिताएं। जल्द ही बड़े पर्दे पर मिलते हैं।'

धनुष ने लिखा दमदार कैप्शन

धनुष ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा 'कभी-कभी खतरनाक बने रहना ही जीवित रहने का एकमात्र तरीका है।'

फिल्म के बारे में

इस फिल्म में धनुष के साथ ममित बैजू अहम किरदार में होंगी। फिल्म में जयाराम, केएस रविकुमार, सूरज वेंजारामूडू और करुनास भी अभिनय करेंगे। फिल्म का म्यूजिक जीवी प्रकाश कुमार देंगे। फिल्म के निर्माता डॉ. के गणेश हैं। यह फिल्म वेल्स फिल्म इंटरनेशनल और थिंक स्टूडियोज के बैनर तले रिलीज होगी।

'जानकी वर्सेज स्टेट ऑफ केरल' के मेकर्स फिल्म का नाम बदलने पर सहमत, सेंसर बोर्ड से हुआ था विवाद

'जानकी वर्सेज स्टेट ऑफ केरल' फिल्म को लेकर सेंसर बोर्ड और इसके मेकर्स के बीच विवाद हुआ। यह मामला कोर्ट तक पहुंचा। केरल हाई कोर्ट की सुनवाई के दौरान सेंसर बोर्ड की तरफ से पेश वकील ने कहा था कि फिल्म को दो बदलावों के साथ पास किया जाएगा। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और फिल्म के मेकर्स कैसे नाम बदलने पर राजी हुए?

सेंसर ने दी दो बदलाव करने की सलाह

सेंसर बोर्ड ने कोर्ट में कहा था कि मेकर्स अगर दो बदलाव फिल्म में करते हैं, इसे पास कर दिया जाएगा। पहला बदलाव ये कि फिल्म के टाइटल को थोड़ा संशोधित किया जाएगा। अब फिल्म का नाम या तो 'जानकी वी वर्सेज स्टेट ऑफ केरल' या 'वी जानकी वर्सेज स्टेट ऑफ केरल' होगा। इससे यह साफ किया जाएगा कि ये जानकी नाम देवी से नहीं बल्कि मुख्य किरदार जानकी विद्याधरण से जुड़ा है। दूसरा बदलाव कोर्ट रूम में चल रहे क्रॉस-एग्जामिनेशन सीन से संबंधित है, जिसमें हीरोइन का नाम म्यूट करने की सलाह दी गई है।

नाम बदलने पर राजी हुए मेकर्स

कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीबीएफसी यानी सेंसर बोर्ड ने अदालत को जानकारी दी कि अगर मेकर्स अपनी फिल्म का नाम बदलते हैं तो तीन दिनों के भीतर इसको मंजूरी दी जा सकती है। ऐसे में मेकर्स ने कहा कि रिलीज के इतने करीब आकर फिल्म का नाम बदलने में कठिनाई होगी। मगर सेंसर बोर्ड अपने रुख पर कायम रहा। आखिर में फिल्म के मेकर्स नाम बदलने पर सहमत हो गए।

क्या है फिल्म की कहानी

प्रवीण नारायणन द्वारा निर्देशित और अनुपमा परमेश्वरन स्टारर फिल्म 'जानकी वर्सेज स्टेट ऑफ केरल' एक रेप पीड़िता के कानूनी संघर्ष को दर्शाती है। सेंसर सर्टिफिकेट में देरी के कारण इस फिल्म की रिलीज पर भी असर पड़ा है। अब मामला सुलझ गया है तो यह फिल्म जल्द ही रिलीज हो सकती है।

सामंथा संग वायरल तस्वीरों के बीच राज की एक्स वाइफ का क्रिप्टिक पोस्ट, बोलीं- धर्म सबसे ऊपर

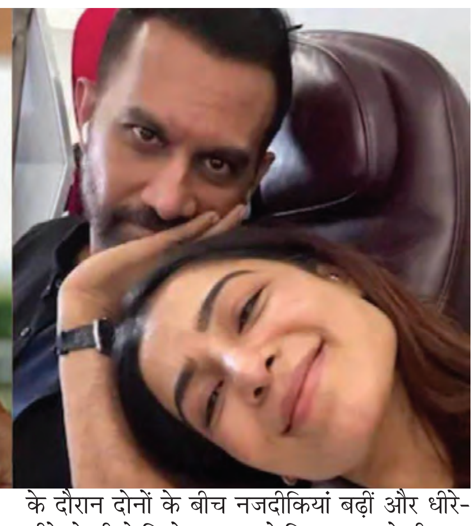

फिल्मी गलियारों में इन दिनों मशहूर निर्देशक राज निदिमोरु और एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु के इश्क के चर्चे जोरों पर हैं। दोनों की कनाडा वेकेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद से अफवाहों का बाजार गर्म है। इन तस्वीरों में दोनों को साथ घूमते और हंसते हुए देखा गया, जिससे इनके रिश्ते की अटकलों को और हवा मिल गई है।

राज की एक्स वाइफ का क्रिप्टिक पोस्ट

इन्हीं वायरल तस्वीरों के बीच राज की पूर्व पत्नी श्यामली दे ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर क्रिप्टिक नोट शेयर किए हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। इनमें से एक कोट महाभारत से लिया गया था जिसमें कृष्ण अर्जुन से कहते हैं – 'धर्म ही सर्वोपरी है।'

राज और श्यामली के तलाक की पुष्टि कभी आधिकारिक रूप से नहीं की गई थी, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों का 2022 में तलाक हो चुका है। अब जब राज और सामंथा की नजदीकियां सुर्खियों में हैं, तब श्यामली के इन स्टोरीज को लोग उनके निजी जीवन से जोड़ कर देख रहे हैं।

क्या सच में साथ हैं राज और सामंथा?

कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि 'सिटाडेल' की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे दोस्ती ने रिश्ते का रूप ले लिया। अब ये भी कहा जा रहा है कि दोनों मुंबई में साथ रहने के लिए नया घर तलाश रहे हैं। हालांकि, सामंथा की टीम ने इन खबरों को सिर्फ 'अफवाह' बताया है और इनकी पुष्टि नहीं की।

सामंथा और राज का रिश्ता तब और चर्चा में आया जब 'द फैमिली मैन 2' में दोनों ने साथ काम किया। इस सीरीज में सामंथा के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी। इसके बाद वे एक बार फिर 'सिटाडेलः हनी बनी' और अब 'रक्त ब्रह्मांड' जैसी वेब सीरीज में साथ नजर आने वाले हैं। इस सीरीज में सामंथा के साथ आदित्य रॉय कपूर भी दिखाई देंगे।

श्यामली की चुप्पी ने उठाए कई सवाल

श्यामली दे का कोई सीधा बयान भले ही सामने न आया हो, लेकिन उनके इंस्टाग्राम पोस्ट्स ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या ये धर्म आधारित कोट सिर्फ संयोग है या फिर राज-सामंथा के रिश्ते को लेकर उनका कोई मैसेज? ये कहना अभी मुश्किल है, लेकिन इतना जरूर साफ है कि ये निजी मामला अब सोशल मीडिया की चर्चा बन चुका है।

25 साल बाद शो को फिर से नहीं लाना चाहती थीं एकता कपूर, खुद बताया कारण

टेलिविजन का आइकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' 25 वर्षों के बाद एक बार फिर वापसी कर रहा है। शो का पहला प्रोमो भी आ चुका है और शूटिंग शुरू हो चुकी है। वर्षों बाद एकता कपूर और स्मृति ईरानी की जोड़ी एक साथ काम कर रही है। इस शो को फिर से लाने के पीछे एकता की क्या सोच थी। क्या आप जानते हैं एकता पहले शो को वापस नहीं लाना चाहती थीं? जी हां खुद टीवी क्वीन एकता ने इस बात की जानकारी दी है।

एकता कपूर ने किया पोस्ट

'क्योंकि' को लेकर अब एकता कपूर ने एक पोस्ट किया है। उन्होंने बताया है कि जब सबसे पहले उनतक इसे फिर से लॉन्च करने का आइडिया आया तो उन्होंने सीधा-सीधा मना कर दिया। एकता का कहना है कि उन्हें नहीं पता था कि जो शो इंडियन टेलिविजन पर एक क्रांति ले आया उसे फिर से उसी तर्ज पर दिखाया जा सकेगा भी या नहीं। एकता ने अपने पोस्ट में कहा, 'जब 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के 25 साल पूरे होने वाले थे और इसके फिर से लॉन्च करने का विचार सामने आया, तो मेरी पहली प्रतिक्रिया थी – नो! मैं क्यों उन पुरानी यादों को छेड़ना चाहूंगी? मैं अपने बचपन को जैसे याद करती हूं और वो वास्तव में जैसा था – वो हमेशा अलग रहेगा।

आगे लिखते हुए एकता ने कहा, टेलीविजन की दुनिया अब बदल चुकी है। जो कभी सिर्फ 9 शहरों पर निर्भर थी, अब दर्शक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर बिखरे हुए कंटेंट को टुकड़ों में देखते हैं। क्या यह बदलाव 'क्योंकि' की उस ऐतिहासिक TRP को हिला पाएगा, जिसे पहले और बाद में कोई नहीं छू सका? लेकिन क्या यही इस शो की असली विरासत थी? क्या ये सिर्फ एक हाई TRP वाला शो था?

'क्योंकि सिर्फ एक डेली सोप नहीं'

एकता ने आगे बताया, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' वैश्विक स्तर पर पहुंच गया था, जिसने भारतीय कहानियों की परंपरा को पूरी दुनिया में पहुंचाया। ये सिर्फ एक डेली सोप नहीं था, बल्कि इसने घरेलू बलात्कार, वैवाहिक बलात्कार, उम्र को लेकर शर्मिंदा करने और इच्छा मृत्यु जैसे मुद्दों पर चर्चा को घर-घर तक पहुंचाया। यही थी इस कहानी की असली विरासत।

फिर शो लाने के लिए तैयार हुईं एकता

एकता ने पोस्ट में आगे लिखा, 'आइए एक ऐसा शो बनाते हैं जो जरूरी सवाल उठाने से न डरे, जो बातचीत की शुरुआत करे और एक ऐसे दौर में अलग नजर आए जहां विजुअल चमक-दमक सब कुछ बन चुका है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी अब लौट रहा है सीमित एपिसोड्स के साथ- अपने 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए। इसका उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रभाव छोड़ना, सोच को झिंझोड़ना और सबसे जरूरी — प्रेरित करना है। ढेर सारी मस्ती, उत्साह और दिल से जुड़ी भावनाओं के साथ।'

एकता ने ऑफिशियली किया ऐलान

आगे लिखते हुए एकता ने कहा, 'तो पेश है क्योंकि सास भी कभी बहू थी' — उसके मायने, उसकी आवाज, उसका बदलाव, उसका इतिहास और वो सब कुछ जो ये शो हमें आगे देने वाला है। ये उपदेश देने के लिए नहीं, बल्कि दिल से जुड़ने और सभी को साथ लेकर चलने के लिए है। इस शो के नाम एक जाम-कहानी कहने की ताकत के नाम, उन बातों के नाम जो पहले हुईं और उन उम्मीदों के नाम जो आगे आने वाली हैं। हम कभी भी 'नॉस्टैल्जिया' से जीत नहीं सकते, लेकिन हमारी लड़ाई जीत की नहीं, बल्कि असर छोड़ने की है।'

स्मृति ईरानी का पहला लुक

बता दें मेकर्स पहले ही शो का पहला प्रोमो शेयर कर चुके हैं जिसमें तुलसी वीरानी यानी स्मृति ईरानी का लुक आ चुका है। वर्षों बाद एक बार फिर तुलसी वीरानी अपने चिर-परिचित अंदाज में दर्शकों के सामने आई हैं। इस शो का पहला एपिसोड 29 जुलाई को दिखाया जाएगा।

खुशी कपूर के साथ रिश्ते पर वेदांग रैना ने रखी अपनी राय

वेदांग रैना ने खुशी कपूर के साथ जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' में साथ में काम किया है। तब से ही दोनों एक दूसरे के करीब हैं। दोनों में अच्छी बनती है। कयास लगाए जाते हैं कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और रिश्ते में हैं। हालांकि दोनों ने ना तो अपने रिश्ते के बारे में कुछ कहा है और ना ही अफवाहों से इंकार किया है। हालांकि अब वेदांग ने खुशी कपूर के साथ खास रिश्ते पर बात की है।

वेदांग रैना ने खुशी के साथ रिश्ते पर रखी बात

वेदांग रैना ने खुशी कपूर के साथ अपने रिश्ते पर बात रखी। वह एक फैशन ब्रांड के साथ काम करने वाले हैं। वेदांग ने बताया कि खुशी के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहा है। वेदांग ने खुशी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा 'खुशी के साथ काम करना बहुत मजेदार और अच्छा रहा। हमारे बीच स्वाभाविक सहजता है। हमारा रिश्ता सहज और सच्चा है, यह रिश्ता नए प्रोजेक्ट में दिखाई देता है।'

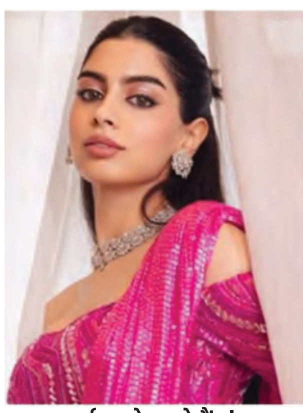

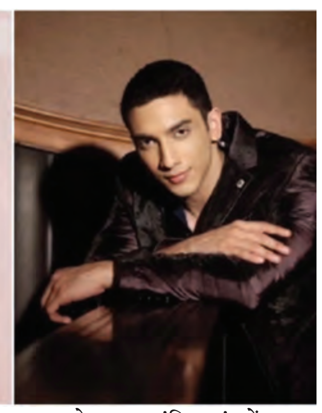

सतर्कता से चुनते हैं ब्रांड

किसी ब्रांड का प्रचार करने के बारे में वेदांग ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा 'ऐसा इसलिए क्योंकि यह जरूरी है कि आप जिस ब्रांड के साथ काम करने जा रहे हैं वह प्रमाणिक होना चाहिए ताकि वह बता सके कि मैं कौन हूं। मैं प्रमाणिक जुड़ाव देखता हूं चाहे वह उनका संदेश हो या उनका मूल्य हो।'

आलिया भट्ट के साथ नजर आए वेदांग

जोया अख्तर की आर्चीज में डेब्यू करने के बाद वेदांग आलिया भट्ट के साथ 'जिगरा' में नजर आए। फिल्म से बहुत उम्मीदें की जा रही थीं, हालांकि यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। अपनी जिंदगी के सफर के बारे में वेदांग ने कहा 'मेरा सफर खुद की तलाश, तरक्की और खुद की जागरूकता का रहा है।'

वेदांग रैना ने कहा कि 'मुझे खुद को सही मायने में समझने में समय लगा। मैं अपनी अच्छाइयों और कमजोरियों को गले लगाने की कोशिश कर रहा हूं। अपने काम और फैशन से खुद को व्यक्त करना चाहता हूं।'

कनाडा में कपिल के कैफे पर गोलीबारी

बदमाशों ने कई राउंड फायर किए; पुलिस ने शुरू की जांच

कॉमेडी किंग के नाम से मशहूर कपिल शर्मा ने अभी पिछले दिनों ही कनाडा में अपना नया कैफे 'कैप्स कैफे' खोला था। लेकिन अब खबर आ रही है कि कपिल के इस कैफे पर बुधवार रात को गोलीबारी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैफे पर कई राउंड गोलीबारी की गई। हालांकि अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

बब्बर खालसा के कार्यकर्ता ने ली जिम्मेदारी

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कथित तौर पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल के कार्यकर्ता और एनआईए की सूची में भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक, हरजीत सिंह लाडी ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

कपिल की तरफ से नहीं आया बयान

हाल ही में कपिल शर्मा ने यह कैफे हाल ही में खोला था। कनाडा में रह रहे भारतीयों के बीच यह काफी पसंद भी किया गया। अब इस कैफे पर गोलाबारी की खबर आ रही है। कपिल शर्मा ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पुरानी फिल्मों के किरदार से प्रेरणा नहीं लेते राजकुमार राव बोले- खुद को सीमित नहीं रखना चाहता

अक्सर सितारे किरदार अदा करते हुए पुरानी फिल्मों के किरदार से प्रेरणा लेते हैं। कनेक्ट करने के लिए पुरानी फिल्मों को देखते हैं। मगर, राजकुमार राव के मामले में ऐसा नहीं है। वे पुरानी फिल्मों से प्रेरणा नहीं लेते, बल्कि अपनी मौलिकता पर फोकस करते हैं। हाल ही में खुद उन्होंने यह बात कही है।

पुरानी फिल्मों से प्रेरणा लेने से बचते हैं राजकुमार राव

राजकुमार राव इन दिनों फिल्म 'मालिक' को लेकर सुर्खियों में हैं। वे हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में इंदौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही बताया कि वे पुरानी फिल्मों से प्रेरणा नहीं लेते हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अभिनेता राजकुमार राव ने कहा कि वे अभिनय करते समय मौलिकता पर ध्यान देते हैं। किसी भी किरदार को निभाने के लिए वे पुरानी फिल्मों से प्रेरित होने से बचने की कोशिश करते हैं।

किरदार अदा करते वक्त नहीं देखते पुरानी फिल्म

फिल्म 'मालिक' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में राजकुमार राव के साथ प्रोसेनजीत चटर्जी और मानुषी छिल्लर भी हैं। फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में इंदौर पहुंचे राजकुमार राव से पूछा गया कि क्या उन्होंने एक्शन भूमिका निभाने के लिए पुरानी फिल्मों से प्रेरणा ली? इस पर राजकुमार राव ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब मैं किसी फिल्म की शूटिंग कर रहा होता हूं, तो उस समय मैं उस खास तरह की कोई पुरानी फिल्म देखने की कोशिश नहीं करता। मैं चाहता हूं कि मैं जो भी किरदार निभाऊं, वह पूरी तरह से मौलिक हो और मेरी कल्पना और फिल्म की कहानी से उभरे'।

एक शर्त की वजह से हेमा मालिनी से नहीं हो सकी संजीव कुमार की शादी, जिंदगी भर रहे कुंवारे

संजीव कुमार हिंदी सिनेमा के बेहतरीन अभिनेता थे। उन्होंने फिल्मों में कई तरह के रोल निभाए। उन्होंने पर्दे पर तो अपने लाखों दर्शकों का दिल जीता लेकिन उनकी निजी जिंदगी में एक बड़ा दुख रहा। फिल्मों में कई रोमांटिक रोल निभाने वाले संजीव ने कभी शादी नहीं की और वह 47 साल की उम्र में इस दुनिया से अलविदा कह गए। अक्सर लोग उनका रिश्ता हेमा मालिनी से जोड़ते हैं। हलांकि हेमा मालिनी से उनकी शादी नहीं हो सकी।

एक दूसरे के करीब आए संजीव और हेमा

साल 1972 में हेमा मालिनी और संजीव कुमार ने फिल्म 'सीता और गीता' में एक साथ काम किया था। 'एन एक्टर्स एक्टर' नाम की किताब में हनीफ जावेरी और सुमंत बत्रा ने बताया 'संजीव कुमार और हेमा मालिनी एक दूसरे के तब करीब आए, जब वह 'हवा के साथ-साथ' गाने की शूटिंग कर रहे थे।'

हादसे से करीब हुए संजीव और हेमा

किताब के मुताबिक वह फिल्म की शूटिंग के दौरान एक हादसे की वजह से करीब आए। शूटिंग के वक्त दोनों एक साथ ट्रॉली पर बैठे थे। ट्रॉली की रस्सी ढीली होकर चट्टान की तरफ मुड़ गई। सड़क अंदर की तरफ मुड़ी हुई थी। ऐसे में दोनों गहरी खाई में गिर गए। दोनों को मामूली चोटें आईं और दोनों बच गए। इस घटना ने दोनों को करीब ला दिया। लोगों का का मानना है कि जब वह जख्मों से उबरे तो उन दोनों के अंदर भावनाएं जगीं।

एक शर्त की वजह से रिश्ता टूटा

कुछ दिनों बाद संजीव कुमार ने हेमा मालिनी का हाथ मांगने का फैसला किया और उनके घर गए। दोनों के परिवार काफी खुश थे। शुरुआत में सब ठीक था लेकिन दिक्कतें तब शुरू हुईं जब हेमा मालिनी अपने करियर में आगे बढ़ने लगीं।

हेमा मालिनी की मां इस शादी के लिए तैयार थीं लेकिन उनका कहना था कि वह अपनी बेटी की शादी तभी करेंगी जब उन्हें यह आश्वासन दिया जाए कि उनकी बेटी को शादी के बाद भी फिल्मों में काम करने दिया जाएगा। संजीव के परिवार वाले ये शर्त मानने को तैयार नहीं थे।

संजीव कुमार ने नहीं की शादी

इन्हीं शर्तों की वजह से यह रिश्ता नहीं हो सका। इसके बाद दोनों अलग हो गए।

हेमा मालिनी ने बाद में 1980 में धर्मेंद्र से शादी कर ली। उनकी दो बेटियां हुईं, ईशा और अहाना देओल। इस बीच, संजीव कुमार ने कभी शादी नहीं की।

भारत-आसियान एफटीए समीक्षा में तेजी की उम्मीद

पीयूष गोयल ने मलेशियाई मंत्री के साथ की चर्चा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा जल्द पूरी होने की उम्मीद है। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को बताया कि मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए आसियान के साथ चर्चा चल रही है और वह वार्ता में तेजी लाने के लिए उत्सुक हैं।

गोयल और टी जफरुल की बैठक

गोयल और मलेशिया के उनके समकक्ष टी. जफरुल अजीज के बीच बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा। गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पर इससे संबंधित एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ सार्थक बैठक हुई। मलेशिया, आर्थिक मामलों पर आसियान में भारत का स्थायी समन्वयक है। उन्होंने आगे कहा कि हमने दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की।

चुनौतियों के समाधान पर हुई चर्चा

मंत्रियों ने आसियान भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की चल रही समीक्षा और उससे जुड़ी चुनौतियों के समाधान पर चर्चा की। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि समीक्षा वार्ता धीमी गति से आगे बढ़ रही है।

समीक्षा से भारत को क्या है उम्मीद

समझौते की समीक्षा भारतीय उद्योग की लंबे समय से चली आ रही मांग है। भारत एक उन्नत समझौते की उम्मीद कर रहा है, जो द्विपक्षीय व्यापार में मौजूदा विषमताओं को दूर करेगा और व्यापार को अधिक संतुलित व टिकाऊ बनाएगा।

2010 में लागू हुआ था दोनों पक्षों के बीच यह समझौता

आसियान के सदस्यों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। भारत और 10 देशों के समूह आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के बीच वस्तुओं के क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते पर 2009 में हस्ताक्षर किये गये थे। आसियान व्यापार समझौता जनवरी 2010 में लागू हुआ। अगस्त 2023 में, दोनों पक्षों ने 2025 तक वस्तुओं पर मौजूदा समझौते की पूर्ण समीक्षा की घोषणा की।

एलपीजी पर नुकसान की भरपाई करेगी सरकार

सार्वजनिक तेल कंपनियों को दे सकती है 35 हजार करोड़ तक की सब्सिडी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को हुए नुकसान के लिए 30 से 35 हजार की सब्सिडी दे सकती है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) को पिछले 15 महीनों में लागत से कम कीमत पर एलपीजी बेचने के लिए यह भरपाई की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्रालय वास्तविक घाटे और उसकी भरपाई के लिए तंत्र पर काम कर रहा है।

सरकार ने जुटाया 32,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त शुल्क

1 फरवरी को पेश किए गए वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026) के केंद्रीय बजट में, सरकार ने ऐसे घाटे की भरपाई के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है। हालाँकि, अप्रैल में, सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 32,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाया। इस अतिरिक्त राजस्व का उपयोग वित्त मंत्रालय एलपीजी की नुकसान की भरपाई के लिए कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) सरकारी ढांचे का हिस्सा हैं। मुआवजा दिया जाएगा। हम मूल्यांकन कर रहे हैं कि कितनी वसूली बाकी है और उन्हें मुआवजा देने के तौर-तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

नागरिकों को ऊंची दरों से बचाने के लिए सरकार उठाती है नुकसान

घरेलू रसोई गैस की कीमतों को सरकार नियंत्रित करती है ताकि नागरिकों को ऊंची बाजार दरों से बचाया जा सके। नियंत्रित कीमतें सऊदी अरब के सीपी से कम हैं। यह घरेलू रसोई गैस की कीमत तय करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय मानक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि घरेलू रसोई गैस का उत्पादन स्थानीय माँग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है और ईंधन का आयात करना पड़ता है। इससे ईंधन के खुदरा विक्रेताओं को नुकसान होता है।

14.2 किलो के सिलेंडर में कीमतें 50 रुपये बढ़ी

वित्त वर्ष 2024-25 में उद्योग के लिए एलपीजी बिक्री पर कुल अंडर-रिकवरी लगभग 40,500 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उत्पाद शुल्क वृद्धि के साथ-साथ, खुदरा रसोई गैस (एलपीजी) की 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई। इससे लागत और खुदरा बिक्री मूल्य के बीच के अंतर को कम करने में मदद मिली, जिससे चालू वित्त वर्ष में घाटे में कमी आई। इससे पहले, सरकार दो वित्तीय वर्षों में कुल 35,000 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी उपलब्ध कराने पर विचार कर रही थी।

अतिरिक्त राजस्व से दिया जाएगा मुआवजा

अधिकारी ने आगे कहा कि वे इस बात का मूल्यांकन कर रहे हैं कि हाल ही में उत्पाद शुल्क में की गई वृद्धि से प्राप्त राशि को मुआवजे की राशि में कैसे शामिल किया जाए। उन्होंने बताया कि तेल विपणन कंपनियों को मुआवजा भारत के समेकित कोष के माध्यम से दिया जाएगा। एक बार प्रस्ताव तैयार हो जाने पर इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। अधिकारी ने कहा कि एक बार जब तेल विपणन कंपनियों को धनराशि जारी कर दी जाएगी। इसके बाद यह उनका विशेषाधिकार होगा कि वे पूंजीगत व्यय सहित धनराशि का किस प्रकार उपयोग करना चाहते हैं। सरकार समय-समय पर आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को इन घाटे की भरपाई करती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ हुआ बंद

सेंसेक्स 345 अंक टूटा, निफ्टी 25400 के नीचे

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। आईटी और दूरसंचार शेयरों में कमजोरी के कारण गुरुवार को भारतीय बाजारों में बिकवाली का दौर रहा। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारतीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 345.80 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 83,190.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 401.11 अंक या 0.48 प्रतिशत गिरकर 83,134.97 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.85 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 25,355.25 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक महिंद्रा और इटर्नल प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं मारुति, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर लाभ में रहे। एक सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि भारतीय वाणिज्य मंत्रालय का एक दल कृषि और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में मतभेदों को दूर करने के लिए अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर वार्ता के एक और दौर के लिए जल्द ही वाशिंगटन का दौरा करेगा। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ की समयसीमा को 1 अगस्त तक बढ़ा दिया है। भारत इस अतिरिक्त शुल्क को हटाने की मांग कर रहा है। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार अधिकतर ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। हालांकि, वैश्विक शेयर बाजारों में सकारात्मक तेजी ने घरेलू बाजारों में गिरावट को सीमित कर दिया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत गिरकर 70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 77 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। बुधवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 176.43 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 83,536.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 46.40 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 25,476.10 अंक पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-50
सूर्यास्त 18-50
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	04-00 बजे
चंद्र-	धनु में	कर्क...	06-13 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	08-24 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	10-31 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	12-38 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक...	14-46 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	17-00 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	19-10 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	20-57 बजे
		मीन...	22-35 बजे
		मेष...	00-11 बजे
		वृष...	02-44 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 02-08 तक उपरान्त द्वितीया
मास - श्रावण कृष्ण, शुक्रवार 11 July
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 05-56 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - वैधृति 20-44 तक उप विष्कुंभ
करण- बालव 14-11 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत त्योहार - विश्व जनसंख्या दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:44 से 12:22 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:50 - 07:28	शुभ	रोग	18:50 - 20:15	अशुभ
लाभ	07:28 - 09:06	शुभ	काल	20:15 - 21:38	अशुभ
अमृत	09:06 - 10:44	शुभ	लाभ	21:38 - 22:59	शुभ
काल	10:44 - 12:22	अशुभ	उत्पात	22:59 - 00:22	अशुभ
शुभ	12:22 - 13:59	शुभ	शुभ.	00:22 - 01:44	शुभ
रोग	13:59 - 15:38	अशुभ	अमृत	01:44 - 03:06	शुभ
उत्पात	15:38 - 17:15	अशुभ	चंचल	03:06 - 04:28	शुभ
चंचल	17:15 - 18:50	शुभ	रोग.	04:28 - 05:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे है, इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है, इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करे। हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें क्योंकि उनमें से एक बहुत सुरक्षित रूप से आपको संगठन से बाहर का रास्ता खोजने में मदद कर सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञानं काफी मदद करेगा। आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे। आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे। आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा। आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे। अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे। ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है। आप जिस भी स्थिति मैं है, आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे। ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है, लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा। आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यो को खत्म करने में सक्षम होंगे। इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें। अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे है। आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है, उसका मूल्यांकन करे और ध्यान दे की आप अपनी क्षमताओ से क्या हासिल कर सकते हैं।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा। आज के दिन अगर आप वाहन, दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा। ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप आगे बढ़ रहे हैं, वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे। आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले। आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा। अच्छा काम करते रहे। अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी। आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं। आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे। अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है। अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और ददृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

छोटे चाय उत्पादकों ने की एमएसपी जैसी व्यवस्था की मांग, कहा- मूल्य निर्धारण में सुधार हो

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। देश के छोटे चाय उत्पादकों ने निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्य निर्धारण तंत्र स्थापित करने की मांग की है। इससे उन्हें पत्तियों को बेचकर उचित मूल्य मिलेगा। यह छोटे उत्पादक देश के चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान देते हैं।

वाणिज्य मंत्री को लिखा पत्र

इस मांग को लेकर उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र लिखा। पत्र में भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत मूल्य संरक्षण योजना का सुझाव दिया है। इसमें कहा गया कि चाय बोर्ड को छोटे उत्पादकों और कारखानों के बीच समान मूल्य-साझाकरण अनुपात निर्धारित करने के लिए गहरा अध्ययन करना चाहिए।

उत्पादकों के सामने ये चुनौतियां

सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि छोटे उत्पादकों को लगातार कम कीमत की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इससे इस क्षेत्र की स्थिरता को नुकसान पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि छोटे उत्पादक देश के चाय उत्पादन में 52 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं, और उचित मूल्य प्राप्ति तंत्र होना चाहिए ताकि आजीविका बनी रहे चक्रवर्ती ने कहा कि एसोसिएशन ने मई 2023 में ही वाणिज्य मंत्रालय को एक विस्तृत स्थिति पत्र प्रस्तुत किया था। जिसमें इस क्षेत्र के सामने आने वाली संरचनात्मक बाधाओं को रेखांकित किया गया है, जो पुरानी मूल्य प्राप्ति चुनौतियों से जूझ रहा है।

श्रीलंकाई मॉडल का किया समर्थन

उन्होंने कहा कि न्यूनतम बेंचमार्क मूल्य की अवधारणा को कुल बिक्री मूल्य से जुड़ी एक नई पद्धति से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। इससे उत्पादकों को उचित और लाभकारी मूल्य प्राप्त होगा। सीआईएसटीए ने श्रीलंकाई मॉडल का समर्थन किया है। इसके तहत नीलामी औसत से अधिक अधिशेष आय को कारखानों और उत्पादकों के बीच समान रूप से बांटा जाता है।

मिलता है लागत से कम दाम

छोटे उत्पादकों के लिए मूल्य संरक्षण योजना का प्रस्ताव करते हुए, इसमें कहा गया है कि वर्तमान में हरी पत्तियों की औसत कीमत 22 रुपये से 25 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। वहीं उत्पादन लागत 17 रुपये से 20 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। चक्रवर्ती ने कहा कि मामूली मार्जिन पर उत्पादकों को 5 रुपये प्रति किलोग्राम की उपज प्राप्त होती है। दूसरी ओर, एजेंट आमतौर पर 2 रुपये प्रति किलोग्राम लेते हैं। सीआईएसटीए ने कहा कि यह एक बड़ी बाधा है और उत्पादक सीधे कारखानों को बेचने में सक्षम होने चाहिए।

अनिल अंबानी के लोन खाते से हटा फ्रॉड का टैग, केनरा बैंक ने लिया यू-टर्न!

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केनरा बैंक ने गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उसने उद्योगपति अनिल अंबानी के लोन खाते को फ्रॉड घोषित करने का फैसला वापस ले लिया है। यह खबर अनिल अंबानी और केनरा बैंक के बीच चल रही कानूनी जंग में एक अहम मोड़ लेकर आई है। अनिल अंबानी की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी एक यूनिट के लोन खातों को बैंक ने पहले फ्रॉड करार दिया था, लेकिन अब इस फैसले को पलट दिया गया है। केनरा बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी सहायक कंपनी के लोन खातों को 2017 में फ्रॉड घोषित किया था। बैंक का आरोप था कि कंपनी ने 1,050 करोड़ रुपये के लोन का गलत इस्तेमाल किया। यह लोन कंपनी को पूंजीगत खर्च और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए दिया गया था। बैंक ने अपने पत्र में कहा था कि लोन लेने के बाद कंपनी ने नियम-शर्तों का उल्लंघन किया और 9 मार्च, 2017 को यह खाता नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) बन गया। केनरा बैंक ने 5 नवंबर, 2024 को रिलायंस कम्युनिकेशंस को पत्र लिखकर कहा था, लोन और क्रेडिट सुविधा लेने के बाद आपकी कंपनी ने डिफॉल्ट किया और संविदा की शर्तों का उल्लंघन किया। इस पत्र के बाद मामला और गंभीर हो गया था, क्योंकि फ्रॉड का टैग किसी भी कारोबारी के लिए बड़ा झटका हो सकता है। केनरा बैंक का यह फैसला बॉम्बे हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान सामने आया। बैंक ने कोर्ट को बताया कि उसने अनिल अंबानी के लोन खाते को फ्रॉड की श्रेणी से हटाने का फैसला किया है। हालांकि, बैंक ने इस यू-टर्न के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया। जानकारों का मानना है कि यह फैसला कानूनी दबाव, नए सबूतों या दोनों पक्षों के बीच किसी समझौते का नतीजा हो सकता है। रिलायंस कम्युनिकेशंस, जो पहले टेलीकॉम सेक्टर में बड़ा नाम थी, पिछले कुछ सालों से आर्थिक संकट से जूझ रही है। कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया भी चल रही है, जिसके चलते अनिल अंबानी की मुश्किलें और बढ़ गई थीं। इस बीच, फ्रॉड का टैग हटना उनके लिए राहत की खबर है। इस घटनाक्रम से अनिल अंबानी को कानूनी और कारोबारी मोर्चे पर थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन कई सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं। आखिर केनरा बैंक ने इतना बड़ा फैसला क्यों लिया? क्या दोनों पक्षों के बीच कोई सुलह हुई है?

24 घंटे में 12083 करोड़ रुपए स्वाहा

हर रोज इतनी घट रही मस्क की दौलत

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपत्ति में तगड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सिर्फ 24 घंटे में उनकी नेटवर्थ में 1.41 अरब डॉलर (करीब 1.2लाख करोड़) की भारी कमी आई है। इसके पीछे वजह बनी है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपकी नई व्यापारिक नीति और मस्क का राजनीति में उतरने का ऐलान। राजनीति में एंट्री करने के बाद से ही हर रोज मस्क की दौलत घट रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने "बिग ब्यूटीफुल बिल" लागू किया, जिसमें कई देशोंजैसे जापान, दक्षिण कोरिया पर नए टैरिफ लगाए गए हैं। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलने वाले टैक्स लाभ को भी खत्म कर दिया गया है। एलन मस्क, जो टेस्ला (टेस्ला) जैसी ईवी कंपनी के मालिक हैं, ने इस कदम की कड़ी आलोचना की। इसके जवाब में एलन मस्क ने 'अमेरिका पार्टी' नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने का ऐलान कर दिया। इससे उनके निवेशकों में चिंता फैल गई कि क्या अब मस्क अपना पूरा ध्यान कारोबार पर दे पाएंगे या नहीं।मस्क के राजनीतिक कदम का सीधा असर उनकी कंपनी टेस्ला पर देखने को मिला। निवेशकों के मन में असमंजस पैदा हुआ, जिससे टेस्ला के शेयरों में गिरावट शुरू हो गई। बीते कारोबारी दिन टेस्ला का शेयर 7% तक टूट गया और $291.37 से गिरकर $288.77 पर बंद हुआ। पिछले छह महीने में टेस्ला के स्टॉक्स में करीब 26% की गिरावट आ चुकी है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, मस्क की नेटवर्थ अब घटकर 346 अरब डॉलर रह गई है। सिर्फ साल 2025 की बात करें तो अब तक उन्हें 86.7 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है।

सिर्फ टेस्ला ही नहीं, ट्रंप के टैरिफ ऐलान के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में भी जोरदार गिरावट देखने को मिली। एलन मस्क का राजनीति में उतरना और ट्रंप के साथ सीधी तकरार अब उनकी दौलत पर भारी पड़ रही है। निवेशकों की चिंता और टेस्ला स्टॉक की गिरावट ने मस्क की संपत्ति को हिला कर रख दिया है।

एलआईसी में हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में सरकार

6.50% स्टेक कम का सकती है, 2022 में आईपीओ के जरिए 3.5% शेयर बेचे थे

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एलआईसी) में अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार ने एलआईसी में ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) को मंजूरी दे दी है, जिसे जल्द ही बाजार में लाया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार के अनुसार सरकार एलआईसी की 6.5% हिस्सेदारी बेच सकती है।ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) यानी कंपनी के मौजूदा शेयरधारक (जैसे कि प्रमोटर, निवेशक या अन्य बड़े शेयरधारक) अपने पास मौजूद कंपनी के शेयरों को बेचने के लिए जनता को पेश करेंगे। इसका मतलब यह है कि कंपनी पैसा जुटाने के लिए नए शेयर जारी नहीं कर रही, बल्कि पहले से मौजूद शेयर बेचे जा रहे हैं।एलआईसी में सरकार की 96.5% हिस्सेदारी है। 2022 में 3.5% हिस्सा बेचा गया था। अब सरकार 2-3% और हिस्सा बेचने की योजना बना रही है, जिससे करीब 9,500 से 14,500 करोड़ रुपए जुटाए जा सकते हैं। यह कदम 2025-26 में सरकारी कंपनियों के शेयर बेचकर पैसा जुटाने की योजना का हिस्सा है।इससे पहले सरकार ने आईपीओ के जरिए एलआईसी में अपनी 3.5% हिस्सेदारी बेचकर 20,557 करोड़ रुपए जुटाए थे। तक सरकार ने कंपनी के 22.14 करोड़ शेयर बेचकर ये रकम जुटाई थी। बीते एक साल में एलआईसी के शेयर में 12% की गिरावट देखने को मिली है।

19 जून 1956 को संसद में लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन एक्ट पारित हुआ। तब तक भारत में 154 लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, 16 विदेशी कंपनी और 75 प्रोविडेंट फंड कंपनी थीं। 1 सितंबर 1956 को सरकार ने सभी 245 कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर एक नई कंपनी बनाई। कंपनी का नाम रखा गया एलआईसी यानी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया। तब सरकार ने 5 करोड़ रुपए इस कंपनी के लिए जारी किए थे।

सोने में बढ़त, चांदी में गिरावट:सोना 753 बढ़कर 96,838 प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी 1.07 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 10 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 753 बढ़कर 96,838 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 96,085 पर था। वहीं चांदी की कीमत 380 कम होकर 1,06,900 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,280 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,550 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,350

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,400 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,400 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 **चेन्नई** : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,400 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 **भोपाल** : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,450 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250।

शराब घोटाला, 22 अधिकारी सस्पेंड, 88 करोड़ कमाए थे

3200 करोड़ का है घोटाला, अनवर ढेबर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले

रायपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में आबकारी विभाग ने बड़ा एक्शन लिया है। आरोपी बनाए गए 22 आबकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इन सभी पर आरोप है कि, प्रदेश में हुए 2100 करोड़ के घोटाले में सिंडिकेट में यह लोग शामिल थे। सिंडिकेट में काम कर रहे अफसरों को 88 करोड़ से ज्यादा की रकम मिली थी।

ईओडब्ल्यू के अफसरों ने चालान में यह जानकारी दी थी। एक दिन पहले ही यह खबर दिखाई थी, जिसके बाद एक्शन लिया गया है। वहीं बेमेतरा के जिला आबकारी अधिकारी प्रमोद कुमार नेताम ने गिरफ्तारी से बचने ईओडब्ल्यू स्पेशल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका लगाई है। इस मामले में 14 जुलाई को सुनवाई होगी।

बता दें कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की रकम 2100 करोड़ से बढ़कर 3200 करोड़ रुपए पहुंच गई है। वहीं सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले। अनवर ढेबर ने इन पैसों को रिश्तेदारों और सीए के नाम कई कंपनियों में इन्वेस्ट किया। ईओडब्ल्यू की

जांच में इस बात का खुलासा हुआ है

ईओडब्ल्यू की चालान के अनुसार शराब डिस्टलर्स से कमीशन और बी पार्ट की शराब बिक्री से मिलने वाले पैसे का 15 प्रतिशत कारोबारी अनवर ढेबर को जाता था। अनवर ढेबर इन पैसों को अपने करीबी विकास अग्रवाल और सुब्बू की मदद से लेता था। विकास अग्रवाल और सुब्बू शराब दुकानों से पैसा वसूलने का काम करते थे।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाने के लिए फरवरी 2019 में जेल रोड स्थित होटल वेनिंगटन में प्रदेश के 3 डिस्टलरी मालिकों को बुलाया। इस मीटिंग में छत्तीसगढ़ डिस्टलरी से नवीन केडिया, भाटिया वाइंस प्राइवेट लिमिटेड से भूपेंदर पाल सिंह भाटिया और प्रिंस भाटिया शामिल हुए। साथ ही वेलकम डिस्टलरी से राजेंद्र जायसवाल उर्फ चुन्नू जायसवाल के साथ हीरालाल जायसवाल और नवीन केडिया के संपर्क अधिकारी संजय फतेहपुरिया पहुंचे।

मीटिंग में इनके अलावा एपी त्रिपाठी और अरविंद सिंह भी मौजूद थे। मीटिंग में अनवर ढेबर ने तय किया कि डिस्टलरी से जो शराब सप्लाई की जाती है, उसमें प्रति पेटी कमीशन देना होगा। कमीशन के बदले रेट बढ़ाने का आश्वासन डिस्टलरी संचालकों को दिया गया। पैसे का हिसाब-किताब करने के लिए आरोपियों ने पूरे कारोबार को ए, बी और सी पार्ट में बांटा।

2019 में डिस्टलरी संचालकों से प्रति पेटी 75 रुपए और बाद के सालों में 100 रुपए कमीशन लिया जाता था। कमीशन को देने में डिस्टलरी संचालकों को नुकसान ना हो, इसलिए नए टेंडर में शराब की कीमतों को बढ़ाया गया। साथ ही फर्म में सामान खरीदी करने के लिए ओवर बिलिंग करने की राहत दी गई।

डिस्टलरी मालिक से ज्यादा शराब बनवाई। नकली होलोग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से बिक्री करवाई गई। नकली होलोग्राम मिलने में आसानी हो, इसलिए एपी त्रिपाठी के माध्यम से होलोग्राम सप्लायर विधु गुप्ता को तैयार किया गया। होलोग्राम के साथ ही शराब की खाली बोतल की जरूरत थी। खाली बोतल डिस्टलरी पहुंचाने की जिम्मेदारी अरविंद सिंह और उसके भतीजे अमित सिंह को दी गई।

खाली बोतल पहुंचाने के अलावा अरविंद सिंह और अमित सिंह को नकली होलोग्राम वाली शराब के परिवहन की जिम्मेदारी भी मिली। सिंडिकेट में दुकान में काम करने वाले और आबकारी अधिकारियों को शामिल करने की जिम्मेदारी एपी त्रिपाठी को सिंडिकेट के कोर ग्रुप के सदस्यों ने दी।

शराब बेचने के लिए प्रदेश के 15 जिलों को चुना गया। शराब खपाने का रिकॉर्ड सरकारी कागजों में ना चढ़ाने की नसीहत दुकान संचालकों को दी गई। डुप्लीकेट होलोग्राम वाली शराब बिना शुल्क अदा किए दुकानों तक पहुंचाई गई। इसकी एमआरपी सिंडिकेट के सदस्यों ने शुरुआत में प्रति पेटी 2880 रुपए रखी थी। इनकी खपत शुरू हुई, तो सिंडिकेट के सदस्यों ने इसकी कीमत 3840 रुपए कर दी।

रायपुर में तेज बारिश, दोपहर 3 बजे छाया अंधेरा

दुर्ग-धमतरी समेत 33 जिले भीगेंगे 10 जिलों में अलर्ट, 9 में बाढ़ का खतरा

रायपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर और रायगढ़ में गुरुवार दोपहर तेज बारिश हुई। रायपुर में घने बादलों के कारण दोपहर 3 बजे ही अंधेरा छा गया। इस बीच मौसम विभाग ने 9 जिलों बलरामपुर, बालोद, बलौदाबाजार, धमतरी, दुर्ग, कोरिया, महासमुंद, रायपुर और सूरजपुर में अचानक बाढ़ आने का खतरा जताते हुए अगले 24 घंटे के लिए अलर्ट जारी किया है।

इसके अलावा आज सेंट्रल छत्तीसगढ़ के दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, कांकेर, महासमुंद, गरियाबंद सहित 10 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। रायपुर-बेमेतरा, कबीरधाम सहित 13 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है। इसके बाद कल यानी 11 जुलाई से बारिश की तीव्रता में कमी आ सकती है। बुधवार को दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर संभाग के जिलों में भारी बारिश हुई है। कवर्धा जिले के भौराटोला में बिजली गिरने से नाबालिग की मौत हो गई।

राजनांदगांव में लगातार बारिश के बाद शिवनाथ नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। जिससे 4 जलाशयों से कुल 36 हजार

क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मोंगरा बैराज से 20 हजार क्यूसेक, घुमरिया नाला बैराज से 10,800 क्यूसेक, सूखा नाला बैराज से 5,200 क्यूसेक और खातू टोला बैराज से 600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

बता दें कि राजनांदगांव जिले में अब तक 250 मिमी पानी बरसा है जो औसत से 10 मिमी अधिक है। इसमें से 156 मिमी बारिश पिछले चार दिनों में ही हुई है।

इससे पहले बुधवार को दुर्ग के थनौद गांव में शिवनाथ नदी में आई बाढ़ में फंसे 32 मजदूरों को सुरक्षित निकाला गया। इनमें बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। सभी भारत माला परियोजना में काम करने आए थे। तभी नदी का जलस्तर बढ़ गया। बता दें कि लगातार बारिश से प्रदेश में कई नदी-नाले उफान पर हैं।

इसके अलावा कवर्धा जिले में ही एक ही परिवार की दो महिलाओं की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं चरोटा भाजी (साग) तोड़ने गई थीं। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और गरज-चमक के साथ बिजली गिर पड़ी। यह घटना घटना 8 जुलाई की शाम लगभग 6:00 बजे की है।

छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 336.3 मि.मी. औसत बारिश दर्ज की गई है।

रायगढ़ जिले में सबसे ज्यादा 473.5 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 153.0 मिमी बारिश हुई है।

नड्डा करेंगे नेताओं की मॉनिटरिंग, भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस

सांसद-विधायकों को मिले 5 अहम मंत्र, भ्रष्टाचार से दूर रहें, जनता से जुड़े रहें, कांग्रेस ने बताया नौटंकी

रायपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अंबिकापुर में चल रहे भारतीय जनता पार्टी का प्रशिक्षण शिविर खत्म हो चुका है। मैनपाट में 3 दिनों तक जनता के चुने हुए नेता इस प्रशिक्षण शिविर में शामिल रहे। शिविर में सरकार के सभी मंत्री, सांसद और विधायकों ने संगठन के बड़े नेताओं की बातों को सुना। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शिव प्रकाश, विनोद तावड़े और वी सतीश जैसे नेताओं की क्लास इन छत्तीसगढ़ के जनप्रतिनिधियों ने अटेंड की। शिविर में नेताओं को खास नसीहत दी गई। एक व्यवहार ठीक रखे दूसरा भ्रष्टाचार से दूर रहे। जेपी नड्डा खुद इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। मैनपाट में कुछ विधायक वीडियो बनवाते और तस्वीर भी खिंचवाते दिखे, इस पर कांग्रेस ने तंज कसा है। इस पूरे प्रशिक्षण शिविर को लेकर कांग्रेस ने राजनीतिक बयान बाजी भी की।

आखिर तीन दिनों तक पूरी सरकार मैनपाट में क्यों रही? संगठन के नेताओं का फोकस इस बात पर था कि नेता ज्यादा से ज्यादा जनता से जुड़ें। जनता के बीच उनका व्यवहार ऐसा हो कि लोग भारतीय जनता पार्टी से कनेक्ट रहें। भ्रष्टाचार की वजह से सरकार और पार्टी दोनों की छवि बिगड़ती है। इसे लेकर भी बेहद ध्यान से व्यवहार करने के निर्देश सांसद विधायकों को मिले हैं। यह भी बताया गया कि विपक्ष को जनता से जुड़े मुद्दों पर आक्रामक तरीके से घेरना होगा। इसके लिए अधिक से अधिक सोशल मीडिया का उपयोग करने की सलाह मिली है। केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रदेश में अधिक से अधिक फायदा मिले इसकी भी जिम्मेदारी दी गई है। नेताओं को यह भी नसीहत दी गई है कि अच्छा काम नहीं किया तो जिम्मेदारी से हटा दिए जाएंगे, कार्रवाई भी होगी।

बोलेरो की टक्कर से तीन लोगों की मौत

झुमरा-मेढ़कुरी मेन रोड पर हुआ हादसा मवेशियों को लेकर सड़क किनारे चल रहे थे लोग

हजारीबाग, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के दारू थाना क्षेत्र में झुमरा-मेढ़कुरी मुख्य मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में तीन ग्रामीणों की जान चली गई। गुरुवार को यह हादसा तब हुआ, जब तीनों ग्रामीण अपने मवेशियों के साथ सड़क किनारे चल रहे थे। पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी।

मृतकों की पहचान मेढ़कुरी पंचायत के अमली गांव के बासुदेव यादव (60), घाघरा गांव के रामसेवक मेहता (50) और तुलसी मेहता के रूप में हुई है। सेवाने नदी के पास हुई इस दुर्घटना में रामसेवक और तुलसी मेहता की मौके पर ही मौत हो गई। बासुदेव यादव को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण

बड़ी संख्या में घटनास्थल पर एकत्र हो गए। उन्होंने प्रशासन से दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। दारू थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग भेजा है।

पुलिस ने बोलेरो को जब्त कर लिया है। हादसे के बाद से चालक फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। ग्रामीणों ने इस मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाने और नियमित पेट्रोलिंग की मांग की है।

कांग्रेस ऑफिस में कार्यकर्ताओं में चले लात-घूंसे

भिलाई के विधायक के सामने एक का सिर फोड़ा, बोले- ये उपद्रवियों का काम

आरा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुर में कांग्रेस की बैठक में गुरुवार को दो गुट आपस में भिड़ गए। दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई है। घटना में कुछ लोगों के सिर में चोट भी आई है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। इसमें कांग्रेस नेता मारपीट करते दिख रहे हैं। दरअसल, आईएनसी के सचिव और बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी छत्तीसगढ़ के भिलाई विधायक देवेंद्र यादव आज भोजपुर पहुंचे थे। देवेंद्र यादव के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत कार्यक्रम रखा गया था। जैसे ही विधायक देवेंद्र यादव कांग्रेस ऑफिस पहुंचे, कार्यकर्ता जिंदाबाद के नारेबाजी करने लगे। इसी दौरान भीड़ में शामिल दो पक्षों में तू-तू मैं-मैं होने लगी, जो हाथापाई तक पहुंच गई।

हाथापाई होता देख बाकी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीच बचाव

करते हुए दोनों पक्षों को हटाया। इसके बाद कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

कांग्रेस नेता उपेंद्र कुमार सिंह बक्सर से लौट रहे देवेंद्र यादव को स्वागत करते हुए शहीद भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय लेकर आ रहे थे। इसी बीच, उनके समर्थकों की ओर से नारेबाजी की जा रही थी। इसी दौरान दो पक्ष आपस में भिड़ गए। मारपीट के बाद कांग्रेस ऑफिस में मौजूद छत्तीसगढ़ के भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव ने कहा- 'कौन आपस में लड़ा है, किसे चोट लगी है, क्या हुआ है, ये आने वाले समय में पता चलेगा। ये तो तुरंत-तुरंत की बात है।' 'इस हंगामे और मारपीट में कोई कांग्रेस है भी कि नहीं या बाहर से कोई उपद्रवी आकर हंगामा कर रहा है, ये देखना होगा।' 'हमारे जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की ओर से बताया गया है कि हंगामा और मारपीट में हमारी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं है। बाहर से उपद्रवी आकर हमारे कार्यक्रम में हंगामा कर रहे हैं।'

सुकमा में नक्सल उन्मूलन अभियान में छह नक्सली गिरफ्तार

दो इनामी भी शामिल विस्फोटक सामग्री बरामद

सुकमा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सुकमा जिले के कोंटा और भेज्जी थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों को नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। अलग-अलग कार्रवाई में कुल छह नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें दो पर कुल तीन लाख रुपये का इनाम घोषित था। ये नक्सली कोन्टा एरिया कमेटी से जुड़े सक्रिय सदस्य थे और लंबे समय से फरार चल रहे थे।

गिरफ्तार नक्सलियों में माड़वी मुया और कुंजाम मुका शामिल हैं, जो 2023 में विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान केंद्र पर फायरिंग और 2024 में ग्रामीण ताती बुधरा की हत्या जैसी घटनाओं में शामिल रहे हैं। इनके खिलाफ पहले से आपराधिक प्रकरण दर्ज थे और इनकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी। इन्हें ग्राम पीलावाया के पास घेराबंदी कर पकड़ा गया।

वहीं, भेज्जी इलाके में चार संदिग्ध नक्सली रैकी करते पकड़े गए, जिनकी निशानदेही पर कोत्ताचेरू और गोरखा के जंगलों से एक टिफिन बम, डेटोनेटर और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। सभी गिरफ्तार नक्सलियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इस संयुक्त कार्रवाई में थाना कोंटा-भेज्जी पुलिस, डीआरजी और सीआरपीएफ की 218 व 219 बटालियन शामिल रही।

तीन लाख के ब्राउन शुगर सहित तस्कर गिरफ्तार

किशनगंज-नेपाल बॉर्डर से लौटते समय धराया, बड़े गिरोह का होगा खुलासा

किशनगंज, 10 जुलाई (एजेंसियां)। किशनगंज से सटे पश्चिम बंगाल के पांजीपाड़ा इलाके में बुधवार देर रात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कुख्यात स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 306.15 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों में बताई जा रही है।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान अरजुल हक (उम्र 27 वर्ष) के रूप में हुई है, जो उत्तर दिनाजपुर जिले के करनडीघी थाना अंतर्गत अरबिंदोपल्ली कॉलोनी का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी बाइक से पांजीपाड़ा-धरमपुर गांव मार्ग के रास्ते ब्राउन शुगर लेकर जा रहा था। तभी गुप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी कर

उसे धर दबोचा गया।

गोलपोखर थाना पुलिस ने अरजुल हक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। गुरुवार को उसे रायगंज स्थित विशेष एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस आरोपी की 14 दिन की रिमांड मांग रही है, ताकि तस्करी के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

अरजुल हक एक पुराने नेटवर्क का हिस्सा लग रहा है। उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ब्राउन शुगर कहां से लाई गई थी। किन-किन इलाकों में इसकी आपूर्ति होनी थी। इसके पीछे एक बड़ा गिरोह हो सकता है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, किशनगंज से सटे बंगाल इलाके में बीते दिनों में नशा तस्करी की कई घटनाएं सामने आई हैं।

गुरु पूर्णिमा पर बैद्यनाथ मंदिर में भक्तों की उमड़ी भीड़

आज से स्पर्श पूजा बंद, अरघा सिस्टम से होगा जलाभिषेक, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

देवघर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुवार को बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की अहले सुबह से भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने कतार में लगकर बाबा का जलाभिषेक किया। शुक्रवार से श्रावण मास की शुरुआत हो रही है। ऐसे में बाबा बैद्यनाथ का स्पर्श पूजा एक माह तक के लिए बंद हो जाएगा। बैद्यनाथ मंदिर में अरघा सिस्टम लागू हो जाएगा।

वहीं, गुरु पूर्णिमा के ही दिन देवघर में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला का भी उद्घाटन किया गया। इसी बीच झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने भी आज बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना किया। मंत्री ने बताया

कि वह हर साल सावन शुरू होने से पहले बाबा का आशीर्वाद लेने आती हैं।

देवघर में बारिश भी हो रही है, इसके बावजूद श्रद्धालुओं की लंबी कतार देखने को मिली। बाबा मंदिर परिसर में अहले सुबह सरकारी पूजा के बाद से आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। इसके बाद लगातार श्रद्धालुओं ने बाबा मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की।

इधर, श्रावणी मेले को लेकर राज्य सरकार ने इस बार विशेष व्यवस्था की है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं, स्थानीय तीर्थ पुरोहित राजू मिश्रा ने बताया कि आषाढ़ पूर्णिमा पर भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है।

बाबा बैद्यनाथ को मनोकामना लिंग के रूप में जाना जाता है। मान्यता है कि यहां जलार्पण और बेलपत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। श्रावणी मेले के दौरान देवघर में विशेष व्यवस्था की गई है।

टोरी रेलवे साइडिंग में फायरिंग, हाईवा जलाया

राहुल दुबे गैंग ने फेसबुक पर ठेकेदारों को दी धमकी, लिखा- बिना मैनेज किए काम बंद करो

लातेहार, 10 जुलाई (एजेंसियां)। लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत टोरी रेलवे कोयला साइडिंग में बुधवार रात एक बार फिर से अपराधियों का तांडव देखने को मिला। इस बार पांच से छह की संख्या में आए अज्ञात अपराधियों ने कोल साइडिंग में खड़े हाईवा (ओडी 09 वी 1907) पर अंधाधुंध फायरिंग की और फिर उसे आग के हवाले कर दिया।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही मिनटों में पूरा हाईवा जलकर राख हो गया। इस सनसनीखेज घटना की जिम्मेदारी कुख्यात राहुल दुबे गैंग ने ली है। गैंग ने घटना स्थल पर पर्चा छोड़ा है और फेसबुक पोस्ट के माध्यम से भी कोयला व्यवसायियों को धमकी दी है। राहुल दुबे गिरोह ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि लातेहार, चंदवा, बालूमाथ और चतरा क्षेत्र में कोयला व्यवसाय उनके इजाजत के बिना नहीं चल सकता। गैंग ने विशेष रूप से कोयला व्यवसायी रंजीत गुप्ता को धमकी दी है। कहा है कि उनकी अवहेलना करने वालों को अंजाम भुगतना पड़ेगा। अपराधियों की यह करतूत क्षेत्र में दहशत फैलाने वाली है, जिससे कोल व्यवसायी समेत आम लोग भी दहशत में हैं।

घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना प्रभारी रणधीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने तत्काल इलाके को घेर लिया और सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच गंभीरता से कर रही है और अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब राहुल दुबे गैंग ने कोयला क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई हो। इससे पहले भी इसी महीने 6 जुलाई को बरियातू थाना क्षेत्र के फूलबसिया रेलवे साइडिंग में इसी गैंग ने फायरिंग कर एक हाईवा में आग लगा दी थी। वहीं 11 जून को भी टोरी साइडिंग में लेवी वसूली को लेकर हमला हुआ था, जिसमें एक कर्मी बाल-बाल बचा था। इन घटनाओं से साफ है कि कोल साइडिंग क्षेत्र में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ रहा है और पुलिस अब तक इन मामलों का कोई ठोस खुलासा नहीं कर पाई है।

रांची समेत 15 जिलों में लगातार हो रही बारिश

14 जुलाई तक हेवी रेन की संभावना, आकाशीय बिजली गिरने की आशंका, अलर्ट जारी

रांची, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने आज पांच जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पलामू, चतरा, कोडरमा, लातेहार और हजारीबाग जिले में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। रांची में बुधवार की रात से लगातार कभी हल्के तो कभी मध्यम दर्जे की बारिश हो रही है। आम जीवन इस लगातार हो रही बारिश की वजह से प्रभावित हो गया है।

मौसम विभाग ने बोकारो, देवघर, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, सरायकेला- खरसावां और

पश्चिमी सिंहभूम में अगले एक से तीन घंटे में मेघ गर्जन के साथ तेज हवा और बारिश होने की बात कही है। कई जिलों में मेघ बरसना शुरू भी हो गया है।

मौसम विभाग के अनुसार रांची जिले में 13 जुलाई तक बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान रांची का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 23 डिग्री पर रहेगा।

राज्य भर में 14 जुलाई तक बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने कई जिलों में बारिश के साथ वज्रपात व तेज हवाएं चलने की संभावनाएं जताई है। बुधवार को भी राज्य के कई जिलों में बारिश हुई। सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां जिले में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी कर रखा था। रांची, गुमला, खूंटी और सरायकेला खरसावां में यलो अलर्ट की चेतावनी थी। पिछले 24 घंटों के दौरान जमशेदपुर में सबसे अधिक 82.6 एमएम, बहरागोड़ा में 60.2 एमएम, पूर्वी सिंहभूम में 59.2 एमएम बारिश दर्ज की गई।

एच-1बी वीजा धारकों को अब देनी होगी मोटी फीस

अमेरिका के इस कदम से बढ़ेगी भारतीयों की मुश्किल, पर्यटकों को भी नहीं छूट

वॉशिंगटन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका जाने की योजना बना रहे भारतीयों के लिए जल्द ही वीजा संबंधी खर्च में तगड़ी बढ़ोतरी होने वाली है। राष्ट्रपति ट्रंप के हाल ही में लागू किए गए वन बिग ब्यूटीफुल अधिनियम के तहत अगले वर्ष से अधिकांश गैर-आप्रवासी वीजा कैटेगरी पर मोटी फीस लगने जा रही है।

अब अमेरिका में पर्यटन, पढ़ाई या नौकरी के लिए जाने वालों को 250 डॉलर यानी लगभग 21400 रुपये की वीजा इंटेग्रिटी फीस लगाई जाएगी।

ट्रंप का नया कानून एच-1बी (वर्क), बी-1/बी-2 (टूरिस्ट/बिजनेस), एफ और एम (स्टूडेंट) और दूसरी अस्थायी वीजा श्रेणियों पर लागू होता है। केवल राजनयिक वीजा को इससे छूट दी गई है।

क्या वापसी में मिलेगा रिफंड?

वीजा इंटीग्रिटी शुल्क एक सिक्योरिटी डिपॉजिट की तरह है

और इससे छूट नहीं दी जा सकती है। वीजा जारी करते समय होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट (डीएचएस) इसकी वसूली करेगा। अगर यात्री वीजा की शर्तों का पालन करते हैं, जैसे वीजा की समाप्ति के पांच दिनों के भीतर अमेरिका छोड़ना या कानूनी रूप से अपनी स्थिति बदलना, तो वे धनवापसी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अगर यात्री इसका पालन नहीं करते हैं, तो अमेरिकी सरकार शुल्क को अपने पास रख लेगी। साल 2026 से अमेरिका के लिए वीजा आवेदन करने वाले भारतीय पर्यटकों के लिए लागत में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जाएगी। हालांकि, मानक वीजा आवेदन शुल्क में कोई बदलाव नहीं होगा, जो कि 185 डॉलर है। लेकिन कई नए शुल्क लागू किए जा रहे हैं।

आवेदकों को 250 डॉलर के वीजा इंटेग्रिटी शुल्क के अलावा 24 डॉलर का आई-94 अधिभार भी अदा करना होगा। आई-94 फीस का इस्तेमाल सीमा पर इंट्री ट्रैकिंग से संबंधित खर्च को कवर करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा ईएसटीए या ईवीयूएस का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों के लिए क्रमशः 13 डॉलर और 30 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि यह शुल्क निर्धारित से ज्यादा समय तक रुकने वालों को हतोत्साहित करने और वीजा शर्तों का सही तरीके से सुनिश्चित करने के लिए लगाया गया है।

वहीं, आलोचकों का कहना है कि यह अतिरिक्त शुल्क कानून का पालन करने वाले, खासकर भारत जैसे विकासशील देशों के यात्रियों के साथ भेदभाव करता है। इन बदलावों का मतलब है कि भारतीय पर्यटकों को वीजा शुल्क के लिए लगभग 40,000 रुपये का बजट रखना होगा, जो वर्तमान राशि से दोगुने से भी ज़्यादा है।

रूस ने यूक्रेन पर 400 ड्रोन और 18 मिसाइलें दागी, दो मौत, कई घायल

जेलेंस्की ने रूस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

कीव, 10 जुलाई (एजेंसियां)। रूस की तरफ से बढ़ते हमलों को देखते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सहायक देशों से रूस पर नए प्रतिबंध तेजी से लगाने की मांग की है। इससे पहले यूरोपीय संघ (ईयू) ने 20 मई को रूस पर कई प्रतिबंध लगाए थे।

रूस ने गुरुवार सुबह यूक्रेन पर 400 ड्रोन और 18 मिसाइलों से हमला किया। इन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। पिछले एक हफ्ते में रुस ने यूक्रेन पर तीसरी बार हमला किया है।

कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि मलबे से कई इमारतों, गैरेज और एक पेट्रोल स्टेशन में आग लग गई। यह हमला रूस के हाल के बड़े हमलों में से एक है, जिसने यूक्रेन की हवाई रक्षा पर दबाव बढ़ा दिया है।

मलेशिया में पुलिस का हेलिकॉप्टर सीधे नदी में गिरा

पांचों क्रू मेंबर बचाए गए, सैन्य अभ्यास के दौरान हादसा

कुआलालंपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मलेशिया के जोहोर राज्य में बुधवार सुबह एक पुलिस हेलिकॉप्टर आपात लैंडिंग के दौरान सीधे नदी में जा गिरा। यह हादसा सुंगाई पुलाई इलाके में हुआ। उस वक्त हेलिकॉप्टर नियमित सैन्य अभ्यास (मिटसाटोम 2025) में शामिल था। हेलिकॉप्टर में सवार पांचों क्रू मेंबर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी घायल अफसरों को जोहोर बारू के सुल्ताना अमीना अस्पताल में भर्ती कराया गया। मलेशिया के सिविल एविएशन अथॉरिटी ने कहा है कि हादसे की जांच एयर एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगी। मलेशिया के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएम) के मुताबिक, हेलिकॉप्टर ने सुबह 9:51 बजे तंजुंग कुपांग पुलिस

स्टेशन से उड़ान भरी थी। लेकिन कुछ ही मिनटों में तकनीकी गड़बड़ी के कारण इसे आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। यह लैंडिंग नदी में जाकर हुई।

नदी में गिरने के तुरंत बाद, समुद्री पुलिस बल (माराइन पुलिस फोरस) ने सभी पांचों क्रू मेंबर्स को बचाया और उन्हें पास के मलेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी (एमएमईए) जेटी पर लाया गया। इसके बाद सभी को इलाज के लिए भेजा गया।

इस हादसे में कोई जान नहीं गई, लेकिन मलेशियाई नागरिक उड्डयन नियामक ने इसे गंभीर विमानन घटना मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

हादसे में गिरा हेलीकॉप्टर 30 साल पुराना था

हादसे का शिकार हुआ हेलीकॉप्टर फ्रांस में निर्मित एयर बस एएस355एन मॉडल था। यह एक लाइट यूटिलिटी सिंगल-रोटर हेलिकॉप्टर है। इसका प्रोडक्शन 1975 से 2016 तक हुआ था और इसका उपयोग दुनियाभर में सुरक्षा बलों, प्राइवेट चार्टर और कॉर्पोरेट सेवाओं द्वारा किया जाता है। मलेशियाई पुलिस को यह हेलिकॉप्टर 1996 में डिलीवर किया गया था। 2023 के नवंबर में इन्हें बदलने के लिए नए टेंडर बुलाए थे। हादसे से यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या पुराने एयरक्राफ्ट की सेवा अवधि खत्म हो चुकी है और क्या भविष्य में ऐसे और हादसे रोके जा सकते हैं।

भारत में आतंक फैलाते रहे हैं हम

पूर्व पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कबूला सच, पहलगाम हमले पर दिया ये जवाब

इस्लामाबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान लंबे समय से अपनी जमीन पर मौजूद आतंकी समूहों को भारत के जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने की अनुमति देता रहा है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तान के पाले आतंकियों ने जम्मू कश्मीर में बर्बर आतंकी हमले में 26 बेगुनाह लोगों की जान ले ली, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करते हुए कई आतंकियों को खत्म कर दिया। पूरी दुनिया ने इन आतंकी ठिकानों की बर्बादी देखी थी। अब पाकिस्तान के विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने स्वीकार किया है कि उनका देश भारत के खिलाफ

आतंक फैलाने में शामिल रहा है।

द वायर को दिए एक इंटरव्यू में बिलावल भुट्टो ने जरदारी ने कबूल किया कि पाकिस्तानी समूह अतीत में भारत के खिलाफ आतंक में शामिल रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार किया कि पाकिस्तान की सरकार इसमें शामिल थी।

बिलावल ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान अब बदल गया है और इस्लामाबाद ने इन आतंकी समूहों के खिलाफ कार्रवाई की है।

पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर सवाल पर उन्होंने इस बात से इनकार किया कि पाकिस्तान इसमें शामिल था। हमले की जिम्मेदारी लेने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट के बारे में पूछे गए सवालों को बिलावल से सीधा जवाब नहीं देते बना। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकी हमले के महज 45 मिनट के अंदर इसकी जिम्मेदारी ली थी।

बिलावल भुट्टो ने पाकिस्तान के इस हमले में शामिल होने से इनकार करते हुए कहा कि इस्लामाबाद ने भारत सरकार से विश्वसनीय सबूत की मांग की लेकिन ऐसा एक भी सबूत नहीं दिया गया। लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद मारे गए आतंकियों के जनाजे में आतंकी कमांडर अब्दुल रऊफ से साथ सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी को लेकर सवाल पूछा गया तो वे सवाल को टाल गए।

अफगानिस्तान में 6 साल की बच्ची की शादी

दूल्हे की उम्र 45 साल, तालिबान बोला– 9 साल की होने पर पति के घर भेज देंगे

काबुल, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में 6 साल की एक बच्ची की शादी 45 साल के एक व्यक्ति से कर दी गई। शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद खुद तालिबान अधिकारी हैरान रह गए और बच्ची को उसके ससुराल ले जाने से रोक दिया।

हालांकि, तालिबान अफसरों ने यह भी कहा कि जब वह 9 साल की हो जाएगी, तब उसे पति के घर भेजा जा सकता है। दूल्हे ने बच्ची के परिवार को पैसे देकर यह रिश्ता तय करवाया। शादी हेलमंद के मर्जा जिले में हुई।

इसके बाद पुलिस ने बच्ची के पिता और दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन अब तक किसी पर आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया है। 2021 में तालिबान के दोबारा सत्ता में आने के बाद, देश में न सिर्फ बाल विवाह की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि उन्हें लेकर सामाजिक सहमति भी बनती जा रही है। लड़कियों की शिक्षा और काम पर पाबंदी के चलते कई परिवार बेटियों को बोझ मानकर उनकी जल्दी शादी कर दे रहे हैं।

यूएन वुमन की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान के महिला-विरोधी कानूनों के चलते देश में बाल विवाह में 25% और किशोरियों के गर्भधारण में 45% की वृद्धि हुई है। अफगान समाज में अक्सर लड़कियों की बचपन में ही नामकरण प्रथा के तहत किसी रिश्तेदार से मंगनी कर दी जाती है। इसे पारिवारिक संपत्ति की तरह देखा जाता है।

कई इलाकों में 'वलवर' यानी दहेज के रूप में पैसा लेकर लड़कियों की शादी तय होती है। यह रकम लड़की की खूबसूरती, सेहत और शिक्षा के स्तर के आधार पर तय होती है। उरुजगान की एक महिला अमीरी ने बताया कि उन्होंने अपनी 14 वर्षीय बेटी की शादी 27 साल के पुरुष से 3 लाख अफगानी में कर दी। महिला ने बताया कि मेरी बेटी बहुत छोटी है, लेकिन घर में खाने को कुछ नहीं था, यही रास्ता बचा था।

अफगान समाज में 'बाद' नाम की प्रथा के तहत खून-खराबे वाले झगड़ों को सुलझाने के लिए लड़कियों को दुश्मन परिवारों को सौंप दिया जाता है। एक बार सौंपे जाने के बाद लड़की अपने पति के परिवार की इज्जत (नमूस) बन जाती है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने 8 जुलाई को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबातुल्लाह अखुंदजादा और अफगानिस्तान के चीफ जस्टिस अब्दुल हकीम हक्कानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन दोनों पर अफगान महिलाओं, लड़कियों और तालिबान की कठोर जेंडर नीतियों का विरोध करने वालों पर अत्याचार करने का आरोप है। ये वारंट मानवता के खिलाफ अपराधों के तहत जारी किए गए हैं। कोर्ट का कहना है कि इनके खिलाफ क्राइम्स अगेंस्ट ह्यूमैनिटी के पर्याप्त आधार हैं।

भारतीय ब्यूटी क्वीन का बड़ा आरोप

'विशेष आशीर्वाद' पर मचा बवाल

कुआलालंपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मलेशिया में भारतीय मूल की अभिनेत्री और टीवी होस्ट लिशालिनी कनरन ने मंदिर में अपने साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मंदिर के पुजारी ने आशीर्वाद देने के बहाने उनका यौन उत्पीड़न किया है। यह घटना सेपांग के मरियम्मन मंदिर में हुई, जब पुजारी ने आशीर्वाद देते हुए कथित तौर पर उनके ब्लाउज में हाथ डाल दिया। लिशालिनी के आरोपों के बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी पुजारी की तलाश शुरू कर दी है। लिशालिनी के सार्वजनिक तौर पर इस घटना का खुलासा करने के बाद पुजारी फरार है। लिशालिनी के आरापों की मलेशिय के साथ-साथ भारत में भी चर्चा है।

साल 2021 में मिस ग्रांड मलेशिया बनीं लिशालिनी कनरन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट

पर इस बारे में लिखा है। उन्होंने बताया, 'मैं पिछले कुछ हफ्तो से नियमित रूप से मंदिर जा रही हूं। आमतौर पर मैं परिवार के साथ जाती हूं लेकिन बीते शनिवार अकेली गई थी क्योंकि मेरी उनकी मां भारत गई हुई थीं। ऐसे में पुजारी ने मेरे पास आकर पवित्र जल और रक्षा सूत्र देने की पेशकश की।'

लिशालिनी ने बताया कि पूजा समाप्त करने के बाद पुजारी ने उनसे कहा कि वह एक घंटे तक इंतजार करें। इसके बाद वह उनको अलग कार्यालय में ले जाकर विशेष आशीर्वाद देंगे।

मस्क बोले- एप्स्टीन सेक्स स्कैंडल की फाइल सार्वजनिक करूंगा

ट्रम्प पर इसमें शामिल होने का आरोप लगाया था, कहा- ये मेरी पार्टी की प्राथमिकता

वॉशिंगटन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर जेफ्री एप्सटीन फाइल्स को दबाए रखने का आरोप लगाया। मस्क ने कहा कि इन फाइल्स को पब्लिक करना उनकी 'अमेरिका पार्टी' की प्राथमिकता है।

मस्क ने मंगलवार को X पर लिखा- 'अगर ट्रम्प एप्सटीन फाइल्स को जारी नहीं करते, तो लोग उन पर कैसे भरोसा करेंगे?' एक यूजर ने पूछा क्या उनकी पार्टी के लिए यह मुद्दा अहम है, मस्क ने '100' इमोजी के साथ जवाब दिया।

जेफ्री एप्स्टीन मामला नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण से जुड़ा है, जिसमें कई हाई प्रोफाइल लोगों के नाम सामने आए थे।

मस्क ने इससे पहले 5 जून को सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि डोनाल्ड ट्रम्प का नाम जेफरी एपस्टीन की फाइलों में शामिल है। मस्क ने X पर लिखा था- अब बड़ा खुलासा करने का टाइम है। डोनाल्ड ट्रम्प का नाम एपस्टीन फाइलों में हैं। यही वजह है कि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया।

डोनाल्ड ट्रम्प, आपका दिन शुभ हो। एक अन्य पोस्ट में कहा- इस पोस्ट को भविष्य के लिए नोट कर लें। सच्चाई सामने आएगी। हालांकि, बाद में मस्क ने वो पोस्ट डिलीट कर दी थी और माना कि वह हद से ज्यादा बोल गए थे।

जेफ्री एप्स्टीन को पहली बार 2006 में फ्लोरिडा के पाम बीच से गिरफ्तार किया गया। एप्स्टीन को वेश्यावृत्ति और नाबालिगों को लालच देने के लिए दोषी ठहराया गया। हालांकि, कुछ सौदेबाजी के बाद उसे सिर्फ 13 महीने की हिरासत मिली, जिसमें वर्क रिलीज की इजाजत थी।

वर्जीनिया गिफ्रे नाम की महिला ने 2009 में आरोप लगाया कि एप्स्टीन ने उन्हें नाबालिग रहते

यौन तस्करी के लिए मजबूर किया। 2011 में गिफ्रे ने इस मामले में ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू का भी नाम लिया। 2015 में ग्रिफ्रे ने एप्स्टीन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। इसमें एप्स्टीन के प्रिंस एंड्रयू और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के साथ रिश्तों का जिक्र था।

एप्स्टीन को 2019 में फिर से नाबालिगों की यौन तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया। गिफ्रे ने ही एप्स्टीन के खिलाफ अदालत में गवाही दी। एप्स्टीन को वेश्यावृत्ति का नेटवर्क चलाने और बड़ी संख्या में महिलाओं के यौन शोषण और मानव तस्करी का दोषी ठहराया गया।

जनवरी 2024 में एक अमेरिकी कोर्ट ने जेफ्री एप्स्टीन से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए थे। इसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, माइकल जैक्सन और ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू जैसे हाई-प्रोफाइल लोगों के नाम थे।

इसमें बिल क्लिंटन और प्रिंस एंड्रयू के साथ एप्स्टीन की पुरानी दोस्ती का भी जिक्र किया गया था।

इटली में चीन का नागरिक गिरफ्तार

अमेरिकी कोविड वैक्सीन की रिसर्च चुराने का आरोप

रोम, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की कोविड-19 वैक्सीन रिसर्च चोरी के मामले में चीन के एक व्यक्ति को इटली में गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, 33 वर्षीय शू जेवई को 3 जुलाई को मिलान एयरपोर्ट पर छुट्टियां मनाने आए वक्त पकड़ा गया। अमेरिका ने उसके प्रत्यर्पण की मांग की है। शू पर आरोप है कि उसने चीन सरकार के कहने पर अमेरिकी यूनिवर्सिटीज, वैज्ञानिकों और रिसर्च सेंटरों को हैक किया। 2020 से 2021 के बीच वो हैफनियम नाम की हैकर ग्रुप से जुड़ा रहा, जिसने अमेरिका में 60 हजार से ज्यादा संस्थानों को निशाना बनाया। हालांकि आरोपी ने कहा है कि वह गलत पहचान का शिकार हुआ है क्योंकि उसका सरनेम चीन में आम है।

ट्रम्प पर हमला- सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट सस्पेंड

लापरवाही का आरोप, पिछले साल कान को छूकर निकली थी गोली

वॉशिंगटन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पिछले साल हुए जानलेवा हमले के दौरान सुरक्षा में चूक के आरोप में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट्स को सस्पेंड कर दिया गया है। यह जानकारी एबीसी न्यूज ने अधिकारियों के हवाले से दी है। यह कार्रवाई ट्रम्प के हमले का एक साल पूरा होने से 4 दिन पहले हुई है। पेनसिल्वेनिया के बटलर में 13 जुलाई 2024 ट्रम्प पर गोली चलाई गई थी। यह गोली ट्रम्प के कान को लगती हुई निकल गई थी और वह घायल हो गए थे।

इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरी कॉम्पेराटोर की मौत हो गई थी। जवाबी कार्रवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स (20 वर्ष) को गोली मार दी थी।

सस्पेंड किए गए एजेंट्स को अपील का अधिकार दिया गया है। एक अधिकारी के मुताबिक इन्हें

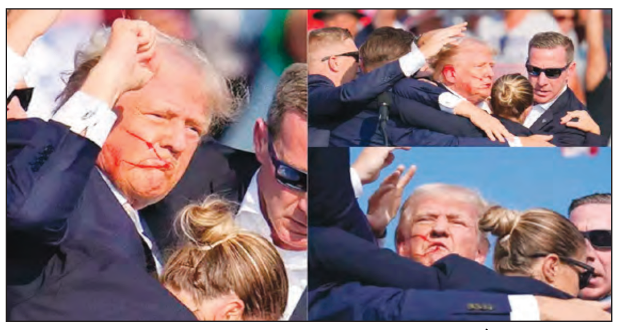

10 से 42 दिन तक के लिए सस्पेंड किया गया। इनमें सीनियर अधिकारी से लेकर निचले स्तर के फील्ड एजेंट शामिल हैं।

हमले के बाद अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सुरक्षा एजेंसियों की कई स्तरों पर लापरवाही और खामियों के चलते ट्रम्प पर हमला मुमकिन हो पाया।

रिपोर्ट में कहा गया, सीक्रेट सर्विस अब उस स्तर पर काम नहीं कर रही है जो उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए जरूरी है। यह संस्था अब एक जड़ और लापरवाह सिस्टम में बदल चुकी है, जबकि खतरे लगातार बढ़ रहे हैं और तकनीक भी आगे बढ़ चुकी है।

बटलर की घटना के ठीक 9 हफ्ते बाद ट्रम्प पर एक और जानलेवा हमला हुआ था, जब वह फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में अपने गोल्फ कोर्स पर थे।

बीएनपी के हथियारबंद गुंडे हिंदुओं के मंदिरों पर हमले कर रहे

शेख हसीना की पार्टी का दावा

ढाका, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) पर हिंदुओं पर हमले का गंभीर आरोप लगाया। अवामी लीग ने कहा कि बीएनपी के कार्यकर्ता हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे हैं और उन्हें डरा धमकार देश छोड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं। अवामी लीग ने बीएनपी के एक नेता का बाकायदा नाम लेकर ये आरोप लगाए।

अवामी लीग ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'बीएनपी नेता शहीदुल इस्लाम और उसके हथियारबंद गुंडों ने बिजॉय चंद्र रॉय के घर पर हमला

किया। बिजॉय चंद्र रॉय बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।' अवामी लीग ने बताया कि बिजॉय के घर पर हमले की घटना शनिवार को हुई, जब ठाकुरगांव जिले के रुहिया थाना इलाके में धोलारहाट यूनियन में स्थित उनके घर हमला किया गया। शेख हसीना की पार्टी ने कहा कि हमलावरों ने मानसा मंदिर को तबाह कर दिया और दो पवित्र मूर्तियों को भी तोड़ दिया। घरों में तोड़फोड़ की और आगजनी की। हमलावरों ने हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को धमकी दी और बांग्लादेश छोड़कर जाने के लिए धमकाया। अवामी लीग ने सवाल उठाया कि क्या हिंसा, डराना-धमकाना, जातीय सफाया ही बीएनपी के लोकतंत्र का विचार है। अवामी लीग द्वारा लगातार बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को लेकर हमला किया जा रहा है।

ब्रह्मोस के बाद भी इजरायल की लोरा मिसाइल पर क्यों आया भारत का दिल

5 मैक की स्पीड से करता है वार

तेल अवीव, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इजरायल के बीच रक्षा संबंध तेजी से गहरे होते जा रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने इजरायली ड्रोन का इस्तेमाल किया था, जो बेहद ही सफल साबित हुए थे। अब रिपोर्ट है कि भारतीय वायु सेना इजरायल से एयर-लॉन्च्ड लॉन्ग-रेंज आर्टिलरी (एलओआरए) मिसाइल खरीदने पर विचार कर रही है। खास बात यह है कि भारत के पास पहले से ही अपनी सुपरसोनिक ब्रह्मोस एयर-लॉन्च्ड मिसाइल है। एयर एलओआरए में भारतीय वायु सेना की रुचि की सूचना इसी महीने की शुरुआत में आई थी।

इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा डिजाइन एयर

एलओआरए मिसाइल 400 से 430 किलोमीटर दूर तक दुश्मन के लक्ष्य को निशाना बना सकती है। यह क्षमता भारतीय लड़ाकू विमानों को दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों की सीमा से कहीं आगे से उच्च प्रभाव वाले हमले करने में सक्षम बनाएगी। दुश्मन के लक्ष्यों को निशाना बनाते हुए खुद को सुरक्षित रखने के लिए यह क्षमता महत्वपूर्ण है। एयर लोरा अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है, जो पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों की तुलना में एक ऊंचे प्रक्षेप पथ पर चलती है। इसकी वजह से इसे रोकना और भी मुश्किल हो जाता है और टारगेट पर सटीक हमला करती है। इसकी सबसे आकर्षक विशेषता में इसकी दागो और भूल जाओ क्षमता है, जो पायलट को लॉन्च करने के तुरंत बाद इससे अलग होने में सक्षम बनाती है।

इसके अलावा मिसाइल को बीच-बीच में अपडेट भी मिल सकते हैं, जिससे ऑपरेटर उड़ान के दौरान इसे बीच में ही फिर से निर्देश दे सकते हैं। यह गतिशील युद्ध की स्थिति में अलग लाभ उत्पन्न कराता है। एयर लोला जमीन से लॉन्च की जाने वाली लंबी दूरी की आर्टिलरी मिसाइल का ही संवर्धित रूप है। यह एक सुपरसोनिक हवा से लॉन्च की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे लंबी दूरी पर उच्च मूल्य वाले लक्ष्यों पर हमले करने के लिए डिजाइन किया गया है। 400-430 किमी की दूरी पर लक्ष्य को निशाना बनाने में सक्षम यह मिसाइल मैक 5 स्पीड (6100 किमी प्रति घंटा) की रफ्तार से हमला कर सकती है।

लॉस एंजिलिस में निर्माणाधीन सुरंग ढही

सुरक्षित निकाले गए 30 से अधिक श्रमिक

लॉस एंजिलिस, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में लॉस एंजिलिस शहर के विलमिंगटन में निर्माणाधीन एक विशाल औद्योगिक सुरंग का एक हिस्सा बुधवार को ढह गया था। जिसमें लगभग 30 से अधिक श्रमिक फंस गए थे। सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया है। यह जानकारी लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट ने दी है। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि बुधवार को लॉस एंजेलिस में निर्माणाधीन एक औद्योगिक सुरंग का एक हिस्सा ढह गया था। जिसमें कुछ श्रमिक फंस गए थे। घटना के बाद चलाए गए राहत-बचावकार्य में 31 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। यह हादसा सुरंग के एकमात्र प्रवेश द्वार से 8 से 9.7 किलोमीटर अंदर हुआ।

खेतों में आएगा सिंधु नदी का पानी

शेखावाटी के 3 जिलों के लिए सीएम भजनलाल ने की बड़ी घोषणा

चूरू, 10 जुलाई (एजेंसियां)। थळी अंचल और शेखावाटी के लिए हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच यमुना लिंक परियोजना पर हुए समझौते अनुसार बनी डीपीआर के बाद एक ओर अच्छी खबर यह है कि अब मरुस्थलीय जिले की बारानी कृषि भूमि की सिंधु का पानी प्यास बुझाएगा।

बता दें, 8 जुलाई को चूरू के जोड़ी गांव में अन्त्योदय शिविर के निरीक्षण और अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने आए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने न केवल यहां बल्कि श्रीडूंगरगढ़ के गुसांईसर गांव में संभाग और शेखावाटी को सिंधु नदी से जुड़ने की बात कही। अंचल में हुए शिविर और सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केवल बात ही नहीं की बल्कि मंच से घोषणा की कि शीघ्र ही इस क्षेत्र को सिंधु नदी का पानी मिलेगा। इसी क्रम में जोड़ी गांव के ग्रामीणों और जिलेवासियों ने मरुस्थलीय जिले को नहर से जोड़ने की मांग की।

भारत पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद न केवल चूरू बल्कि पश्चिमी राजस्थान और शेखावाटी के लोगों को बड़ी उम्मीद जगी हैं कि यहां के खेतों को सिंधु का पानी मिलेगा। क्योंकि इस संदर्भ में केन्द्र सरकार ने एक बड़ी योजना पर काम करना भी शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार सिंधु का जम्मू कश्मीर का सरप्लस पानी को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान तक पहुंचाने के लिए करीब 113 किलोमीटर नहर बनना प्रस्तावित है। बताया जाता है कि यह नहर पाकिस्तान की ओर बह रहे पानी को राकेगी। इससे राजस्थान को सीधा लाभ मिलेगा। सूत्रों की माने तो इससे पहले जून माह में गृह मंत्री अमित शाह ने इस योजना के संकेत दिए थे कि आनेवाले वर्षों में राजस्थान के गंगानगर से सिंधु का पानी राजस्थान में प्रवेश करेगा। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने जिले के हर खेत को मिले पानी पर बताया कि राज्य सरकार ने यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर आदि परियोजनाओं को जहां सक्रिय किया है वही केन्द्र सरकार ने पहलगाम की घटना के बाद 1960 के सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया है। राजस्थान सरकार के साथ केन्द्र सरकार ने पाक को मिलनेवाले जल प्रवाह के रोकने के सक्रिय प्रयास किए है, इससे राजस्थान को बड़ा लाभ मिलनेवाला हैं। सरकार ने सिंध चिनाब, रावी व्यास सतलज लिंक परियोजना पर काम कर चुकी है। राठौड़ ने बताया कि सिंध चिनाब का 20-30 मिलियल एकड़ फीट पानी राव और सतलज से जोड़कर पंजाब के हरिके बैराज तक लाने और इसे वर्तमान व्यवस्था के जरिये प्रदेश की इंदिरा गांधी तक पानी पहुंचाना प्रस्तावित है। इसके लिए 200 किलोमीटर लम्बी नहरे और 12 सुरंगे प्रस्तावित है जो पश्चिमी राजस्थान के एक दो नहीं दस से अधिक जिलों के खेतो को सिंचाई का पानी देंगी। इसलिए कहा जा रहा है कि हमारा पानी हमारे लोगों के लिए की महत्वाकांक्षा से बनी भारत की जल नीति से थळी और शेखावाटी अंचल आत्मनिर्भर बन सकता है।

भारतीय किसान संघ के प्रांत मंत्री श्रीचंद सिद्ध ने बताया कि राजस्थान और विशेषकर चूरू जिले को सिंधु नदी का खेतों की सिंचाई के लिए पानी देने की मांग की है। संघ के प्रतिनिधियों ने जिला शक्ति मंत्री से हर खेत को पानी के अपने मुद्दे पर चर्चा करते हुए चूरू को सिंधु नदी से जोड़ने की मांग की हैं। इस संबंध में संघ शीघ्र ही फिर केन्द्र सरकार से बात करेगा।

चोरी के रुपए से 40 लाख का फ्लैट खरीदा

जयपुर-दिल्ली से कॉल गर्ल बुलाते थे; ब्रांडेड शूज और कपड़े पहनते; 36 से ज्यादा वारदातें कबूली

कोटा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। चोरी के रुपए से बदमाशों ने 40 लाख का फ्लैट खरीदा। एक बदमाश चोरी करता तो दूसरा आरोपी चोरी के माल को ठिकाने पर लगाता। फिर दोनों चोरी के पैसों से लग्जरी लाइफ जीते थे। नशे का शौक पूरा करने के लिए रोज 4 से 5 हजार रुपए की स्मैक पी जाते थे। आरोपी ब्रांडेड शूज, घड़ियां और कपड़े पहनते थे।

कोटा के कुन्हाड़ी थाना पुलिस ने 5 जुलाई को इस हाईटेक गैंग को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने 36 से अधिक वारदातें कबूली हैं। इस गैंग के मुख्य आरोपी मुकेश मीणा (30) और भानु गौतम (36) हैं। इनके साथ दुर्गाशंकर (41) नाम का ऑटो ड्राइवर भी पकड़ा गया है, जो दोनों आरोपियों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाता था।

पुलिस के मुताबिक, मुकेश मीणा और भानु गौतम कोटा में लग्जरी होटल में रुकते थे। दोनों आरोपी कॉल गर्ल के भी शौकीन थे। जयपुर और दिल्ली से हाई प्रोफाइल महंगी कॉल गर्ल बुलाते थे। दोनों ही चोर दसवीं तक भी नहीं पढ़े, लेकिन चोरी करने में माहिर हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि आरोपी अक्सर बंद मकान में रात 1 बजे के बाद वारदात करता था। बदमाश मुकेश मीणा अपने साथ ताला तोड़ने के लिए एक लोहे की एंगल रखता था। चोरी करने वाले मकान में नगदी और गोल्ड की चोरी किया करता था। मुकेश अपने साथ डराने के लिए एक एयर गन भी रखता था। मुकेश चोरी किए गए गोल्ड को भानु गौतम को सौंप देता। भानू अपने हिसाब से चोरी के गोल्ड व सिल्वर को ठिकाने लगाता। वो ज्यादातर गहनों को गिरवी रखकर पैसे जुटाता था। आरोपियों ने दो साल में चोरी की 36 से ज्यादा वारदातें करना कबूला है। जिनमें ज्यादातर गहने व नगदी चोरी किए। जिसमें सबसे बड़ी नांता थाना क्षेत्र में 15 लाख की, रेलवे कॉलोनी में 12 लाख की चोरी है। आरोपी अब तक लगभग 15 किलो चांदी और 1 किलो के लगभग सोने की चोरी कर चुके हैं। आरोपियों के पास 56 इंच की 5 एलइडी टीवी भी मिली है। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी से मिली रकम से वे स्मैक खरीदते थे। मुकेश मीणा उर्फ़ रंजीत और भानु रोजाना करीब 4-5 हजार रुपए की स्मैक पीते थे। भानू चोरी के जेवरातों को गोल्ड लोन कंपनियों में गिरवी रखकर रकम लेता था। भानु गौतम कोटडी इलाके स्मैक बेचने वाले शानू के पास चोरी किए हुए गोल्ड रख देता था। उनकी एवज में स्मैक लेते रहते थे।

पिछले दो सालों से कोटा शहर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे लेकिन कभी यह चोर पकड़ में नहीं आए। चोरी करते समय कभी भी मोबाइल का उपयोग नहीं करते थे। ना ही अपनी गैंग में किसी और को शामिल करते थे। उनका मानना था कि दो से अधिक व्यक्तियों को जोड़ने से जल्दी ही पकड़े जाएंगे।

पूछताछ में सामने आया कि चोरी किए हुए रुपयों से महंगे शूज, कपड़े, घड़ियां खरीदते थे। भानु गौतम 22 हजार के जूते और 1500 की अंडर वियर पहनता था। भानु ने चोरी किए हुए पैसों से रायपुरा में 40 लाख कीमत का फ्लैट भी खरीद लिया था। भानु गौतम ने एक महीना पहले ही लव मैरिज की थी।

12वीं बोर्ड की किताबों पर सियासी संग्राम

शिक्षा मंत्री बोले- किताब में सिर्फ कांग्रेस की गाथाएं

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों इतिहास का सिलेबस सियासत की फुटबॉल बना हुआ है। सत्ता बदलने के साथ ही सिलेबस भी सत्ताधारी पार्टी की विचारधार वाला बनाए जाने की कवायद शुरू हो जाती है। ताजा विवाद राजस्थान में 12वीं की किताब आजादी के बाद का स्वर्णिम इतिहास को लेकर शुरू हो गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि किताब में कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों पर कंटेंट ज्यादा है इसलिए इसे नहीं पढ़ाएंगे।

वहीं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव कैलाशचंद शर्मा का कहना है कि किताब का सिलेबस तो एक साल पहले ही फाइनल हो जाता है इसलिए इस साल की किताबें छप चुकी हैं। अब सरकार चाहती है तो बोर्ड सिलेबस की समीक्षा भी कर लेगा लेकिन समस्या यह है कि बोर्ड में तीन साल से कोई नियुक्ति ही नहीं हुई है।

कक्षा 11-12 में भाग-1 और भाग-2 के रूप में पिछली कांग्रेस सरकार के समय से पढ़ाई जा रही किताबों को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कहना है कि हम ऐसी किताब नहीं पढ़वाएंगे, जो सिर्फ कांग्रेस को ही महिमामंडित कर रही हैं। ऐसा लग रहा है, जैसे सबकुछ कांग्रेस ने ही किया है। दिलावर बोले- इसमें लोकतंत्र की हत्या करने वालों की गाथाएं हैं। फोटो तो छोड़िए पीएम मोदी के योगदान का विस्तृत उल्लेख तक नहीं है।

दरअसल ज्यादा विवाद किताब के भाग-2 पर है। इसके कवर समेत अलग-अलग पेजों पर इंदिरा, राजीव गांधी, जवाहरलाल नेहरू व मनमोहन सिंह तक के 15 से ज्यादा फोटो हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक भी नहीं।

फाइनेंस कंपनी के ऑपरेशन मैनेजर ने ऑफिस में फंदा लगाया

ऑफिस बंद कर सुसाइड किया; स्टाफ बोला- परेशान लग रहे थे

बाड़मेर. 10 जुलाई (एजेंसियां)। फाइनेंस कंपनी के ऑपरेशन मैनेजर ने ऑफिस में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। उसने परिजनों से ऑफिस के काम से जोधपुर जाने की बात कही थी। देर रात परिजनों की उनसे कोई बात नहीं हुई तो कंपनी में संपर्क किया। इसके बाद स्टाफ और परिजनों ने जाकर पड़ताल की तो वह ऑफिस में ही फंदे पर लटका मिला। मामला बाड़मेर कोतवाली थाना इलाके थार हॉस्पिटल के सामने यूग्रो कैपिटल कंपनी बुधवार दे रात करीब डेढ़ बजे की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करवाया। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मृग दर्ज कर ली है। सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल पाया है। कोतवाली थाने के एएसआई ज्ञानसिंह ने बताया- बाड़मेर शहर के माल गोदाम रोड मोहल्ले के निवासी ओमप्रकाश सोनी (30) पुत्र गौतम चंद ने ऑफिस में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। वह युग्रो कैपिटल फाइनेंस कंपनी में ऑपरेशन मैनेजर के पद पर कार्यरत था। कंपनी में बीते 3 सालों से काम कर रहा था। फाइनेंस कंपनी के मैनेजर पंकज ने बताया- हमारी कंपनी युग्रो कैपिटल फाइनेंस है जो मॉरगेज फाइनेंस करती है। ओमप्रकाश हमारे यहां पर इसमें 3 साल से काम कर रहा था। मैनेजर पंकज ने बताया- कल बुधवार दोपहर से वह परेशान लग रहा था। हमने पूछा भी था लेकिन कुछ बताया नहीं। रात साढ़े 12 बजे मेरे पास कैशियर का फोन आया। उन्होंने पूछा था कि अपने यहां से कोई जोधपुर कोई गया है? और कहा- ऑपरेशन मैनेजर ओमप्रकाश घर पर कहकर निकला है कि कंपनी स्टाफ के साथ जोधपुर मीटिंग में जा रहा है।

कई जिलों में महसूस हुए झटके, 10 सेकेंड तक हिली धरती

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कई जिलों में गुरुवार सुबह हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह करीब 9 बजकर 4 मिनट पर सीकर और झुंझुनूं जिले सहित एनसीआर के कुछ इलाकों में करीब 10 सेकेंड तक धरती हिली।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में बताया जा रहा है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई। इसका केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। अधिकारियों के अनुसार, तीव्रता कम होने के चलते किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं है।

इस साल फरवरी में भी आया था भूकंप

गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है, जब राजस्थान में इस साल भूकंप के झटके दर्ज किए गए हों। फरवरी 2025 में भी राज्य के कई हिस्सों में भूकंप आया था।

बीकानेर में फरवरी में आया था 3.6 तीव्रता का भूकंप

दो फरवरी को बीकानेर जिले में भी धरती कांपी थी। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, इसका केंद्र जसरासर के पास, बीकानेर शहर से करीब 72 किलोमीटर दूर था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई थी।

जालौर और सिरोही जिलों में भी महसूस हुए थे झटके

इसके अलावा 13 फरवरी को जालौर जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र निंबावास के पास जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था, जिसकी तीव्रता 3.4 दर्ज की गई। जालौर और सिरोही के कई इलाकों में करीब 3 से 4 सेकंड तक धरती हिलती रही थी।

क्या कहना है भूवैज्ञानिकों का

भूवैज्ञानिकों के मुताबिक, राजस्थान में आमतौर पर भूकंप की तीव्रता कम रहती है, जिससे नुकसान की संभावना भी बेहद कम होती है। फिर भी विशेषज्ञ लगातार इन गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर 'गुरूजी' गिरफ्तार

छात्रा को धमकी देकर कर रहा था ब्लैकमेल

हनुमानगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चौकी हनुमानगढ़ इकाई ने जंक्शन स्थित एक कॉलेज के मैनेजमेंट फैकल्टी को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पूर्व में रिश्वत के 18 हजार रुपए प्राप्त कर चुका था। उसने शिकायतकर्ता की बेटी की उपस्थिति कम करने व प्रायोगिक परीक्षा में फेल करने की धमकी देकर रिश्वत मांग रहा था।

30 हजार रुपए मांगी रिश्वत

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी हनुमानगढ़ को शिकायत मिली कि हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित एमडी कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन के प्रिंसिपल पंकज छाबड़ा की ओर से परिवादी की बेटी की उपस्थिति कम करने व प्रायोगिक परीक्षा में फेल करने की धमकी देकर रिश्वत के रूप में 30 हजार रुपए की मांग की जा रही है।

आरोपी ने 18 हजार रुपए पूर्व में प्राप्त कर लिए। अब शेष 12 हजार रुपए की रिश्वत की ओर मांग की जा रही है।

इस पर एसीबी ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए एमडी कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन के मैनेजमेंट फैकल्टी पंकज छाबड़ा को 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ के बाद एसीबी टीम ने मौके पर ही कागजी कार्रवाई की।

एसीबी की कार्रवाई से मचा हड़कंप

सरपंच और ई-मित्र संचालक घूस लेते गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) भीलवाड़ा प्रथम ने इटूंदा ग्राम पंचायत सरपंच अन्नू सिंह मीणा और ई-मित्र संचालक परमेश्वर को 24 हजार रुपए की रिश्वत लेते दबोच लिया। यह रिश्वत पंचायत के सफाई ठेकेदार से बिल पास करने की एवज में ली गई।

एसीबी के डीएसपी पारस मल ने बताया कि ग्राम पंचायत इटूंदा में ठेकेदार गोविंद का सफाई का ठेका है। गोविंद के सफाई कार्य के बिल पास करवाने की एवज में सरपंच अन्नू सिंह मीणा ने रिश्वत की मांग की। सरपंच अन्नू सिंह द्वारा बार-बार परेशान करने पर ठेकेदार गोविंद ने एसीबी प्रथम को शिकायत दी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया। शिकायत सही पाये जाने पर एसीबी ने ट्रैप की योजना तैयार की।

ठेकेदार गोविंद राशि के साथ सरपंच मीणा के पास गया, जहां सरपंच ने यह राशि ई-मित्र संचालक परमेश्वर को देने के लिए कहा। इस पर ई-मित्र संचालक परमेश्वर, ठेकेदार से पंचायत परिसर के आस-पास मिला और उससे रिश्वत के 24 हजार रुपए ले लिए।

परिवादी का संकेत पाकर पहुंची एसीबी टीम ने रिश्वत राशि के साथ ई-मित्र संचालक परमेश्वर के साथ ही सरपंच अन्नू सिंह मीणा को गिरफ्तार कर लिया। सरपंच की गिरफ्तारी की सूचना पर ग्राम पंचायत में हडकंप मच गया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि मामले में सचिव एवं जेटीओ की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है।

यदि मामले में दोनों की संलिप्तता पाई गई तो दोनों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में एसीबी प्रथम के डीएसपी पारसमल, सीआई कल्पना बंसीवाल, सब इंस्पेक्टर राजेश आचार्य, एएसआई रामपाल तेली शामिल थे।

अगले चार दिन फिर होगी झमाझम

27 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में 11 जुलाई से भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। आज मौसम विभाग ने प्रदेश के 27 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं अलवर, भरतपुर और धौलपुर में भारी बारिश की चेतावनी है। प्रदेश में इस मानसून सीजन में 1 से 8 जुलाई तक 121 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। वहीं जून में भी वर्षा का औसत सामान्य से 120 प्रतिशत से अधिक रहा था।

पश्चिमी राजस्थान में भी कई जिलों में जोरदार बारिश हुई, जिसके चलते वहां अधिकतम तापमान में भी गिरावट देखने को मिली।

वहीं मंगलवार को हनुमानगढ़ में लगातार कई घंटे बारिश होने से वहां कलेक्टर और एसपी ऑफिस तक में पानी भर गया। देर रात को हुई बारिश से यहां एक कच्चे मकान की छत गिर गई, जिसमें दबने से एक महिला की मौत हो गई।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा का कहना है कि अभी एक लो-प्रेशर सिस्टम पश्चिम बंगाल और झारखंड के ऊपर एक्टिव है। ये अगले एक-दो दिन में उत्तर-पश्चिम दिशा की तरफ आगे बढ़ेगा।

इस सिस्टम के असर से राज्य में 13 जुलाई तक बरसात का दौर जारी रहेगा। 11 जुलाई को दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों में बारिश और तेज होने की संभावना है।

प्रदेश में बीते 4-5 दिन से बारिश का दौर कुछ कम हुआ है, जिससे बांधों में पानी की आवक भी घटी है लेकिन जून के पखवाड़े में हुई जोरदार बारिश के चलते करीब 70 छोटे बांध पूरी तरह भर गए हैं।

वहीं 408 छोटे बांध आंशिक रूप से भर चुके हैं। बीसलपुर में भी जल स्तर लगातार बढ़ रहा है, गुरुवार सुबह ये 313.91 मीटर के स्तर तक पहुंच गया।

एसीबी ने जेल प्रहरी को 26 हजार की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के केंद्रीय कारागृह में एसीबी ने छापा मारकर कैदी के परिजनों से घूस ले रहे जेल प्रहरी को गिरफ्तार कर लिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी जयपुर नगर तृतीय जयपुर को इस आशय में एक शिकायत मिली थी कि परिवादी का भाई फिरौती के केस में पिछले 8 दिनों से जिला कारागृह जयपुर में बंद है और उसे जेल में परेशान नहीं करने की एवज में आरोपी जगवीर सिंह, जेल प्रहरी द्वारा परिवादी से 70 हजार रुपये रिश्वत की राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। शिकायत पर एसीबी उप महानिरीक्षक-द्वितीय जयपुर, राहुल कोटोकी के सुपरविजन में एसीबी जयपुर नगर तृतीय, जयपुर के ज्ञानप्रकाश नवल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और सुरेश कुमार स्वामी उप अधीक्षक पुलिस के नेतृत्व में नाथूलाल बंशीवाल, पुलिस निरीक्षक एवं अन्य ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी जगवीर सिंह, जेल प्रहरी, जिला कारागृह जयपुर को 26 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

सेना की नौकरी छोड़कर जीने लगा लग्जरी लाइफ, गर्लफ्रेंड के साथ घूमता; अब खुला अमीर बनने का असली राज

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए सेना की नौकरी छोड़ने वाला गोधुराम जब पुलिस के हत्थे चढ़ा तो माफ करने की गुहार लगाता रहा। कार्रवाई के दौरान आरोपी गोधुराम पुलिस से गुहार लगाते हुए आइंदा में ऐसी गलती नहीं करने को लेकर गिड़गिड़ाता रहा। दिल्ली पुलिस अफीम दूध तस्करी के आरोपी गोधुराम को लेकर सिणधरी पहुंची आरोपी के निवास स्थान सहित जानकारी एकत्रित कर पुलिस थाने से आरोपी के पूर्व रिकॉर्ड के बारे में जानकारी ली।

तस्करी की ऐशो आराम की जिंदगी बिताने के लिए मुख्य आरोपी सेना की नौकरी छोड़कर कर पिछले तीन वर्षों से तस्करी में लिप्त हो गया। तस्करी में आते ही उसकी एक महिला से मित्रता हो गई। दोनों ने मिलकर लंबे समय से अन्य सहयोगियों के साथ तस्करी में पाव जमा लिए इसके बाद धीरे-धीरे मुख्य आरोपी गोधुराम की एक्टिविटी बढ़ने लगी।

आरोपी ने इसी साल 7 फरवरी को अपने छोटे भाई की शादी बड़े शाही अंदाज से की थी, जिसके चलते वह चर्चाओं में आ गया। हर कोई लोग बोलने लगा कि एक सेना के जवान कांस्टेबल के पास आखिर इतना धन कहां से आने लगा, जो हजारों लोगों को शादी में बुलाकर दावत देता है। जिसमें कई दिल्ली सहित अन्य राज्यों के बड़े-बड़े तस्कर शामिल हुए थे। आखिरकार दिल्ली पुलिस 18 किलो अफीम दूध के साथ कार्रवाई करने पर लोगों के सामने आरोपी सेना के जवान की सच्चाई सामने आ गई। उसके समाज में डीजे बैन होने के बावजूद भी अपना रुतबा दिखाने के लिए डीजे बजवाया था। हालांकि, उसे इसके लिए समाज के पंचों को 51 हजार रुपए का जुर्माना देना पड़ा था।

पुलिस का बड़ा खुलासा: पिता ने दो दलालों के साथ मिलकर दो लाख 45 हजार में किया था बेटी का सौदा

डूंगरपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में चौरासी पुलिस ने नाबालिग का सौदा करने के मामले में एक ओर दलाल को गिरफ्तार किया है। इस दलाल ने भी नाबालिग के देह शोषण में दलाली की राशि वसूली थी। पूरे मामले में दो दलालों व नाबालिग के पिता ने दो लाख 45 हजार रुपए में अलग-अलग जगह पर सौदा किया था। पुलिस प्रकरण में अन्य दलालों की तलाश में भी जुटी हुई हैं।

थानाधिकारी राकेश कटारा ने बताया कि नाबालिग का सौदा करने के मामले में पुलिस की टीम ने सुराता डोल कुंजेला फला निवासी शिवा उर्फ शिवलाल पुत्र देवचंद रोत को गिरफ्तार किया है। आरोपी शिवा नाबालिग का पाटन गुजरात में सौदा कराने में शामिल था। उसे 15 हजार रुपए की दलाली मिली थी। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेशदिए है। पुलिस की ओर से अब तक की छानबीन में सामने आया है कि पिता ने अपनी नाबालिग बेटी को चार जगह बेचा था। गुजरात के पाटन से 15 हजार, मालपुर से 30 हजार, संतरामपुर से 30 हजार व बायड गुजरात से 45 हजार की दलाली मिली थी। वहीं, दलाल रतनलाल को मालपुर से 50 हजार व बायड से 60 हजार की दलाली मिली थी। मामले से जुड़े अन्य दलालों की भी तलाश की जा रही हैं।

तंजानियाई युवती गिरफ्तार : पुलिस कर रही विदेशी महिला के नेटवर्क की जांच

उदयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में हाल ही एक फ्रांसीसी महिला के साथ रेप की घटना के बादराजस्थान पुलिस विदेशी नागरिकों पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। पुलिस ने अबशहर के सज्जनगढ़ इलाके में एक बड़ी कार्रवाई की है। अंबामाता थाना पुलिस ने एक तंजानियाई युवती को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मादक पदार्थ की तस्करी को लेकर की गई। युवती के पास से पुलिस को 6.5 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) बरामद हुई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। यह सिंथेटिक और प्रतिबंधित मादक पदार्थ नशे के मामलों में खतरनाक माना जाता है।

पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर थाना अधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में विशेष टीम ने यह कार्रवाई अंजाम दी। टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि एक विदेशी युवती सज्जनगढ़ क्षेत्र में संदिग्ध रूप से घूम रही है और मादक पदार्थ की तस्करी में संलिप्त हो सकती है। सूचना के आधार पर इलाके में घेराबंदी की गई और युवती को मौके से पकड़ा गया।

युवती की तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से 6.5 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) मिला। यह पदार्थ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रतिबंधित है और इसकी सप्लाई गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। पुलिस ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में युवती ने बताया कि वह हाल ही में उदयपुर पहुंची है। पुलिस को संदेह है कि वह किसी अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हो सकती है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि युवती अकेली आई थी या उसके साथ कोई सहयोगी भी था। इसके अलावा, यह जानकारी जुटाई जा रही है कि उसने यह मादक पदार्थ कहां से प्राप्त किया और किसे बेचने की योजना बना रही थी।

जीएचएमसी की स्थायी समिति की बैठक में 14 विषयों को मंजूरी

महापौर की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई सदस्यों ने लिया भाग

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मुख्यालय स्थित कमांड कंट्रोल रूम में गुरुवार को नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में स्थायी समिति की पांचवीं बैठक हुई। महापौर ने बताया कि समिति की बैठक में सदस्यों ने 14 विषयों और दो टेबल विषयों को मंजूरी दी। बैठक में जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, स्थायी समिति के सदस्य बोंतु श्रीदेवी, बानोतु सुजाता, समीना बेगम, अब्दुल वाहेब, परवीन सुल्ताना, डॉ. आयशा हुमेरा, मोहम्मद सलीम, बता जबीन, महालक्ष्मी रमन गौड़, सी.एन. रेड्डी, मोहम्मद बाबा फसीउद्दीन, वी. जगदीश्वर गौड़ और बुरुगड्डा पुष्पा ने भाग लिया। जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, सत्यनारायण वेणुगोपाल, सुभद्रा, पंकजा, गीता राधिका, मंगतायारू, जोनल

आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, हेमंत सहदेव राव, अपूर्व चौहान, रवि किरण, वेंकन्ना, सीसीपी श्रीनिवास, सीईएस कोटेश्वर राव, सहदेव रत्नाकर, खाता परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, भूमि अधिग्रहण विशेष उप कलेक्टर रामू नाइक, सहायक संपदा अधिकारी उमा प्रकाश और अन्य ने भाग लिया। बैठक में समिति ने सरूरनगर में बड़े टैंक बांध की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए 5.60 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लघु निविदा आमंत्रित करने की प्रशासनिक अनुमति को मंजूरी दी। समिति ने सरकार के निर्देशानुसार, 19 जुलाई 2025 से 18 जुलाई 2028 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए बुद्ध भवन की चौथी मंजिल पर पूर्व की ओर (7110) एसएफटी, 20 अगस्त 2025 से 19 अगस्त 2028 तक उत्तर की ओर 2500 एसएफटी और 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2028 तक दक्षिण की ओर 2020 एसएफटी के पट्टे को तेलंगाना विशेष सुरक्षा बल सिकंदराबाद को मंजूरी दी। समिति ने सरकारी आदेश संख्या 25 दिनांक 30-01-2018 के तहत जीएचएमसी अधिनियम के अनुसार 19/08/2024 से 18/08/2027 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए बुद्ध भवन में हाइड्रा कार्यालय के पट्टे को मंजूरी दी। नल्लागुट्टा, न्यू बोइगुडा और औदैया नगर सहित लीज भूमि को फ्रीहोल्ड में परिवर्तित करने के लिए हस्तांतरण विलेख को निष्पादित करने के लिए समिति की मंजूरी मिली। इसी क्रम में समिति ने शास्त्रीपुरम आरओबी से इनर रिंग रोड (महफिल होटल) तक सड़क को 100 फीट चौड़ा करने के कार्य को मंजूरी दी, जिसकी लागत 495 रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा सात अन्य मदों को मंजूरी दी गई।

हैदराबाद भर की इंदिराम्मा कैंटीनों में शुरू किया जाएगा 5 रुपये में नाश्ता

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में जल्द ही इंदिराम्मा कैंटीन 5 रुपये में नाश्ता उपलब्ध कराएगी। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में हुई जीएचएमसी की स्थायी समिति की बैठक में इस योजना को लागू करने का प्रस्ताव पारित किया गया। नाश्ते की लागत 19 रुपये होगी, जिसमें जीएचएमसी 14 रुपये और लाभार्थी 5 रुपये का योगदान देगा।

इस योजना के क्रियान्वयन के लिए कुल 139 कंटेनरों का उपयोग किया जाएगा। नाश्ते की योजना का वार्षिक बजट 15.33 करोड़ रुपये है। इस बीच, गुरुवार की बैठक में स्थायी समिति ने सरूरनगर में टैंक बांध की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए 5.60 करोड़ रुपये की निविदा आमंत्रित करने के लिए प्रस्ताव पारित किया और आरओबी शास्त्रीपुरम से आईआरआर (महफिल होटल के पास) तक 100 फीट सड़क चौड़ीकरण को मंजूरी दी।

सिंगरेणी के अध्यक्ष ने सौर संयंत्र निर्माण की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सिंगरेनी द्वारा किए जा रहे सौर संयंत्रों का निर्माण अनुबंध में निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए, साथ ही चेतावनी दी कि निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के अनुबंध रद्द कर दिए जाएंगे और उन्हें काली सूची में डाल दिया जाएगा। गुरुवार को हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में सौर संयंत्रों के निर्माण में हो रही देरी पर अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों के साथ उनकी एक विशेष समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने पहले चरण में अभी तक पूरे नहीं हुए 54.5 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्रों और दूसरे चरण में पूरे होने वाले 67.5 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्रों के निर्माण की प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की। वे निर्माण एजेंसियों पर बेहद नाराज़ थे जो इन निर्माण कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा नहीं कर रही हैं और गंभीर देरी का कारण बन रही हैं। उन्होंने कहा कि यह खेदजनक है कि बिलों के भुगतान में सिंगरेनी की ओर से कोई देरी नहीं होने के बावजूद निर्माण एजेंसियां समय पर अपना काम पूरा नहीं कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्माण एजेंसियां इसे आखिरी मौका समझें और कहा कि अगर अक्टूबर तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो एजेंसी को दिया गया ठेका रद्द कर दिया जाएगा और काम में लापरवाही बरतने वालों को कंपनी में ब्लैक लिस्टेड कर दिया जाएगा। उन्होंने सिंगरेणी सोलर के अधिकारियों को अक्टूबर तक निर्माण कार्य पूरा करने के लिए विशेष पहल करने और समर्पण भाव से काम करने का आदेश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सौर संयंत्रों का काम निर्धारित समय पर पूरा नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों का प्रदर्शन उनके सेवा रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। उन्होंने आदेश दिया कि मंदामरी में 28 मेगावाट के सौर संयंत्र के संबंध में स्थापित की जा रही बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) अगस्त तक पूरी कर ली जाए। इस दौरान, यह स्पष्ट किया गया कि केंद्र सरकार की सूर्य घर योजना के अंतर्गत सिंगरेनी में विभिन्न भवनों पर किए जा रहे 32.75 मेगावाट के रूफटॉप संयंत्रों का निर्माण कार्य दिसंबर के अंत तक पूरा कर लिया जाए। इस बैठक में निदेशक ईएंडएम डी. सत्यनारायण राव, ईडी कोल मूवमेंट एस.डी.एम. सुभानी, महाप्रबंधक (सौर) बी. सीताराम, महाप्रबंधक (कार्यशाला) फ्रिट्ज़लार्ड, पीपीडी (एचओडी) विश्वनाथ राजू, संबंधित क्षेत्र के अभियंता, सौर संयंत्र अभियंता, कार्यशाला अभियंता और विभिन्न ठेका एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने समीक्षा में भाग लिया।

नदियों के उफान पर होने से गांवों का संपर्क टूटा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण प्राणहिता नदी और पास की एक धारा में उफान आ गया, जिससे गुरुवार को चिंतलमनेपल्ली मंडल का डिमडा गांव शेष क्षेत्र से पूरी तरह से कट गया।

दोनों जलाशयों के बीच बसा यह गाँव, दोनों जलाशयों के उफान पर आने के बाद अलग-थलग पड़ गया था। संपर्क टूटने के बाद से डर में जी रहे निवासियों ने अधिकारियों से उन्हें सुरक्षित इलाकों में स्थानांतरित करने और बुनियादी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। प्राणहिता और पेद्दावागु नदियों के किनारे बसी कई अन्य निचली बस्तियों के भी संपर्क टूटने का खतरा मंडरा रहा है। बारिश से सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण, ग्रामीण कीचड़ भरे इलाकों से जूझ रहे हैं और मंडल केंद्रों और आस-पास के कस्बों तक पहुँचने के लिए दोपहिया वाहनों, ऑटो-रिक्शा और जीपों पर निर्भर हैं।

इस बीच, बेज्जुर मंडल के सोमिनी, मोगावेल्ली और तलाई गाँवों में प्राणहिता नदी के बैकवाटर में कपास और धान सहित खड़ी फसलें डूब गईं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ।

स्थानीय लोगों ने बताया कि फसलों को काफी नुकसान हुआ है और उन्होंने अधिकारियों से सर्वेक्षण कर नुकसान का आकलन करने का आग्रह किया है। जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण कुमराम भीम और वट्टीवागु जैसी सिंचाई परियोजनाओं में भारी जल प्रवाह हुआ है।

विधायकों ने टीपीसीसी के समक्ष दी गवाही

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री कोंडा सुरेखा के परिवार और वारंगल के कांग्रेस विधायकों के बीच बढ़ती दरार टीपीसीसी अनुशासन समिति तक पहुंच गई, जहां गुरुवार को पीड़ित विधायकों ने अपना मामला पेश किया।

पिछले कुछ हफ़्तों में, वारंगल के कई विधायकों ने कोंडा परिवार पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर के मामलों में दखल देने का आरोप लगाया है। असंतुष्ट नेताओं ने पहले अपनी शिकायत तेलंगाना कांग्रेस प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और नागरकुरनूल के सांसद मल्लू रवि की अध्यक्षता वाली टीपीसीसी अनुशासन समिति के समक्ष रखी थी।

केटीआर ने की पीड़ित परिवारों के लिए 20 लाख रुपये मुआवजे की मांग

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अवैध शराब पीने से हुई छह लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को प्रत्येक पीड़ित के परिजनों को 20 लाख रुपये का मुआवज़ा देने की मांग की।

उन्होंने राज्य सरकार की निष्क्रियता की निंदा की और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता देने का आह्वान किया। एक्स पर एक बयान में, रामाराव ने इस घटना को 'बेहद दुखद' बताया और सरकार से पीड़ितों के परिवारों के साथ हर संभव तरीके से खड़े रहने का आग्रह किया। उन्होंने जहरीली शराब पीने के कारण अस्पताल में भर्ती लोगों

के लिए बेहतर चिकित्सा उपचार की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा, सरकार को अस्पतालों में इलाज करा रहे पीड़ितों के लिए सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करना चाहिए। रामाराव ने मेहनतकश नागरिकों को ऐसी रोकी जा सकने वाली त्रासदियों से बचाने की सरकार की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है कि अपने परिवारों का भरण-पोषण करने वाले श्रमिकों को अवैध शराब का शिकार होने से बचाया जाए। उन्होंने जानमाल के नुकसान के बावजूद कार्रवाई न करने के लिए अधिकारियों की आलोचना की।

जवाबदेही की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने सरकार की निष्क्रियता को 'भयावह' बताया तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों के संबंध में पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने कहा, सरकार को जनता को उन कदमों के बारे में सूचित करना चाहिए जो वह यह सुनिश्चित करने के लिए उठाएगी कि ऐसी त्रासदियां दोबारा न हों।

आवारा कुत्तों के हमले में 8 साल के बच्चे की मौत

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट में मंगलवार को आवारा कुत्ते के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए आठ वर्षीय बच्चे की बुधवार को अस्पताल में मौत हो गई। एक निजी स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला आठ वर्षीय बालक प्रसाद जाधव अपने माता-पिता के साथ केशव नगर में रहता था। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब प्रसाद जाधव पास की एक दुकान से लौट रहा था। लड़के ने शोर मचाया, जिसके बाद पड़ोसी दौड़े और कुत्ते को भगाया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अन्य देश तेलंगाना से चावल का आयात नहीं कर रहे : विश्वेश्वर रेड्डी

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने आज चावल की खेती पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने याद दिलाया कि हाल के दिनों में देश के अन्य राज्यों के अलावा तेलंगाना राज्य में चावल की खेती में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और कहा कि अन्य देश तेलंगाना के चावल का आयात करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि इसकी खेती यूरिया का उपयोग करके की जाती है। सांसद ने याद दिलाया कि केंद्र ने तेलंगाना के किसानों से चावल की खेती को यथासंभव कम करने, खासकर यूरिया के उपयोग को कम करने को कहा था, जबकि उन्होंने यह भी कहा कि बाजार में यूरिया का उपयोग करके उगाई गई फसलों की कोई मांग नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हाल ही में की गई अपनी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि वह पार्टी में गुटबाजी करने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि विकाराबाद के अपने दौरे के दौरान इस मुद्दे पर उन्हें कई लोगों की आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने विकाराबाद में उनके दौरे में समूहों में भाग लिया और कहा कि यह एक अच्छा तरीका नहीं है। विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टी है और कहा कि हजारों पार्टी कार्यकर्ता इस विचारधारा के लिए काम कर रहे हैं, जबकि उन्होंने दावा किया कि ऐसे लोगों को देखकर ही वह भाजपा में शामिल हुए। रोहिंग्याओं का मुद्दा उठाते हुए, सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने सीएम रेवंत रेड्डी से तुरंत प्रतिक्रिया देने और रोहिंग्याओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। सांसद ने हाइड्रा द्वारा अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आरोप लगाया कि हाइड्रा ने खुद को मुसलमानों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

दूसरे शनिवार की छुट्टी लागू करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजी स्कूल शिक्षकों और छात्र कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे कि कॉर्पोरेट और निजी स्कूल हर दूसरे शनिवार को छुट्टी का पालन करें। गुरुवार को स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. नवीन निकोलस को सौंपे गए ज्ञापन में टीपीटीएलएफ, एसएफआई और डीवाईएफआई के प्रतिनिधियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकारी स्कूलों में दूसरे शनिवार को छुट्टी होती है, लेकिन कई निजी और कॉर्पोरेट स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं और कक्षाएं संचालित नहीं कर रहे हैं।

एसोसिएशन ने कहा कि निजी और कॉर्पोरेट स्कूल के शिक्षक बिना किसी अवकाश के प्रतिदिन 8-10 घंटे काम कर रहे हैं, तथा शिक्षकों को घर से ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने और अन्य प्रशासनिक कार्य करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। छात्र कार्यकर्ताओं ने यह भी मांग की कि सरकार राज्य में निजी और कॉर्पोरेट स्कूलों द्वारा फीस शोषण को नियंत्रित करने के लिए एक कानून बनाए, और निजी शिक्षण संस्थानों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाए। टीपीटीएलएफ के राज्य संयोजक ए विजय कुमार, एसएफआई के राज्य अध्यक्ष रजनीकांत और सचिव टी नागराजू, और डीवाईएफआई के राज्य सचिव अनगंती वेंकटेश सहित अन्य ने ज्ञापन सौंपा।

छात्रों को ले जा रही बस में आग लगी, सभी बाल-बाल बचे

संगारेड्डी, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर नगर पालिका के अंतर्गत किस्तारेड्डीपेट गाँव में गुरुवार सुबह दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्र बाल-बाल बच गए जब उनकी स्कूल बस में आग लग गई। गनीमत रही कि आग लगने से पहले ही सभी बच्चे बस से उतर गए। यह घटना आज सुबह उस समय हुई जब ड्राइवर छात्रों को लेने जा रहा था। इंजन में किसी तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। सतर्क ड्राइवर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गाड़ी रोक दी और स्थानीय लोगों की मदद से सभी छात्रों को सुरक्षित उतार लिया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, उसके बाद दमकल की गाड़ी पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

रेनिगुंटा के पास सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

करीमनगर, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार सुबह थिम्मापुर मंडल के रेनीगुंटा के पास एक सड़क दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई, जब एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। सिद्दीपेट जिले के बेजेंकी मंडल के भानुप्रकाश और नवीन नामक दो पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई जब उनकी बाइक विपरीत दिशा से आ रहे एक वाहन की चपेट में आ गई। वाहन की पहचान अभी नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर एलएमडी के उप-निरीक्षक श्रीकांत गौड़ ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए करीमनगर जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर राकेश जयसवाल पार्षद जामबाग ने श्री दत्तात्रेय स्वामी नवग्रह हनुमान मंदिर सीतारामबाग के श्री दत्तात्रेय स्वामी का आशीर्वाद लिया, बद्रीनाथ सिंह, ठाकुर गोपाल सिंह, संदीप आदि ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

मोटरास स्थित श्री पाबुजी महाराज के मंदिर धाम पर आयोजित गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूज्य गुरुवर स्व.श्री नंदाजी महाराज के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर गुरुवर पोकरनाथजी महाराज के पूजा-अर्चना व भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक परबत सोलंकी, चेतन प्रकाश, सुगनचन्द, महेन्दरसिंह-शिवप्यारी भाटी, दरियावकँवर, तीर्थराजसिंह व गुरुवर के भक्तगण।

हिमायत नगर शाखा में गुरु पूर्णिमा

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिमायत नगर स्थित ब्रह्माकुमारी शाखा में गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। इस अवसर पर शाखा प्रभारी बीके अंजलि और अन्य भाई-बहनों ने दीप प्रज्वलन कर परमात्मा को भोग अर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान बीके अंजलि ने कहा कि इस वर्ष गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरुवार के दिन पड़ा है, जो अपने आप में एक विशेष संयोग है।

भारतवर्ष में गुरु पूर्णिमा के दिन सभी गुरुओं को सम्मान और गौरव के साथ स्मरण किया जाता है। यह दिन न केवल विद्या के गुरु, बल्कि हर प्रकार की कला सिखाने वाले गुरुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर होता है।

बीके अंजलि ने आगे कहा कि 'गुरु' का अर्थ है-जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए। इस कलियुग के अंत समय में हमारा सच्चा सतगुरु स्वयं शिव परमात्मा हैं, जो ज्ञान का प्रकाश देकर मानव आत्माओं को अज्ञान के अंधकार से बाहर निकालते हैं। वे ज्ञान की रोशनी द्वारा हमें अज्ञान की निद्रा से जागृत कर पांच विकारों को मिटाने के लिए राजयोग और ईश्वर्य ज्ञान प्रदान कर रहे हैं। अंत में सभी ब्रह्माकुमारी सदस्यों ने विशेष गुरु पूर्णिमा प्रसाद स्वीकार किया और 8 घंटे ध्यान का लक्ष्य लेकर प्रातः व सायंकाल विशेष रूप से ध्यान-साधना की।

क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो का आयोजन 15 से 17 अगस्त को

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। क्रेडाई ने हैदराबाद प्रॉपर्टी शो की 2025 घोषणा करते हुए क्रेडाई प्रेसिडेंट एन. जयदीप रेड्डी ने बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद के हाईटेक्स एग्जीबिशन सेंटर में, प्रॉपर्टी शो का आयोजन 15 से 17 अगस्त तक किया जा रहा है।

यह घोषणा क्रेडाई हैदराबाद के वरिष्ठ नेतृत्व दल की उपस्थिति में की गई, जिसमें अध्यक्ष एन. जयदीप रेड्डी, निर्वाचित अध्यक्ष बी. जगन्नाथ राव, महासचिव के. क्रांति किरण रेड्डी, संयोजक कुर्रा श्रीनाथ और प्रॉपर्टी शो के सह-संयोजक अरविंद राव मेचिनेनी और अन्य पदाधिकारी जैसे मनोज कुमार अग्रवाल, के. अनिल रेड्डी और वाई. रवि प्रसाद उपाध्यक्ष, नितीश रेड्डी गुडूर, कोषाध्यक्ष और संजय कुमार बंसल और श्रीराम मुसुनुरु एवं संयुक्त सचिव भी उपस्थित हुए।

साथ ही इस कार्यक्रम में प्रबंध समिति सदस्य सुशील कुमार जैन, बी. जयपाल रेड्डी, ए. वेंकट रेड्डी, सी. अमरेंद्र रेड्डी, बी. विनोद रेड्डी, एन. वेणुगोपाल, श्रीमती काव्या कवुरी, अदुल्ला गोपाल रेड्डी, कार्यकारी समिति सदस्य एम. नंद किशोर, श्रवण कुमार गोन, पीयूष अग्रवाल, श्रीमती ऐश्वर्या और आर. सुरेश कुमार भी मौजूद थे।

क्रेडाई हैदराबाद का मानना है कि प्रॉपर्टी शो वन-स्टॉप समाधान होगा जो मकानों के खरीदारों को केवल क्रेडाई सदस्य डेवलपर्स की रेरा-अनुमोदित परियोजनाएं प्रदान करेगा, जिससे एक ही छत के नीचे सबसे विश्वसनीय संपत्तियों का प्रदर्शन सुनिश्चित होगा। इस भव्य प्रॉपर्टी शो में, हैदराबाद शहर के कोने-कोने में स्थित अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, विला, प्लॉट और व्यावसायिक स्थानों सहित शहर की सर्वश्रेष्ठ परियोजनाएं प्रदर्शित की जाएंगी।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कोलसावाडी बेगम बाजार स्थित तेजाराम जी महाराज की धूनी पर विराजित महाराज सेवाराम जी का आशीर्वाद लेते एएमसी बोइनपल्ली के सरकारी सलाहकार सदस्य ए.गौतम जैन, कांग्रेस नेता राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी, नरसिंग राव आदि।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय विमेंस टीम पहली बार इंग्लैंड में टी-20 सीरीज जीती

चौथा मुकाबला 6 विकेट से जीता; दीप्ति के 300 इंटरनेशनल विकेट पूरे

लंदन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार इंग्लैंड की सरजमीं पर टी-20 सीरीज जीत ली है। टीम ने चौथे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड विमेंस टीम को 6 विकेट से हरा दिया है। टीम पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे है।

15 रन देकर 2 विकेट लेने वाली राधा यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, दीप्ति शर्मा ने विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। पांचवां और आखिरी टी-20 12 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा। उसके बाद तीन मैचों की ओडीआई सीरीज खेली जाएगी।

स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए

इंग्लैंड ने खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 126 बनाए। सोफिया डंकली ने सबसे ज्यादा 22 रन की पारी खेली। भारत के लिए, राधा यादव और श्री चारणी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में स्मृति मंधाना (32) और शेफाली वर्मा (31) की पारियों के दम पर भारतीय टीम ने 17 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली।

दीप्ति ने पूरे किए 300 इंटरनेशनल विकेट

दीप्ति शर्मा ने विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की। साथ ही दीप्ति अब विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने 128 मैचों में 145 विकेट अपने नाम किए हैं। दीप्ति से आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट्ट हैं, जिनके नाम 151 विकेट हैं।

भारत सीरीज में 3-1 से आगे

भारत ने पहला मुकाबला 97 रन से जीता था। यह इंग्लैंड के खिलाफ विमेंस टीम की टी-20 में अब तक की सबसे बड़ी जीत थी। दूसरे मैच में इंग्लैंड को 24 रन से हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड ने तीसरा मुकाबला 5 रन से जीता था।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, दीप्ति शर्मा, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, श्री चारानी।

इंग्लैंडः टैमी बीमोंट (कप्तान), सोफिया डंकली, डैनी वायट, एलिस कैप्सी, पेज स्कोलफील्ड, एमी जोन्स (विकेटकीपर), सोफ़ी एक्लस्टन, इसी वॉन्ग, चार्ली डीन, लरिन फाइलर, लरिन बेल।

काव्या मारन की टीम को दी 'धमकी'

अब सीआईडी का बड़ा एक्शन, हिरासत में ये 5 लोग

हैदराबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के अध्यक्ष ए. जगन मोहन राव और 4 बड़े अधिकारियों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की ओर से 2025 आईपीएल सीजन के दौरान लगाए गए गंभीर आरोपों की जांच के सिलसिले में की गई है. इस मामले में पूछताछ के लिए एचसीए के अध्यक्ष जगन मोहन राव, कोषाध्यक्ष सी. श्रीनिवास राव, सीईओ सुनील कांते, महासचिव राजेंद्र यादव और उनकी पत्नी जी. कविता को हिरासत में लिया गया है।

एसआरएच की टीम ने लगाए थे गंभीर आरोप

इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब सनराइजर्स हैदराबाद ने बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल को एक पत्र लिखकर एचसीए पर गंभीर आरोप लगाए थे। फ्रेंचाइजी ने दावा किया कि एचसीए के अधिकारी उन्हें लगातार धमकी दे रहे हैं, खासकर मुफ्त टिकटों (कंप्लीमेंट्री पास) की मांग को लेकर. एसआरएच ने यह भी कहा कि अगर यह स्थिति बनी रही, तो वह अपने घरेलू मैचों को हैदराबाद से किसी और राज्य में शिफ्ट करने पर विचार करेंगे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाल ही में इस विवाद की जांच के आदेश दिए थे।

ऐसे में अब तेलंगाना विजिलेंस कमीशन की एक रिपोर्ट में बड़े खुलासे हुए हैं. तेलंगाना विजिलेंस कमीशन की जांच में सामने आया कि जगन मोहन राव और बाकी एचसीए पदाधिकारियों ने आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद पर दबाव डाला, ताकि उन्हें तय 10% से ज्यादा टिकट मिल सकें. इनमें व्यक्तिगत बिक्री के लिए टिकट भी शामिल थे, जो नियमों के खिलाफ माना जाता है. इसके अलावा, एक मैच के दौरान एचसीए के सदस्यों ने कथित तौर पर कॉर्पोरेट बॉक्स को बंद कर दिया, ताकि एसआरएच को और टिकट देने के लिए मजबूर किया जा सके।

क्या वेन्यू बदलेगी एसआरएच की टीम?

यह घटना भारतीय क्रिकेट में एक बड़ा विवाद बन गई है, क्योंकि यह न केवल एक फ्रेंचाइजी और एक राज्य क्रिकेट संघ के बीच टकराव है, बल्कि आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाती है. अगर एसआरएच अपने घरेलू मैचों के वेन्यू को बदलने का फैसला लेती है, तो यह हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम के लिए एक बड़ा झटका होगा, जो पिछले कई सालों से आईपीएल का लोकप्रिय मैदान रहा है।

युवराज सिंह ने गंभीर-अगरकर के आलोचकों की बोलती की बंद

करारा जवाब देकर तारीफों के बांधे पुल

मुंबई, भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर लगातार चर्चा में रहते हैं। भारत के लिए, शानदार बल्लेबाजी करने के बाद अब वो बतौर कोच टीम को जीत की राह पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर, पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर भारतीय टीम के चीफ सेलेक्टर हैं। अमूमन टीम के चयन और प्रदर्शन को लेकर अजीत और गौतम की आलोचना होती है। अब युवराज सिंह ने इन दोनों की तारीफों के पुल बांधते हुए आलोचकों की बोलती बंद कर दी है।

युवराज सिंह ने गंभीर-अगरकर के आलोचकों को दिया जवाब

यूवीकैन फाउंडेशन के गाला डिनर इवेंट के दौरान युवराज सिंह ने बहुत बड़ी बात कही। उन्होंने अजीत अगरकर और गौतम गंभीर की तरफदारी की। उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन करती है, तो उन्हें इसका क्रेडिट नहीं मिलता लेकिन हारने पर आलोचना होती है। उन्होंने कहा, जब टीम अच्छा प्रदर्शन करती है, तब अजीत अगरकर और गौतम गंभीर को उतना श्रेय नहीं मिलता। जब टीम हारती है, तो उनकी आलोचना होती है।' युवराज सिंह ने इस बात का भी जिक्र किया कि अजीत अगरकर के मुख्य चयनकर्ता बनने के बाद से भारतीय टीम ने बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'जब से अगरकर मुख्य चयनकर्ता बने हैं, तब से भारत ने वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला, टी20 विश्व कप जीता, चैंपियंस ट्रॉफी जीती और अब एजबेस्टन में इतिहास रच दिया। दोनों बढ़िया काम कर रहे हैं।'

शुभमन गिल और ऋषभ पंत की भी हुई तारीफ

युवराज सिंह ने शुभमन गिल और ऋषभ पंत की भी तारीफ की। युवी का मानना है कि गिल टेस्ट कप्तानी के लिए सबसे बढ़िया चुनाव रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने गिल की ग्रोथ देखी है। वो हमेशा से ही टीम में सबसे ज्यादा मेहनत करने वाले व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने टेस्ट कप्तानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली और वो इस काम के लिए सबसे सही व्यक्ति हैं।' मुझे यह कहना होगा कि ऋषभ पंत भी शानदार रहे हैं, क्योंकि उन्होंने एक्सीडेंट के बाद बढ़िया वापसी की और अभी इस लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा हैं।'

गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन अस्थाई रूप से निलंबित

डोप टेस्ट में विफल रहने पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने भारतीय गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन कौर को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी अस्थायी निलंबन के तहत रखे गए खिलाड़ियों की नवीनतम सूची से मिली है।

इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है।

पंजाब की इस खिलाड़ी ने पिछले साल अंतर विश्वविद्यालय खेलों में 14.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान भी हासिल किया था। इस बीच अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पहलवान नितिका पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है जो पिछले साल 28 मई से प्रभावी है।

रणजी हीरो गुरविंद्र टोली अपनी जमा पूंजी से बना रहे क्रिकेट का ड्रीम ग्राउंड, जीवन भर की कमाई लगाई

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। फिरकी से बल्लेबाजों को नचाने वाले पूर्व ऑफ स्पिनर गुरविंद्र सिंह टोली अब ऐसा मैदान के निर्माण में जुटे हैं, जहां भविष्य की ऐसी पौध तैयार हो जो अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमक बिखेरे। पूर्व रणजी खिलाड़ी इसके लिए पांवटा साहिब के बहराल में क्रिकेट ग्राउंड का अपनी जमा पूंजी से निर्माण करवा रहे हैं।

पूर्व रणजी क्रिकेटर गुरविंद्र सिंह टोली का सपना देश-प्रदेश स्तरीय खिलाड़ी तैयार करना है। इसके लिए जीवन भर की जमा पूंजी व भारी कर्ज लेकर खुद ही क्रिकेट मैदान तैयार कर रहे हैं। ये मैदान सितंबर तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा।

बता दें कि पांवटा साहिब के बहराल निवासी गुरविंद्र सिंह टोली हिमाचल के सबसे सफल ऑफ स्पिनर रहे हैं। उन्होंने रणजी में 121 विकेट लिए हैं। हिमाचल की विजय हजारे विजेता और उप विजेता रहने वाली टीम के वे सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने पांवटा के एकमात्र नगर परिषद के छोटे से मैदान खेलने की शुरुआत की और रणजी तक की सफलता प्राप्त की। उन्हें बचपन से क्रिकेट का गजब जुनून है जो संन्यास के बाद भी कम नहीं हुआ है। उन्होंने 19 फरवरी 2024 को रणजी से संन्यास लिया। इसके बाद 21 जून से बहराल में क्रिकेट अकादमी शुरू की।

शहर में क्रिकेट के मापदंडों अनुसार कोई मैदान नहीं है। इसे देखते हुए उन्होंने बहराल में ही अपनी 5 बीघा भूमि पर मैदान बनाना शुरू किया। इसके बाद आसपास के भूमि मालिकों से लीज पर और भूमि ली। अब जमीन 22 बीघा हो चुकी है। बहराल में क्रिकेट मैदान तैयार किया गया है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार मैदान की दोनों तरफ बीच से आमने-सामने 70-70 मीटर लंबाई है। स्कवायर बाउंड्री 58 और 60 मीटर है। टर्फ सहित चार पिच लगभग तैयार है। 10 नेट प्रैक्टिस के विकेट तैयार किए जा रहे हैं। मैदान समतल कर तैयार किया गया है। इसमें विशेष घास लगाई जाएगी। सितंबर माह तक मैदान पूरी तरह तैयार होगा।

हॉस्टल का भी होगा निर्माण : टोली

टोली ने कहा कि मेरा क्रिकेट के प्रति जुनून बचपन से आज तक चल रहा है। यहां मैदान बनने से जिला की प्रतिभाओं को बेहतर मैदान और सुविधाएं मिलेंगी। उनका मकसद अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और आईपीएल के लिए खिलाड़ी तैयार करना है। टोली ने कहा कि खेल मैदान के साथ-साथ बेहतरीन सुविधाओं वाला छात्रावास (हॉस्टल) भी तैयार किया जाएगा।

एचपीसीए से भी हो रही बातचीत : अतर नेगी

जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष अतर सिंह नेगी ने कहा कि जिले में बेहतरीन क्रिकेट खेल मैदान का अभाव है। गुरविंद्र सिंह निजी प्रयासों से मानकों के अनुसार मैदान बना रहे हैं। इस बारे में एचपीसीए से भी बातचीत चल रही है। उम्मीद है कि इस मैदान का भविष्य में सही उपयोग हो सकेगा।

दस दिन से पहले पोलैंड रेस फतह कर जॉन ग्वाइट ने रचा इतिहास

बनाया भारत का नया साइकिलिंग रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने इतिहास रचते हुए दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण साइकिलिंग स्पर्धाओं में से एक रेस अराउंड पोलैंड (आरएपी) को 10 दिनों से भी कम समय में पूरा कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच डाला। ग्वाइट ने कई बाधाओं को पार करते हुए 3,600 किलोमीटर की दूरी 237 घंटे में पूरी की। उन्होंने इसके लिए कुल नौ दिन और 21 घंटे का समय लिया है। ग्वाइट ने रेस पूरी करके 274 घंटे के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ा। वह 10 दिन से कम में इस रेस को पूरा करने वाले देश के पहले साइकिलिस्ट हैं।

बिना सहायता के पूरी की रेस

ग्वाइट ने अन्य प्रतिभागियों की तरह अकेले और बिना किसी सहायता के प्रतिस्पर्धा की। रेस के दौरान साइकिलिस्टों को कोई टीम कार या कोई बाहरी सहायता नहीं दी गई थी। यह रेस इस वजह से भी कठिन है, क्योंकि रेस में दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए 31 हजार मीटर की ऊंचाई तक जाना होता है। यह रेस एक अन्य कठिन साइकिलिंग स्पर्धा रेस अक्रॉस अमेरिका के लिए एक क्वालिफायर इवेंट भी है।

ग्वाइट ट्रांस हिमालयन रेस को 62 घंटे में पूरा कर चुके हैं। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक दूरी भी पार की है। पेरिस से ब्रेस्ट और पेरिस की 1229 किलोमीटर की दूरी को उन्होंने 59 घंटे 29 मिनट में पूरा किया। आरएपी ने हमारी शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक, हर क्षमता की परीक्षा ली। यह ऐसा अवसर था, जहां साबित करना था कि एक भारतीय विश्व स्तर पर कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हो सकता है।

सारा को ताकते हुए आगे बढ़ रहे थे शुभमन गिल

सचिन तेंदुलकर की लाडली बना रही थीं वीडियो, दोनों को साथ देख झूमे फैंस

लंदन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर अफवाहों का बाजार हमेशा गर्म रहता है। नेटिजन्स की दुनिया में कई लव स्टोरी जन्म लेती हैं और कई का ब्रेकअप हो जाता है। ठीक ऐसा ही नजारा एक बार फिर लंदन में देखने को मिला। ये नजारा एक खूबसूरत शाम का था। कभी सोशल मीडिया पर सिर्फ अफवाहों की शक्ल में तैरती लव स्टोरी, अब पहली बार लंदन की एक शाम में हकीकत की हल्की सी झलक छोड़ गई। शुभमन गिल और सारा तेंदुलकर, दोनों पहली बार एक ही महफिल में, एक ही फ्रेम में दिखाई दिए। दोनों के बीच की केमिस्ट्री की हल्की सी झलक भी देखने को मिली। अब दोनों को एक ही छत के नीचे देख फैंस एक्साइटेड हो गए हैं और उनके इस खास पल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मौका था युवराज सिंह द्वारा आयोजित एक चैरिटी डिनर का, जो उन्होंने अपने यूवीकैन कैंसर फाउंडेशन के लिए फंड जुटाने की खातिर आयोजित किया था। 8 जुलाई की इस बेहद खास लंदन इवनिंग में शुभमन अपनी पूरी टीम और कोचिंग स्टाफ के साथ पहुंचे, वहीं सारा ने अपने पापा मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के साथ एंट्री ली। महफिल में हर तरफ कैमरों की चमक थी, तालियों की गूंज थी और हसीनों की हलचल थी। भारतीय टीम की एंट्री हो रही थी और मोबाइल कैमरे ऑन हो रहे थे, लेकिन जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, लोगों की नजर एक खास डिटेल पर टिक गई। सारा तेंदुलकर ने वीडियो बनाना शुरू किया पर शुभमन गिल पहले ही आगे निकल चुके थे। उन्होंने कैमरा उनकी ओर घुमाकर उन्हें रिकॉर्ड किया, फिर बाकी टीम की ओर कैमरा किया।

इसी दौरान लोगों की नजर एक और चीज पर पड़ी। दरअसल शुभमन गिल जैसे ही आगे बढ़ रहे थे, उनकी निगाहें सारा की ओर थीं। ये मोमेंट कैमरे में रिकॉर्ड हो गया और अब तेजी से वायरल हो रहा है। कहानी में दिलचस्प मोड़ ये है कि शुभमन गिल टीम के सबसे आगे चल रहे थे और जब तक सारा ने अपना फोन निकाला और कैमरा ऑन किया, तब तक वो पल पीछे छूट चुका था। हालांकि, उन्होंने बाकी खिलाड़ियों को रिकॉर्ड किया, लेकिन जिसके लिए कैमरा उठाया गया, वो फ्रेम से पहले ही बाहर हो चुका था। शुभमन और सारा के बीच की 'अफवाहों' की फाइलें सोशल मीडिया पर पहले भी बहुत खंगाली जा चुकी हैं। एक दौर में दोनों इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो करते थे, साथ में छुट्टियों पर होने के कयास भी खूब लगे थे, लेकिन न कभी कोई ऑफिशियल बयान आया और न ही किसी ने खुलकर कुछ कबूला और अब, ये एक डिनर पार्टी में साथ दिखे।

जोकोविच रिकॉर्ड 14वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे

कोबोली को कठिन मैच में हराया

लंदन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच विंबलडन के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त फैबियो कोबोली को मुश्किल मुकाबले में 6-7, 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। यह जोकोविच का विंबलडन में रिकॉर्ड 14वां सेमीफाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में उनसे ज्यादा सेमीफाइनल मैच किसी ने नहीं खेला है। जोकोविच की नजर आठवीं बार विंबलडन जीतकर रोजर फेडरर की बराबरी करने पर है। सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना विश्व नंबर एक यानिक सिनर से होगा। सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बेंजामिन शेल्टन को 7-6, 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज का सामना टेलर फ्रिट्ज से होगा। अल्काराज कैम नॉरी को 6-2, 6-3, 6-3 से हराकर और फ्रिट्ज खाचानोव को 6-3, 6-4, 1-6, 7-6 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे। वहीं, महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में बेनचिच ने सातवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा को 7-6, 7-6 से हराया, जबकि इगा स्वियाटेक ने सैमसोनोवा को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी। इससे पहले अंतिम-आठ में एनिसिमोवा ने पावल्यूचेनकोवा को 6-1, 7-6 से और शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने सिएजमुंड को 4-6, 6-2, 6-4 से शिकस्त दी थी।

देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे सूर्यकुमार

बुमराह-संजना ने भी लगाया ग्लैमर का तड़का

लंदन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सबसे बड़ा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। पुरुष और महिला एकल के सेमीफाइनल मुकाबलों की आज से शुरुआत हो जाएगी। इस टूर्नामेंट में फिल्म और खेल जगत के कई सितारों ने ग्लैमर का तड़का लगाया। एंड्रयू गारफिल्ड और टॉम हॉलैंड से लेकर ब्रायन लारा और विराट कोहली तक इस टूर्नामेंट में शिरकत कर चुके हैं। अब भारत के दो और स्टार क्रिकेटर्स विंबलडन का मुकाबला देखने पहुंचे। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के लिए यूरोप गए थे। जर्मनी में उनकी सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह पत्नी के साथ क्रिकेट से ब्रेक का आनंद ले रहे हैं। इसी कड़ी में वह इंग्लैंड पहुंचे। वहीं, बुमराह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। विंबलडन ने सूर्यकुमार और बुमराह का आभार भी जताया है।

अब तक क्रिकेट जगत से कुल 11 सितारे विंबलडन 2025 के मुकाबले देखने पहुंच चुके हैं। इससे पहले क्रिकेट जगत से दीपक चाहर पत्नी जया भारद्वाज के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, विराट कोहली ने भी पत्नी अनुष्का के साथ विंबलडन का मुकाबला देखा था। वहीं, इंग्लैंड के सुपरस्टार जो रूट भी पत्नी कैरी कॉटरेल और जेम्स एंडरसन पत्नी डैनिएला लॉयड के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, महान ब्रायन लारा भी इसमें हाजिरी लगा चुके हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज से समय निकालकर विंबलडन का लुत्फ उठाने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी क्लेयर रैटक्लिफ भी नजर आई। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी विंबलडन मैच देखने पहुंचे। इस दौरान वह सूट-बूट में नजर आए।

पीएसजी फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में, रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया

ईस्ट रदरफोर्ड, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पीएसजी की टीम फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। उसने सेमीफाइनल में स्पेन की दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड को 4-0 से हरा दिया। पीएसजी के लिए फैबियन रुइज ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। अब फाइनल में पीएसजी का सामना चेल्सी से होगा। चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला ईस्ट रदरफोर्ड के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार 14 जुलाई को रात साढ़े 12 बजे शुरू होगा। इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। टीम ने शुरू में स्पैनिश जायंट्स पर पकड़ बना ली थी। मैच के छठे मिनट में ही रुइज ने गोल दाग पीएसजी को 1-0 की बढ़त दिला दी। फिर डेम्बेले ने नौवें मिनट में गोल दाग बढ़त को दोगुना कर दिया। शुरुआती 10 मिनट में ही दो गोल खाने के बाद रियल मैड्रिड की टीम सकपका गई।

अभिभावक-शिक्षक बैठक में नायुडू बने शिक्षक

मुख्यमंत्री ने अभिभावकों को दिए कई मंत्र

अमरावती, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने गुरुवार को कोत्ताचेरुवु स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक में भाग लेने के दौरान एसएससी छात्रों के लिए 45 मिनट की सामाजिक विज्ञान की कक्षा ली। राज्य सरकार ने राज्य भर के स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों के अभिभावकों के लिए एक विशाल पीटीएम (अभिभावक-शिक्षक बैठक) का आयोजन किया था। कोत्ताचेरुवु जिला परिषद स्कूल में पीटीएम का उद्घाटन करते हुए, मुख्यमंत्री ने कक्षा 10 के छात्रों से बातचीत की, उनके प्रगति कार्ड देखे और उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता के लक्ष्य के लिए प्रोत्साहित करते हुए प्रेरक परामर्श दिया। उनके 45 मिनट के व्याख्यान में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक संसाधन, ईंधन, बिजली उत्पादन, पेटेंट, जल संसाधन और प्रौद्योगिकी की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा हुई। नायुडू के पुत्र और मानव संसाधन विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एन लोकेश नायुडू भी कक्षा में मौजूद थे। यह अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल में रखने और स्कूल छोड़ने से रोकने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित दूसरी ऐसी पीटीएम थी। नायुडू ने कहा, आप जितने ज़्यादा बच्चों को स्कूल भेजेंगे, भविष्य में उन्हें उतना ही ज़्यादा फ़ायदा होगा।

सरकार की प्रमुख योजना, तल्लिकि वंदनम के तहत, अपने बच्चों को स्कूल भेजने वाली हर माँ को प्रति बच्चा प्रति वर्ष 15,000 रुपये मिलेंगे। अपने बच्चों को रोज़ाना स्कूल भेजते रहें और सुनिश्चित करें कि वे स्कूल न छोड़ें। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन समितियों, सरकारी अधिकारियों, दानदाताओं और पूर्व छात्रों ने भाग लिया। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 61,000 शैक्षणिक संस्थानों और दो करोड़ लोगों ने इसमें भाग लिया। इस तरह का पहला मेगा पीटीएम 7 दिसंबर को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 74,96,228 छात्र, 3,32,770 शिक्षक और 1,49,92,456 अभिभावकों ने भाग लिया। सरकार हर साल इस तरह के संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रही है। यह आयोजन अभिभावकों को यह जानने का अवसर प्रदान करता है कि उनके बच्चे कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकार अभिभावकों को उनके बच्चों के प्रदर्शन के बारे में विस्तृत प्रगति कार्ड भी प्रदान करेगी। पीटीएम को आकर्षक बनाने के लिए आयोजकों ने पारिवारिक फोटो बूथ, सकारात्मक पालन-पोषण सत्र और एक पेड़ माँ के नाम नामक एक विशेष गतिविधि भी आयोजित की, जिसमें छात्रों को अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आदतन चोर गिरफ्तार, 32 तोला सोने के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने गुरुवार को एक चोर को गिरफ्तार किया है जो कई संपत्ति अपराधों में शामिल था। पुलिस ने उसके पास से 32 तोले सोने के गहने बरामद किए हैं। उप्पलपल्ली निवासी जगन्नाथम प्रभु (33) रात में घरों में घुसकर सामान चुराकर फरार हो जाता था।

पुलिस ने बताया, प्रभु एक आदतन अपराधी है और हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा में कई संपत्ति अपराधों में शामिल रहा है। अप्रैल में उसे एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, जेल से बाहर आने के बाद उसने फिर से चोरी की वारदातें शुरू कर दीं।

निम्स में मुफ़्त हृदय शल्य चिकित्सा करवाया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर ने गंभीर हृदय रोग से पीड़ित एक बच्ची की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। उन्होंने निम्स में बच्ची की मुफ़्त सर्जरी करवाकर अपनी उदारता दिखाई।

कर्नाटक के चंद्रकांत दंपत्ति हैदराबाद के मलकपेट इलाके में रहते हैं और वहीं एक होटल में काम करते हैं। चंद्रकांत दंपत्ति की 8 साल की बच्ची ऐश्वर्या अक्सर बीमार रहती है, इसलिए उसे एक स्थानीय निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां के डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची को हृदय रोग (एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट) है और अगर ऑपरेशन नहीं किया गया तो जान का खतरा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन में कम से कम 5 लाख रुपये खर्च होंगे। इससे चंद्रकांत दंपत्ति बेहद दुखी हो गए। कर्नाटक का परिवार होने के कारण, उनके पास आरोग्यश्री कार्ड या राशन कार्ड नहीं है। आधार कार्ड भी कर्नाटक का है। इस संदर्भ में, पीड़ित परिवार ने स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से मुलाकात की और उन्हें बच्ची की स्थिति के बारे में बताया। इससे भावुक होकर मंत्री ने बच्ची को निम्स में भर्ती कराया। उन्होंने आदेश दिया कि आवश्यक ऑपरेशन तुरंत किया जाए और पूरा इलाज निःशुल्क प्रदान किया जाए। मंत्री के आदेश पर, निम्स निदेशक डॉ. बीरप्पा ने बच्ची के ऑपरेशन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। बीते 4 जुलाई को, हृदय रोग विशेषज्ञ गोपाल और प्रवीण के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम ने बच्ची का सफल ऑपरेशन किया।

बच्ची पूरी तरह ठीक होने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। चंद्रकांत और उनकी पत्नी बच्ची के साथ गुरुवार को सचिवालय में मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से मिले और आभार व्यक्त किया। वे भावुक होकर बोले कि ईश्वर ने बच्ची की जान बचाई है। इस अवसर पर उन्हें आश्वस्त करते हुए मंत्री ने बच्ची का स्नेहपूर्वक अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने माता-पिता को उसकी देखभाल करने की सलाह दी।

ऑपरेशन कगार के नाम पर नरसंहार कर रहा है केंद्र : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ऑपरेशन कगार के नाम पर नरसंहार कर रही है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि माओवादियों द्वारा बातचीत के लिए तैयार होने की घोषणा के बावजूद, केंद्र सरकार ने निर्मम युद्धविराम अभियान शुरू किया है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों की मौतें हुई हैं।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन कगार की आड़ में, केंद्र वन खनिज संपदा को कॉर्पोरेट संस्थाओं को सौंपने की कोशिश कर रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऑपरेशन कगार अभी भी जारी है। टीपीसीसी प्रमुख ने गुरुवार को यहां भाकपा मकदूम कार्यालय में एक समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कवि-क्रांतिकारी मखदूम मोहिउद्दीन को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस मंच का उपयोग देश के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य की तीखी आलोचना करने के लिए किया। महेश कुमार गौड़ ने मखदूम को साहित्यिक प्रतिभा और क्रांतिकारी राजनीति का प्रतीक बताया। टीपीसीसी नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रशासन की असंतुलित नीतियों का विरोध करने वालों को शहरी नक्सली करार देने के लिए केंद्र सरकार की भी निंदा की। महेश कुमार गौड़ ने कहा, एक गोलमेज बैठक में ऑपरेशन कगार के खिलाफ बोलने के अगले ही दिन मुझे शहरी नक्सली और राष्ट्र-विरोधी करार दे दिया गया। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य की रक्षा के लिए धर्मनिरपेक्ष ताकतों को मजबूत होना होगा। टीपीसीसी प्रमुख ने कहा, देश में लोकतंत्र की रक्षा की सख्त ज़रूरत है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चुनाव आयोग चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाने वाला हथियार बन गया है, यह एक खतरनाक घटनाक्रम है। महेश कुमार गौड़ ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, सत्ता में आने के बाद से, भाजपा ने व्यवस्थित रूप से संस्थाओं को कमजोर किया है। चुनाव आयोग भी इसका एक शिकार है। संस्था के भीतर ईमानदार अधिकारियों को भी अब राजनीतिक दबाव में झुकना पड़ रहा है। टीपीसीसी प्रमुख ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आयोग कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का साधन बन गया है। बिहार में, उपनामों में विसंगतियों की आड़ में वोटों को खत्म करने से स्पष्ट रूप से एक खास पार्टी को फायदा हुआ। यह मामला अब सर्वोच्च न्यायालय में है।

उन्होंने इस 'अलोकतांत्रिक' उन्मूलन प्रक्रिया के खिलाफ भारतीय ब्लॉक के एकजुट विरोध का स्वागत किया और सभी लोकतांत्रिक ताकतों के एकजुट होने की आवश्यकता पर बल दिया। महेश कुमार गौड़ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कम्युनिस्ट विचारधारा अभी भी प्रासंगिक बनी हुई है। उन्होंने कहा, कम्युनिस्ट विचारधारा की कोई मृत्यु नहीं है, और विचारधारा अक्षुण्ण है। हमने वामपंथी दलों के साथ गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ा और सफल रहे। केवल मजबूत धर्मनिरपेक्ष ताकतें ही इस देश के भविष्य की रक्षा कर सकती हैं। इस अवसर पर सीपीआई नेता सुरवरम सुधाकर रेड्डी, डी. राजा, नारायण, चाडा वेंकट रेड्डी, सीपीआई विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव और अन्य नेता मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम गोदाम का दौरा किया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुदर्शन रेड्डी ने ईवीएम गोदाम का दौरा किया। गुरुवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी के साथ रंगारेड्डी जिले के राजेंद्र नगर ईवीएम गोदामों में संग्रहीत मतपत्र इकाइयों और चुनाव उपकरण कक्षों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने ईवीएम और बैलेट मशीनों के संबंध में सभी सावधानियां बरतने की सलाह दी। भविष्य में पुनर्विभाजन के कारण जिले में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ेगी, इसलिए संबंधित अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर के ध्यान में ईवीएम के भंडारण हेतु एक अतिरिक्त भवन के निर्माण की आवश्यकता की ओर ध्यान दिलाया। इस पर कलेक्टर ने कहा कि जल्द ही एक नए भवन के निर्माण के लिए कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम में राजेंद्र नगर आरडीओ वेंकट रेड्डी, तहसीलदार, वेयरहाउस प्रभारी बोम्मा रामुलु, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

टीजीएमबीसीडीसी का कौशल विकास प्रशिक्षण

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अति पिछड़ा वर्ग विकास निगम (टीजीएमबीसीडीसी), हैदराबाद अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) के बेरोजगार युवाओं/स्नातकों को आजीविका हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। हैदराबाद में उन्हें विभिन्न कौशल (सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य निर्माण, संचार कौशल प्रशिक्षण, मॉक इंटरव्यू, आत्मविश्वास निर्माण और मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण) निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण (04) दिनों का होगा। प्रशिक्षण के दौरान, उम्मीदवारों को यात्रा भत्ता, भोजन और आवास की सुविधा प्रदान की जाएगी।

महिला को धोखा देने के आरोप में दो ऑटो चालक गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर एक महिला का ध्यान भटकाकर उससे 20,000 रुपये छीनने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सैयद वसीमुद्दीन (34) और मोहम्मद आजम अली (34) शामिल हैं, जो दोनों ऑटो रिक्शा चालक हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों संदिग्धों ने बुजुर्ग महिलाओं को अपने ऑटो रिक्शा में मुफ्त सवारी की पेशकश की और उनकी मदद करने के बहाने उनका ध्यान भटकाने के लिए उनके पास मौजूद असली नोटों को नकली नोटों से बदल दिया। टास्क फोर्स के अतिरिक्त डीसीपी अन्दे श्रीनिवास ने बताया कि दोनों मंगलहाट और आसिफनगर में दो मामलों में शामिल थे।

भाजपा सांसद ने इंदिराम्मा आवास आवंटन में सांसदों के लिए मांगा 40 प्रतिशत कोटा

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद रघुनंदन राव ने राज्य सरकार से विधायकों को दिए जाने वाले कोटे के समान इंदिराम्मा आवासों के आवंटन में सांसदों को 40 प्रतिशत कोटा देने का आग्रह किया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे एक पत्र में, रघुनंदन राव ने इंदिराम्मा आवास योजना के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के धन का उपयोग करने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि स्थानीय विधायकों को गरीबों की पहचान और उन्हें घर आवंटित करने के लिए 40 प्रतिशत कोटा दिया गया है। उन्होंने कहा, 'सांसद भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि होते हैं। तेलंगाना के सभी 17 सांसदों को आवास आवंटन में समान कोटा दिया जाना चाहिए।'

ऑनलाइन सट्टेबाजी में पैसा हारने के बाद इंजीनियर ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन सट्टेबाजी में पैसे हारने वाली एक महिला सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल ने मंगलवार रात केपीएचबी में आत्महत्या कर ली। यह घटना गुरुवार को ही सामने आई। पुलिस के अनुसार, एक निजी कंपनी में काम करने वाली अनुषा (25) ऑनलाइन सट्टे की आदी थी।

उसका पति भी सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल है। मंगलवार की रात, जब उसका पति घर से बाहर था, अनुषा ने कथित तौर पर घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। केपीएचबी इंस्पेक्टर एस राजशेखर रेड्डी ने बताया कि अनुषा ऑनलाइन सट्टे में पैसे हार गई थी और इस नुकसान की भरपाई के लिए उसने पैसे उधार लिए और अपना सोना गिरवी रख दिया। उसे डर था कि उसके पति को इस बारे में पता चल जाएगा, इसलिए उसने आत्महत्या कर ली। घर आकर अनुषा के पति ने उसे फंदे से लटका पाया और पुलिस को सूचना दी। शव को मोर्चरी में खवाकर पोस्टमार्टम करवाया गया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

विनोद ने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराई

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक गड्डम विनोद कुमार ने ज़ोर देकर कहा है कि कांग्रेस पार्टी जनता के सामने आने वाले मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार सभी चुनावी वादों को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है।

विधायक विनोद कुमार गुरुवार को गांधी भवन में निर्वाचित प्रतिनिधियों के कार्यक्रम में शामिल हुए। बाद में मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि लोगों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करना निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा एक मूल्यवान पहल है, क्योंकि इससे विभिन्न मुद्दों का शीघ्र समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा, ऐसे कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी के माध्यम से, निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के सामने आने वाली चुनौतियों की जानकारी प्राप्त करते हैं। इसके अलावा, इन समस्याओं का समाधान करने से लोगों में अपनी सरकार के प्रति विश्वास और भरोसा बढ़ता है। मैं इस असाधारण कार्यक्रम के आयोजन के लिए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। विधायक ने बेल्लमपल्ली स्थित उग्गा मंदिर तक सड़क निर्माण का श्रेय कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को दिया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने नेनेल मंडल में सड़कों के निर्माण में 30 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो पिछले वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धि है, और काजीपेट मंडल के विकास के लिए एक विशेष योजना पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।

विधायक ने बताया कि उन्होंने बेल्लमपल्ली नगरपालिका के विकास के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से विशेष धनराशि की मांग की थी। हालांकि, उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र और पोडू भूमि के विकास के संबंध में वन विभाग से सहयोग की कमी का उल्लेख किया। उन्होंने वन मंत्री कोंडा सुरेखा से इस संबंध में पहल करने और निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

कोमटिरेड्डी ने सचिवालय में गुरु पूर्णिमा समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क, भवन एवं छायांकन मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने गुरुवार को सचिवालय में विभाग के कर्मचारियों द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित गुरु पूर्णिमा समारोह में भाग लिया।

उन्होंने आर एंड बी विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज के साथ विशेष पूजा की। मंत्री ने गुरु पूर्णिमा के दिन विशेष पूजा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कर्मचारियों को बधाई दी और गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी, महासचिव प्रेम, आर एंड बी विभाग के कर्मचारी और अन्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस बीच, सचिवालय स्थित परिवहन विभाग के अनुभाग कार्यालय में भी गुरु पूर्णिमा पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने कार्यक्रम में भाग लिया।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में तीन सड़क हादसों में छह लोगों की मौत, छह अन्य घायल

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में गुरुवार को तीन अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में एक एसयूवी के ट्रैक्टर से टकरा जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

ओरवाकल्लू मंडल के कलवाबुग्गा के पास हुई इस घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान शेख कामा बाशा (50) और मुन्नी (35) के रूप में हुई है। तीन वर्षीय बच्चे शेख नादिया ने कर्नूल के सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया। दुर्घटना में छह अन्य घायल हो गए। सभी को कर्नूल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिवार एक स्कॉर्पियो वाहन में हैदराबाद से वाईएसआर कडप्पा जिले के म्यदुकुर जा रहा था। काशीरेड्डी नारायण आश्रम के पास एसयूवी ने एक ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

वहीं तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पहली दुर्घटना में बुधवार देर रात हैदराबाद के पास कोत्तूर में एक कार और ट्रक की टक्कर में एक व्यक्ति और उसके दामाद की मौत हो गई। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतक महेश्वरम मंडल के निवासी थे। शंकरपल्ली मंडल के लक्ष्मीरेड्डीगुडा गेट के पास एक अन्य दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पीड़ित एक बाइक पर सवार था, जिसे सड़क परिवहन निगम की एक बस ने टक्कर मार दी। एक अन्य दुर्घटना में, संगारेड्डी जिले के किश्तरेड्डीपेट के पास एक निजी स्कूल बस में आग लग गई। कोई हताहत नहीं हुआ। बस में पांच छात्र सवार थे। चालक ने धुआं देखकर बस रोकी और छात्रों को बाहर निकाला। दमकल की गाड़ी के वहां पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

पिछड़ा वर्ग के नेताओं ने की 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग

मंत्री से सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सचिवालय में गुरुवार दोपहर को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक से पहले पिछड़ा वर्ग (बीसी) नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मुलाकात की और समुदाय के लिए राजनीति, शिक्षा और रोजगार में 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर ज़ोर दिया।

बीसी संघम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जजुला श्रीनिवास गौड़ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बीसी समुदाय से किए गए कांग्रेस पार्टी के वादे की याद दिलाई तथा उसे पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। नेताओं ने मांग की कि राज्य सरकार इस मामले को सक्रियता से आगे बढ़ाए और केंद्र के समक्ष उठाए। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि वे आरक्षण लागू करने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए नई दिल्ली जाएं। इस संबंध में मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। इस बीच, राज्य मंत्रिमंडल द्वारा आगामी स्थानीय निकाय चुनाव, पिछड़ा वर्ग आरक्षण कार्यान्वयन, बनकाचेरला परियोजना और अन्य प्रशासनिक मामलों सहित कई प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है।

पुलिस आयुक्त ने एटीसी का दौरा किया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, राचकोंडा जी. सुधीर बाबू ने बेगारिकंचा गांव स्थित एटीसी का दौरा किया। वहां उन्होंने फार्मा सिटी द्वारा किसानों को वितरित किए जा रहे प्लॉटों और उनके लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से बातचीत की। पुलिस आयुक्त ने स्वयं हेल्प डेस्क और शिकायत काउंटरों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, पुलिस आयुक्त ने किसानों को सलाह दी कि प्लॉटों का वितरण पारदर्शी होना चाहिए और बिचौलियों के झांसे में नहीं आना चाहिए।

उन्होंने किसानों को प्राप्त शिकायतों के रजिस्टर की जांच करने और किसी भी समस्या को अधिकारियों के ध्यान में लाने की भी सलाह दी। उन्होंने किसानों को बिचौलियों के झांसे में न आने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था में कोई खलल न पड़े, इसके लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। बाद में, उन्होंने कुछ किसानों से बात की और उनकी राय जानी। पुलिस आयुक्त के साथ महेश्वरम की पुलिस उपायुक्त श्रीमती सुनीता रेड्डी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सत्यनारायण, इब्राहिमपट्टनम के पुलिस आयुक्त केपीवी राजू, हैदराबाद ग्रीन फार्मेसी निरीक्षक लिक्की कृष्णम राजू और पुलिस थाने के कर्मचारी भी मौजूद थे।

जीएचआईएएल ने ईएसआर जीएमआर लॉजिस्टिक्स पार्क में हासिल की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड की सहायक कंपनी जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) ने ईएसआर जीएमआर लॉजिस्टिक्स पार्क प्राइवेट लिमिटेड (ईजीएलपीपीएल) में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की है। जीएचआईएएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जीएमआर हैदराबाद एयरोट्रोपोलिस लिमिटेड (जीएचएएल) के पास पहले से ही ईजीएलपीपीएल में शेष 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ईजीएलपीपीएल की स्थापना जनवरी 2020 में हैदराबाद में वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स पार्कों के विकास के लिए जीएचएएल और ईएसआर हैदराबाद 1 प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। कंपनी ने लगभग 17 लाख वर्ग फुट औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना विकसित की है। इस रणनीतिक अधिग्रहण के साथ, जीएचआईएएल, स्वयं तथा जीएचएएल के माध्यम से, अब ईजीएलपीपीएल का 100 प्रतिशत स्वामी बन गया है, जिससे यह कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.